महाकालेश्वर जी का संध्या काल आरती श्रृंगार दर्शन

केंद्र और राज्य शासन से विज्ञापन के लिए अनुमोदित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

16 वर्षों से निरंतर....

Website:- www.malwaherald.com

RNI No. MPHIN/2010/33238
dainikmalwaherald@yahoo.com
malwaherald@gmail.com

मालवा हेराल्ड

वर्ष : 16 अंक : 236 | उज्जैन, गुरुवार 5 फरवरी 2026 | पृष्ठ-8 | मूल्य-1 रुपए

सुविचार

जिंदगी तभी सफल मानी जाती है,जब खुद का परिचय खुद न देना पड़े...

न्यूज ब्रीफ

शत्रु संपत्ति बेचकर भारत सरकार ने कमाएं 2930 करोड़ रुपये, किन लोगों की थी यह प्रोपर्टी?

नई दिल्ली/ जीएनएस। भारत सरकार ने संसद में बताया कि 28 जनवरी तक 2,930 करोड़ रुपये की चल और अचल शत्रु संपत्तियां बेची हैं। शत्रु संपत्ति उन संपत्तियों को कहा जाता है जो पाकिस्तान और चीन की नागरिकता लेने वाले लोगों ने देश में मुख्यत~ वर्ष 1947 से 1962 के बीच छोड़ी थीं। गृह राज्य मंत्री बंडी संजय कुमार ने बुधवार को राज्यसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में कहा कि शत्रु संपत्तियों का निपटान और मौद्रीकरण शत्रु संपत्ति अधिनियम, 1968 और इसके तहत बनाए गए नियमों और दिशा-निर्देशों के अनुसार किया जाता है। उन्होंने बताया, 28.01.2026 तक 2,930 करोड़ रुपये की चल और अचल शत्रु संपत्तियां बेची गई हैं। कुमार ने कहा कि सरकार ने शत्रु संपत्तियों के मौद्रीकरण को तेज करने के लिए कई कदम उठाए हैं, जिसमें जिला मजिस्ट्रेटों को ऐसी संपत्तियों के पदेन उप-निगरानीकर्ता के रूप में कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया है। एसडीएम को पदेन सहायक निगरानीकर्ता, तहसीलदार को पदेन निरीक्षक और शत्रु संपत्ति के लिए भारत (सीईपीआई) के क्षेत्रीय कार्यालयों में नियुक्त उप सचिव को पदेन उप-निगरानीकर्ता के रूप में कार्य करने के लिए कहा गया है। शत्रु संपत्ति की नीलामियों में बोली लगाने वालों को आकर्षित करने के लिए पूर्व-बोली को 10 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत कर दिया गया है और बिक्री मूल्य के भुगतान की अवधि को 21 दिनों से बढ़ाकर 120 दिन कर दिया गया है। निपटान की प्रक्रिया पर मंत्री ने कहा कि संपत्ति के स्थान पर जिला मजिस्ट्रेट की अध्यक्षता में एक समिति द्वारा मूल्यांकन किया जाता है और एक करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की शत्रु संपत्तियों के लिए पैनल में शामिल मूल्यांकनकर्ताओं को शामिल किया जाता है। उन्होंने कहा कि मूल्यांकन रिपोर्ट के सामने शत्रु संपत्ति निपटान समिति के समक्ष रखी जाती है, जो शत्रु संपत्तियों के निपटान के संबंध में केंद्रीय सरकार को अपनी सिफारिशें देती है।

500 लोगों से 1 करोड़ की ठगी: पटना और शेखपुरा में छापेमारी, 26 साइबर ठग गिरफ्तार

पटना/ जीएनएस। बिहार पुलिस की साइबर अपराध एवं सुरक्षा इकाई (सीसीएसयू) की विशेष टीमों ने पटना और शेखपुरा के आधा दर्जन ठिकानों पर छापेमारी कर 26 साइबर ठगों को गिरफ्तार किया है। इनमें पटना में 21 जबकि शेखपुरा में पांच साइबर ठगों को गिरफ्तार किया गया है। इस मामले में साइबर थाने में प्राथमिकी भी दर्ज की गई है। पुलिस मुख्यालय के अनुसार, सीसीएसयू और पटना साइबर थाने की टीम ने गुप्त सूचना पर दो फरवरी को दानापुर और रूपसपुर थाना क्षेत्र के तीन ठिकानों पर छापेमारी की। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि अभियुक्त फर्जी डिजिटल सेवा केंद्र एवं फर्जी कॉल सेंटर के माध्यम से आमलोगों को धोखाधड़ी का शिकार बना रहे थे। गिरोह ने लगभग चार वर्षों में 500 लोगों से करीब एक करोड़ रुपये की ठगी की है। इसके लिए वर्ष 2022 में ही एक फर्जी वेबसाइट बनाई गई थी। इसके बाद पटना एवं अन्य स्थानों पर किराये का मकान लेकर कॉल सेंटर स्थापित कर वहां ऑनलाइन कंप्यूटर ट्रेनिंग एवं डिजिटल सेवा केंद्र के नाम से फर्जीवाड़ा चलाया जा रहा था। इसके लिए अभियुक्त गूगल एवं अन्य स्त्रोतों की मदद से आम नागरिकों का मोबाइल नंबर एवं डेटाबेस तैयार करते थे। इसके बाद महिला एवं पुरुष कर्मचारियों के माध्यम से मोबाइल रिचार्ज से लेकर रेल-हवाई जहाज की टिकट बुकिंग, आधार अपडेट एवं अन्य डिजिटल सेवाओं का झांसा देकर लोगों को फंसाया जाता था।

अधोसंरचना विस्तार के साथ बेहतर स्वास्थ्य संकेतकों की ओर तेज गति से अग्रसर हो रहा है म.प्र. : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

सुदृढ़ हो रही हैं मध्यप्रदेश की स्वास्थ्य सेवाएँ

भोपाल/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि आम नागरिकों के बेहतर स्वास्थ्य के लिये मध्यप्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं को निरंतर सशक्त किया जा रहा है। समन्वित प्रयासों से स्वास्थ्य अधोसंरचना का व्यापक विस्तार हुआ है और आम नागरिकों को गुणवत्तापूर्ण, सुलभ और आधुनिक चिकित्सा सुविधाएँ उपलब्ध कराई जा रही हैं। मेडिकल शिक्षा, सुपर स्पेशियलिटी सेवाओं, मातृ-शिशु स्वास्थ्य एवं जनस्वास्थ्य कार्यक्रमों में उल्लेखनीय प्रगति के साथ मध्यप्रदेश स्वास्थ्य संकेतकों में निरंतर सुधार की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

मातृ-शिशु स्वास्थ्य में भी महत्वपूर्ण प्रगति दर्ज की गई है। प्रदेश में मातृ मृत्यु दर 173 से घटकर 142 तथा शिशु मृत्यु दर 41 से घटकर 37 हुई है। जननी सुरक्षा योजना एवं मुख्यमंत्री प्रसूति सहायता योजना के अंतर्गत लाखों लाभार्थियों को हजारों करोड़ रुपये की सहायता प्रदान की गई है। नवजात एवं कुपोषण प्रबंधन में एसएनसीयू एवं एनआरसी की सफल डिस्चार्ज दरों में भी वृद्धि हुई है।

जनस्वास्थ्य कार्यक्रमों के अंतर्गत टीबी उन्मूलन कार्यक्रम में मध्यप्रदेश राष्ट्रीय स्तर पर शीर्ष 5 प्रदर्शनकारी राज्यों में शामिल हुआ है। सिकल सेल मिशन के अंतर्गत व्यापक स्क्रीनिंग एवं उपचार सुविधाएँ विकसित की गई हैं। आयुष्मान भारत योजना में 4.43 करोड़ कार्ड तैयार कर प्रदेश के नागरिकों को आर्थिक सुरक्षा प्रदान की गई है। योजनांतर्गत पात्र परिवारों को 5 लाख रूपये तक निःशुल्क उपचार दिया जा रहा है। साथ ही गंभीर रोगियों को आपात स्थिति में त्वरित रूप से उच्च स्तरीय उपचार पीएम श्री एयर एम्बुलेंस सेवा से मुहैया कराया जा रहा है। अब तक 120 से अधिक नागरिकों को आपात स्थिति में सेवा का लाभ मिला है। मानवीय संवेदनाओं के दृष्टिगत निःशुल्क एवं सम्मानजनक शव-परिवहन सेवा भी प्रारंभ की गई है। राह-वीर योजना में आपात काल में गंभीर रूप से घायल व्यक्ति को गोल्डन ऑवर में अस्पताल पहुंचाकर जान बचाने वाले नागरिक को 25 हजार रूपये की प्रोत्साहन राशि दी जाती है। साथ ही, मोबाइल मेडिकल यूनिटों के माध्यम से दूरस्थ एवं जनजातीय क्षेत्रों में नियमित स्वास्थ्य सेवाएँ सुनिश्चित की जा रही हैं।

मेडिकल हब बनने की ओर अग्रसर है मध्यप्रदेश- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि वर्ष 2003 तक प्रदेश में सिर्फ 6 मेडिकल कॉलेज थे। वर्तमान में प्रदेश में 33 मेडिकल कॉलेज है। विगत 2 वर्षों में शासकीय मेडिकल कॉलेजों की संख्या 14 से बढ़कर 19 तथा निजी मेडिकल कॉलेजों की संख्या 12 से बढ़कर 14 हो गई है। ईएसआईसी मेडिकल कॉलेज, इंदौर में 50 एमबीबीएस सीटों के साथ संचालन प्रारंभ किया गया है। आगामी 2 वर्षों में 6 शासकीय एवं पीपीपी मोड पर 13 मेडिकल कॉलेज प्रारंभ किया जाना योजना में शामिल है। विगत 2 वर्षों में सरकारी एमबीबीएस सीटें 2275 से बढ़कर 2850 हुई हैं, जबकि सरकारी एवं निजी मिलाकर कुल एमबीबीएस सीटें 5550 हो गई हैं। पीजी (एमडी/एमएस) सीटों में भी वृद्धि करते हुए सरकारी पीजी सीटें 1262 से बढ़कर 1468 तथा कुल पीजी सीटें 2862 हो गई हैं। इसके अतिरिक्त 93 सुपर स्पेशियलिटी सीटें उपलब्ध कराई गई हैं। सशक्त स्वास्थ्य सेवाओं से मध्यप्रदेश मेडिकल हब बनने की ओर अग्रसर है।

पीपीपी मॉडल पर कटनी, धार, पन्ना और बैतूल में नए मेडिकल कॉलेजों की स्थापना प्रगति पर है। एम.जी.एम. मेडिकल कॉलेज, इंदौर में अस्पताल भवन, मिनी ऑडिटोरियम एवं नर्सिंग हॉस्टल जैसे अधोसंरचनात्मक कार्यों हेतु 773.07 करोड़ रूपये के कार्य प्रारंभ किए गए हैं। श्यामशाह मेडिकल कॉलेज, रीवा के लिए 321.94 करोड़ रूपये तथा सतना मेडिकल कॉलेज से जुड़े नए अस्पताल हेतु 383.22 करोड़ रूपये के कार्य प्रारंभ किए गए हैं। इसके साथ ही 13 नए नर्सिंग कॉलेजों के लिए 192.40 करोड़ रूपये स्वीकृत किए गए हैं।

आधुनिक चिकित्सा सेवाओं के विस्तार के अंतर्गत इंदौर, जबलपुर, रीवा और ग्वालियर में लिनियर एक्स-रेटर मशीनों की स्वीकृति दी गई है। भोपाल, इंदौर, जबलपुर, रीवा और सागर में सीटी स्कैन एवं एमआरआई मशीनें स्थापित की गई हैं। भोपाल एवं रीवा में कार्डियक कैथ लैब की स्थापना की गई है। इंदौर और जबलपुर में बोन मैरो ट्रांसप्लांट सेवाएँ प्रारंभ हुई हैं, वहीं इंदौर में कार-टी सेल थेरेपी एवं ब्लड कैंसर उपचार हेतु अत्याधुनिक मशीन स्थापित की गई है। मानव संसाधन सुदृढ़ीकरण के तहत मेडिकल कॉलेजों में 354 नए सीनियर रेजिडेंट पद सृजित किए गए हैं। विशेषज्ञ चिकित्सकों एवं पैरामेडिकल स्टाफ की व्यापक भर्ती की गई है, जिससे स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता और उपलब्धता में उल्लेखनीय सुधार हुआ है।

भारत-US ट्रेड डील से किसानों को कितना फायदा? पीयूष गोयल ने संसद में बताई एक-एक बात

नई दिल्ली/ जीएनएस। भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर बुधवार को केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने लोकसभा में बयान देते हुए कहा है कि इस ऐतिहासिक समझौते में खाद्य, कृषि और डेयरी क्षेत्र में भारत की संवेदनशीलता का पूरा ख्याल रखा गया है।

उन्होंने इस समझौते को भारत-अमेरिका संबंधों को मजबूत करने के साथ ही वर्ष 2047 तक भारत को विकसित देश बनाने के लक्ष्य को गति देने वाला भी बताते हुए कहा कि यह दुनिया के दो सबसे बड़े लोकतंत्रों के बीच मजबूत जुड़ाव को दर्शाता है, जो साझा समृद्धि के लिए मिलकर काम कर रहे हैं।

पीएम मोदी और ट्रंप की हुई बात- सोमवार को देर रात पीएम नरेन्द्र मोदी और राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप के बीच टेलीफोन पर बात होने के बाद ट्रेड डील की घोषणा की गई थी। रूस से तेल खरीद को लेकर लगाये जा रहे कयासों पर गोयल ने कहा कि, ÷मैं स्पष्ट करना चाहता हूं कि जैसाकि सरकार ने कई बार सार्वजनिक तौर पर कहा है कि 140 करोड़ भारतीयों की ऊर्जा आवश्यकताओं की सुरक्षा सुनिश्चित करना सर्वोच्च प्राथमिकता है।

वस्तुनिष्ठ बाजार परिस्थितियों और बदलते अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य के अनुरूप ऊर्जा आपूर्ति में विविधता लाना हमारी कार्यनीति का मूल आधार है। भारत की सभी कार्रवाइयां इसी को ध्यान में रख कर की जाती हैं।

गोयल ने अमेरिका व भारत की अर्थव्यवस्था को एक दूसरे के पूरक बताते हुए कहा कि जैसे जैसे भारत विकास पथ पर बढ़ रहा है उसे ऊर्जा, विमानन, डेटा केंद्र, परमाणु ऊर्जा आदि क्षेत्रों में अपनी क्षमताओं को बढ़ाने की जरूरत है।

अमेरिका इन क्षेत्रों का अग्रणी देश है, जिससे न केवल हमारी खरीद बढ़ेगी बल्कि हमारा निर्यात भी बढ़ेगा। हमारा अनुमान है कि कई क्षेत्रों में अमेरिका को भारत का निर्यात बढ़ेगा।अब आगे की रणनीति के बारे में गोयल ने कहा कि दोनों पक्ष अब तकनीकी प्रक्रियाओं और कागजी कार्रवाई को अंतिम रूप देने में जुटे हैं।

लिफ्ट में गैस से भरे गुब्बारों में ब्लास्ट, 2 लोग घायल

नई दिल्ली/ जीएनएस। मुंबई से एक हैरान करने वाला वीडियो सामने आया है। यहां एक बिल्डिंग की लिफ्ट में गुब्बारों की लड़ी में अचानक विस्फोट हो गया। लिफ्ट की CCTV में यह भयानक नजारा कैद हो गया, जो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में देखा जा सकता है सफेद शर्ट पहने एक महिला सबसे पहले लिफ्ट के अंदर घुसती है, जिसके पास एक छोटा ट्रॉली बैग था। उसे जिस फ्लोर पर जाना था, उसने उसका बटन दबाया। उसके पीछे, एक आदमी बड़े पॉलिथीन बैग में एक दर्जन से ज्यादा गुब्बारे लिए अंदर आने की कोशिश कर रहा था।

महिला ने उसे देखा और लिफ्ट के अंदर जगह बनाई। गुब्बारे वाला आदमी अंदर घुस और एक कोने में खड़ा होने ही वाला था, तभी लिफ्ट के अंदर गुब्बारे में ब्लास्ट हो गया। आग की तेज लपट पूरे लिफ्ट में फैल गई।

30 ट्रिलियन डॉलर की होगी भारतीय इकोनमी, मुकेश अंबानी की भविष्यवाणी

नई दिल्ली/ जीएनएस। देश के सबसे बड़े उद्योग समूह रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी ने कहा कि भारत अगले तीन दशकों में 25 से 30 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने की तरफ अग्रसर है। जियो-ब्लैकरॉक के संयुक्त कार्यक्रम इन्वेस्टिंग फॉर ए न्यू एरा में ब्लैकरॉक के सीईओ लैरी फिंक के साथ एक परिचर्चा में अंबानी ने भारत की दीर्घकालिक विकास क्षमता पर जोर दिया। अंबानी ने कहा कि भारत पारंपरिक रूप से बचत का देश रहा है, लेकिन अब समय आ गया है कि यहां की युवा पीढ़ी बचत करने से ज्यादा निवेश करने पर ध्यान दे।

उन्होंने जोर दिया कि बचत को पूंजी बाजार में निवेश करने से न केवल व्यक्तिगत संपत्ति बढ़ेगी बल्कि देश की आर्थिक वृद्धि को भी मजबूती मिलेगी। लैरी फिंक ने इसे भारत का युग करार देते हुए कहा कि भारत जैसे तेजी से बढ़ते देश में दीर्घकालिक तौर पर इक्विटी निवेश संपत्ति सृजन का सबसे प्रभावी माध्यम हो सकता है।

अंबानी ने भारत की मजबूत नीतियों, राजनीतिक स्थिरता, इंफ्रास्ट्रक्चर में और ज्यादा निवेश, 5जी और डिजिटल क्रांति को भावी विकास की बुनियाद बताया।

बेंगलुरु की सड़क पर हाई-वोल्टेज ड्रामा, क्लब के बाहर युवक ने उतारे सारे कपड़े

नई दिल्ली/ जीएनएस। बेंगलुरु के मशहूर और बेहद खास सदस्यों वाले बैंगलोर क्लब के बाहर बुधवार को उस वक्त हड़कंप मच गया, जब एक युवक ने नशे की हालत में हंगामा किया, कपड़े उतार दिए और सड़क पर लेट गया। इस पूरी घटना का वीडियो भी सामने आया है।

युवक की पहचान स्थानीय निवासी राज अनंत के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक, वह नशे में था और खुद को क्लब सदस्य के बेटे बताकर अंदर जाने की जिद कर रहा था। सुरक्षा गार्डों ने उसे अंदर जाने से रोक दिया, जिसके बाद विवाद बढ़ गया।

ट्रंप के दावे पर नहीं लगी भारत की मुहरः रूस से तेल खरीदना जारी, क्या है मोदी सरकार का प्लान?

नई दिल्ली/ जीएनएस। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दावा करने के बावजूद कि भारत रूस से तेल आयात बंद कर देगा, भारत ने स्पष्ट संकेत दिए हैं कि वह अपनी ऊर्जा जरूरतों के आधार पर ही फैसले लेगा।

संसद में बुधवार को वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि 1.4 अरब भारतीयों की ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करना प्राथमिकता है और बदलते वैश्विक परिदृश्य में ऊर्जा स्त्रोतों का विविधीकरण इस रणनीति का हिस्सा है। हालांकि उन्होंने किसी देश से तेल खरीद बंद करने का कोई जिक्र नहीं किया। कुछ प्रमुख कूटनीतिक सूत्रों ने भी दैनिक जागरण को बताया कि रूस से तेल खरीद हो रही है और पिछले हफ्ते भी कुछ बड़े सौदे हुए हैं। इसके बावजूद कुल मात्रा के हिसाब से रूसी तेल का आयात पहले के मुकाबले कम होगा।

भारत ने नहीं की ट्रंप के दावे की पुष्टि - विशेषज्ञों का मानना है कि अंतरराष्ट्रीय कच्चे तेल बाजार में क्रेता-विक्रेता के रिश्ते रातोंरात नहीं बदलते, और रूस से तेल की पूरी भरपाई वेनेजुएला या अमेरिका से करना व्यावहारिक रूप से चुनौतीपूर्ण है।

भारत के साथ ट्रेड डील की घोषणा करने के साथ ही राष्ट्रपति ट्रंप ने सोमवार को को घोषणा की थी कि भारत रूस से तेल खरीद बंद कर अमेरिका और संभवत~ वेनेजुएला से तेल खरीदेगा। लेकिन भारत सरकार ने इस दावे की पुष्टि नहीं की है।

भारत और रूसी तेल-क्रेमलिन ने भी कहा कि उसे भारत से रूस से तेल खरीद बंद करने की कोई आधिकारिक जानकारी नहीं मिली है। उधर, भारत रूस से तेल आयात में कमी तो ला रहा है, लेकिन पूर्ण बंद की स्थिति नहीं है।

दिसंबर 2025 में भारत ने रूस से 13.8 लाख बैरल प्रति दिन तेल आयात किया, जो कुल आयात का 27.4 फीसद था। हालंकि जनवरी 2023 के बाद मात्रा के हिसाब से यह रूस से किया गया सबसे कम तेल आयात था।

जनवरी, 2026 में यह आंकड़ा और कम हो सकता है। यह भी याद रखना चाहिए कि भारत पर रूस से तेल खरीदने को लेकर 25 फीसद अतिरिक्त शुल्क लगाने (जुलाई, 2025) के बावजूद भारत ने अपने पारंपरिक मित्र से तेल खरीद पर रोक नहीं लगाई।

भारत-अमेरिका विदेश मंत्रियों की अहम बैठक

नई दिल्ली/ जीएनएस। वाशिंगटन में मंगलवार की रात भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर और अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो के बीच हुई उच्च-स्तरीय बैठक हुई। इसमें द्विपक्षीय संबंधों से जुड़े सभी आयामों पर चर्चा हुई है और संबंधों को नई गिति देने की सहमति बनी।

यह बैठक सोमवार को घोषित भारत-अमेरिका व्यापार समझौते के बाद दोनों देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है। इस बैठक में दुर्लभ खनिजों (क्रिटिकल मिनरल्स) की खोज, खनन और प्रसंस्करण पर द्विपक्षीय सहयोग को औपचारिक रूप देने पर जोर दिया गया।

रूबियो की बैठक में शामिल होंगे जयशंकर- दोनों पक्षों ने लोकतंत्रों के रूप में मिलकर नए आर्थिक अवसरों को खोलने और साझा ऊर्जा सुरक्षा लक्ष्यों को आगे बढ़ाने की आवश्यकता पर बल दिया। जयशंकर बुधवार को देर रात क्रिटिकल मिनिरल्स पर आयोजित एक अन्य अंतरराष्ट्रीय बैठक में भी हिस्सा लेंगे।

यह बैठक अमेरिका के विदेश मंत्री की तरफ से बुलाई गई है। जयशंकर व रुबियो की बैठक में क्वाड (क्वाड्रिलेटरल सिक्योरिटी डायलाग - भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया का संगठन) को प्रमुखता से उठाया गया। दोनों मंत्रियों ने क्वाड के माध्यम से द्विपक्षीय और बहुपक्षीय सहयोग को विस्तार देने की प्रतिबद्धता जताई।

राष्ट्रीय सेवा योजना युवाओं के व्यक्तित्व निर्माण का सशक्त माध्यम है - डॉ. आर.के. विजय

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस श्री अटल बिहारी वाजपेई शासकीय कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय इंदौर की तीनों राष्ट्रीय सेवा योजना इकाइयों द्वारा आयोजित सात दिवसीय संयुक्त विशेष शिविर का समापन समारोह उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। ग्राम उमरी खेड़ा में 28 जनवरी 2026 से 3 फरवरी 2026 तक आयोजित इस विशेष शिविर में स्वयंसेवकों ने समाजसेवा से जुड़ी विभिन्न गतिविधियों में सक्रिय सहभागिता निभाई।

शिविर के दौरान डिजिटल साक्षरता, नशा मुक्त भारत अभियान, स्वच्छता अभियान, पौधारोपण, नशा मुक्ति एवं एचआईवी एड्स जागरूकता संबंधी नुक्कड़ नाटक, रैलियां, पोस्टर मेकिंग, बौद्धिक सत्र एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इन गतिविधियों के माध्यम से स्वयंसेवकों ने ग्रामीणजनों को सामाजिक कुरीतियों के प्रति जागरूक करने का प्रयास किया।

समापन समारोह में मध्यप्रदेश के पूर्व राज्य राष्ट्रीय सेवा योजना अधिकारी डॉ. आर.के. विजय मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। अपने उद्बोधन में उन्होंने कहा कि राष्ट्र सेवा के लिए स्वयंसेवकों को सदैव समर्पित भाव से कार्य करना चाहिए। राष्ट्रीय सेवा योजना युवाओं को अनेक अवसर प्रदान करती है, जिससे उनका सर्वांगीण व्यक्तित्व विकास होता है। उन्होंने स्वयंसेवकों को निरंतर एनएसएस से जुड़े रहने के लिए प्रेरित किया।

डॉ. विजय ने शिविर के सफल संचालन हेतु महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. ममता चंद्रशेखर को साधुवाद दिया तथा कार्यक्रम अधिकारियों प्रो. शांता चौहान, डॉ. अरुण कुमार आर्य एवं डॉ. ज्ञानेश्वर तिखे को सात दिवसीय शिविर की सफलता के लिए बधाई दी। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्रशासनिक अधिकारी डॉ. संजय प्रसाद एवं डॉ. आशीष पाठक ने भी उपस्थित रहकर स्वयंसेवकों का उत्साहवर्धन किया। इस विशेष शिविर में कुल 125 स्वयंसेवकों ने सहभागिता की। कार्यक्रम का संचालन स्वयंसेवक विनय चौधरी एवं खुशी द्वारा किया गया, जबकि आभार प्रदर्शन डॉ. ज्ञानेश्वर तिखे ने किया।

जलप्रदाय व सीवरेज व्यवस्था दुरुस्त करने सख्त हुए आयुक्त, समय-सीमा में शिकायतों के निराकरण के निर्देश

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर निगम आयुक्त श्री क्षितिज सिंघल ने बुधवार को सीटी बस सभाकक्ष में जलप्रदाय एवं सीवरेज विभाग की झोनवार समीक्षा बैठक लेकर अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि सीएम हेल्पलाइन, इंदौर 311 एप और जलसुनवाई में प्राप्त शिकायतों का अनिवार्य रूप से तय समय-सीमा में निराकरण किया जाए। बैठक में अपर आयुक्त, उपायुक्त, कार्यपालन यंत्री, सहायक यंत्री, उपयंत्री, समस्त झोनल अधिकारी, ड्रेनेज, जलप्रदाय, अमृत योजना एवं संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

समीक्षा के दौरान आयुक्त श्री सिंघल ने नगर निगम क्षेत्र में जल आपूर्ति, सीवरेज व्यवस्था, जल निकासी, ट्यूबवेलों के क्लोरीनीकरण तथा स्वच्छ जल अभियान की स्थिति की विस्तार से जानकारी ली। उन्होंने कहा कि यदि सीवरेज लाइनों की नियमित और सही तरीके से सफाई की जाए तो लीकेज और दूषित पानी से जुड़ी समस्याएं स्वतः ही आधी रह जाएंगी। नागरिकों की स्वास्थ्य से जुड़ी शिकायतों को गंभीरता से लेने के निर्देश देते हुए उन्होंने स्पष्ट किया कि दूषित पानी या लीकेज की शिकायतों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

बैठक में झोन क्रमांक 8 में दूषित पानी की समस्या का समय पर निराकरण नहीं होने पर संबंधित पीएचई सहायक यंत्री शरद सोहनी को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गए। आयुक्त ने कहा कि लीकेज सुधार कार्यों में देरी करने वाले अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाएगी। साथ ही उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि जहां कहीं भी निर्माण कार्य लीकेज सुधार में बाधक बन रहा हो, उसे तत्काल हटाकर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट इंदौर में करियर के बनाने का सुनहरा अवसर

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश पर्यटन विभाग के अंतर्गत संचालित एवं एन.सी.एच.एम.सी.टी., नोएडा से मान्यता प्राप्त स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट (एस.आई.एच.एम.) इंदौर होटल उद्योग में करियर बनाने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक प्रमुख संस्थान के रूप में उभर रहा है। राऊ स्थित यह संस्थान जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) मान्यता प्राप्त पाठ्यक्रम प्रदान करता है। साथ ही इंदौर भारत का सबसे स्वच्छ शहर होने के साथ यहाँ सौम्य जलवायु, सुदृढ़ कानून-व्यवस्था, उत्कृष्ट कनेक्टिविटी, आईआईटीङ्कआईआईएम जैसे शीर्ष स्तरीय शैक्षणिक केंद्र, कम जीवन-व्यय तथा विकसित होटल उद्योग के कारण विद्यार्थियों की पहली पसंद बना हुआ है। उज्जैन- ओंकारेश्वर की निकटता और व्यावसायिक गतिशीलता भी इंदौर शहर की प्रमुख विशेषता है।

यह जानकारी देते हुए स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट इंदौर के प्राचार्य डॉ. वी.के. सिंह ने बताया कि संस्थान द्वारा तीन वर्षीय बीएससी हॉस्पिटैलिटी एंड होटल एडमिनिस्ट्रेशन पाठ्यक्रम पूर्ण करने पर जेएनयू द्वारा मान्यता प्राप्त डिग्री प्रदान की जाती है। इसके अतिरिक्त उक्त संस्थान द्वारा 6 माह के डिप्लोमा पाठ्यक्रम- जिसमें फूड प्रोडक्शन, बेकरी एंड कंफेक्शनरी, फूड एंड बेवरेज सर्विस, हाउसकीपिंग, फ्रंट ऑफिस में तथा 10वीं पास विद्यार्थियों के लिए 6 माह का क्राफ्ट्समैनशिप सर्टिफिकेट कोर्स भी करवाया जाता है। स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट इंदौर की प्रमुख विशेषता चौथे सेमेस्टर में 6 माह की विदेशी इंटर्नशिप का विकल्प, 100 प्रतिशत कैंपस प्लेसमेंट (ओबेरॉय, ताज, आईटीसी, मैरियट, रिलायंस आदि।

महापौर ने CSR सहयोग से निर्मित सुलभ शौचालय का किया लोकार्पण

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर को स्वच्छता के क्षेत्र में देशभर में अग्रणी बनाए रखने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए माननीय महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव ने मंगलवार को फूटी कोठी क्षेत्र अंतर्गत वार्ड क्रमांक 83, जोन क्रमांक 15 में ऋश्चष्ट लिमिटेड के कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी सहयोग से निर्मित सुलभ शौचालय परिसर का विधिवत लोकार्पण किया।

लोकार्पण समारोह में महापौर प्रतिनिधि श्री भारत पारख, क्षेत्रीय पार्षद श्री जितेंद्र राठौर, श्री रमेश खत्री सहित नगर निगम के अधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव ने कहा कि इंदौर की स्वच्छता व्यवस्था को सशक्त बनाने में सफाई मित्रों के साथ-साथ सार्वजनिक सुविधाओं की अहम भूमिका है। इस सुलभ शौचालय परिसर से क्षेत्रवासियों को स्वच्छ, सुरक्षित एवं सुविधाजनक सुविधा उपलब्ध होगी, जिससे खुले में शौच की समस्या पर भी प्रभावी नियंत्रण रहेगा।

महापौर ने REC लिमिटेड द्वारा किए गए ष्टस्क्र सहयोग की सराहना करते हुए कहा कि निजी संस्थानों की सहभागिता से शहर में जनसुविधाओं का विस्तार संभव हो पा रहा है। इस प्रकार के प्रयास इंदौर को स्वच्छ, सुंदर और सुविधायुक्त शहर बनाने में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं।

बाणेश्वर कुंड पर 13 फरवरी से महाशिवरात्रि का तीन दिवसीय महाकुंभ, शिव- पार्वती विवाह सहित होंगे विविध आयोजन

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। बाणगंगा स्थित पावन बाणेश्वर कुंड पर महाशिवरात्रि के अवसर पर 13 से 15 फरवरी तक तीन दिवसीय महाकुंभ का भव्य आयोजन किया जा रहा है।

इस आयोजन में वैदिक विधि-विधान के साथ भगवान शिव और माता पार्वती के विवाह की रस्में संपन्न होंगी। संस्था नमो गृह (शनि) एवं सत्यमेव जयते के संयुक्त तत्वावधान में होने वाला यह आयोजन इस वर्ष अपने 22वें वर्ष में प्रवेश कर रहा है, जिसे क्षेत्र का सबसे बड़ा शिवभक्ति उत्सव माना जाता है।

संस्था के संरक्षक पूर्व पार्षद केके यादव एवं पार्षद शिवम यादव ने बताया कि महाशिवरात्रि पर्व 15 फरवरी को भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी, जिसमें लगभग 10 हजार मातृ शक्तियां सिर पर कलश धारण कर शामिल होंगी। शोभायात्रा में साधु-संत, महंत, सर्वधर्म एवं विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि, खिलाड़ी, प्रतिभाशाली युवा एवं बड़ी संख्या में प्रबुद्धजन सहभागिता करेंगे। यह शोभायात्रा बाणेश्वर कुंड से प्रारंभ होकर मरीमाता चौराहे तक पहुंचेगी।

तीन दिवसीय आयोजन के तहत 13 फरवरी को हल्दी, मेहंदी, कुमकुम एवं दुरदुरैया की रस्मों का आयोजन होगा। 14 फरवरी की रात्रि को भव्य रतजगा रखा जाएगा, जबकि 15 फरवरी को महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर शिव-पार्वती विवाह एवं विशाल शोभायात्रा का आयोजन किया जाएगा। महाकुंभ की शुरुआत अनुष्ठान एवं गणेश पूजन के साथ की जाएगी।

आयोजन को लेकर तैयारियां प्रारंभ हो चुकी हैं। इसी क्रम में बुधवार को एक बैठक आयोजित की गई, जिसमें कार्यक्रम की संपूर्ण रूपरेखा तय की गई। बैठक में श्रीमती मंजू यादव, तारा यादव, अर्चना गायकवाड़, रानी वर्मा, विजय यादव, विनय यादव सहित बड़ी संख्या में मातृ शक्तियां एवं अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। आयोजकों ने बताया कि इस महाकुंभ में क्षेत्र की 100 से अधिक कॉलोनियों के रहवासी भाग लेंगे।

पार्षद शिवम यादव ने जानकारी देते हुए बताया कि शोभायात्रा के दौरान बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, पर्यावरण संरक्षण एवं जल बचत जैसे सामाजिक संदेश भी दिए जाएंगे। साथ ही शोभायात्रा के दौरान सफाई अमला भी मौजूद रहेगा, जो पूरे मार्ग पर स्वच्छता बनाए रखते हुए चलेगा। आयोजन के माध्यम से शिवभक्ति के साथ-साथ सामाजिक जागरूकता का संदेश देने का प्रयास किया जाएगा।

भारत केवल भूगोल नहीं, सेवा और कल्याण का स्वभाव है : पूजनीय सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भारत केवल एक भौगोलिक इकाई नहीं, बल्कि सेवा, कर्म और सभी के कल्याण का स्वभाव है। हमारे यहां उपकार या चैरिटी नहीं, अपितु सेवा का भाव है। जीवन में जहां भी सेवा का अवसर मिले, उसे अपनाना चाहिए, क्योंकि सेवा से मनुष्य की शुद्धि होती है। जिसके पास जो भी सामर्थ्य हो, उसे समाज के लिए अर्पित करना ही हमारा धर्म है। उक्त विचार राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पूजनीय सरसंघचालक डॉ. श्री मोहन भागवत ने कसरावद के लेपा स्थित श्री रामकृष्ण विश्व सद्भावना निकेतन में आयोजित विचार-प्रेरक कार्यक्रम में व्यक्त किए।

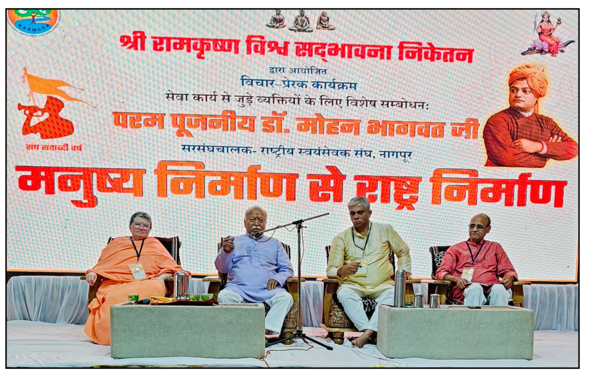

पूजनीय सरसंघचालक ने अपने उद्बोधन में कहा कि मनुष्य देखकर सीखता है, केवल सुनने या बोलने से नहीं। भारत की यात्रा में यह सत्य स्पष्ट हुआ है कि वास्तविक सुख बाहर नहीं, बल्कि मनुष्य के भीतर ही है। भारत में मनुष्य के अंदर की खोज की परंपरा रही है, और इसी आंतरिक यात्रा से शाश्वत सुख की प्राप्ति होती है। हमारे पूर्वजों ने अनुभव के आधार पर बताया कि माया का आधार अध्यात्म होना चाहिए। ईश्वर ने मनुष्य को संवेदना दी है, जो दूसरों के सुख-दुख को समझती है। किसी की उपेक्षा करके सुख भोगना मनुष्य की संवेदना के अनुरूप नहीं है। जीवन मूल्यों की स्थापना के लिए शिक्षा और शुचिता दोनों आवश्यक हैं। शिक्षा का उद्देश्य केवल स्वयं के दुख को दूर करना नहीं, बल्कि समाज और देश के दुख को भी दूर करना है, यही भारत का स्वभाव है।

भारतीय संदर्भों में शिक्षा पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि जन्मांतर का ज्ञान मनुष्य के मस्तिष्क में निहित होता है, आवश्यकता है उसे बाहर लाने की। टंट्या मामा और गाडगे महाराज जैसे महापुरुषों ने औपचारिक शिक्षा नहीं ली, फिर भी आज वे पूजनीय हैं। हमारे भीतर दैवीय गुण मौजूद हैं, उन्हें पहचानना और विकसित करना आवश्यक है। विश्व मानवता का बोध कराने वाली, आत्मनिर्भर बनाने वाली और श्रम की प्रतिष्ठा करने वाली शिक्षा ही वास्तविक शिक्षा है। भारत में व्यक्ति से अधिक कर्म को महत्व दिया जाता है और परिणाम से अधिक प्रामाणिक व उत्कृष्ट कार्य को। भारत का अर्थ केवल भूगोल नहीं, बल्कि एक विशिष्ट स्वभाव है, जिसमें जल, जंगल, नदी, पर्वत, पशु और मनुष्य सभी की उन्नति निहित है।

निमाड़ अभ्युदय रूरल मैनेजमेंट एंड डेवलपमेंट एसोसिएशन एवं श्री रामकृष्ण विश्व सद्भावना निकेतन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस विचार-प्रेरक कार्यक्रम में 'मनुष्य निर्माण से राष्ट्र निर्माण' विषय पर पूजनीय सरसंघचालक का उद्बोधन हुआ। इस अवसर पर 'गोष्ट-नर्मदालयाची' ऑडियोबुक का विमोचन भी किया गया।

कार्यक्रम में बताया गया कि श्री रामकृष्ण विश्व सद्भावना निकेतन विगत 15 वर्षों से शिक्षा एवं कौशल विकास के क्षेत्र में कार्यरत है। हाल ही में 17 से 20 जनवरी के बीच निकेतन में प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव संपन्न हुआ, जिसके पश्चात पूजनीय सरसंघचालक का लेपा प्रवास हुआ। यह संस्थान वनवासी क्षेत्रों के कुपोषित बच्चों के लिए शिक्षा एवं कौशल विकास के कार्य कर रहा है। यहां कक्षा दसवीं तक की शिक्षा एवं बेसिक रूरल टेक्नोलॉजी में डिप्लोमा पाठ्यक्रम की व्यवस्था है, जिसमें लगभग 800 बच्चे अध्ययनरत हैं।

जिला उत्कृष्ट/मॉडल स्कूल एवं श्रमोदय आवासीय विद्यालय के प्रवेश चयन परीक्षा 8 फरवरी को

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश राज्य मुक्त स्कूल शिक्षा बोर्ड जिला उत्कृष्ट /मॉडल स्कूल एवं श्रमोदय आवासीय प्रवेश चयन परीक्षा 08 फरवरी 2026 को आयोजित की जायेगी। परीक्षा में सम्मिलित होने वाले विद्यार्थियों के प्रवेश पत्र मध्यप्रदेश राज्य मुक्त शिक्षा बोर्ड की web site- www.mpsos.nic.in पर अपलोड कर दिये है। प्रवेश पत्र डाउनलोड करने हेतु वेबसाईट से डाउनलोड किये जा सकते है।

कलेक्टर शिवम वर्मा ने जिला अस्पताल का किया आकस्मिक निरीक्षण

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने धार रोड स्थित निर्माणाधीन बहुमंजिला जिला अस्पताल का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्री वर्मा ने अस्पताल में चल रहे विकास कार्यों को देखा। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अस्पताल के आदर्श टीकाकरण केन्द्र, सी.टी. स्कैन, एमआरआई केन्द्र, तथा अन्य केन्द्रों का अवलोकन किया और इस संबंध में डॉक्टरों से चर्चा की। कलेक्टर श्री वर्मा ने कहा कि जिला अस्पताल की बिल्डिंग लगभग तैयार हो गई है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देशानुसार इस अस्पताल का कार्य तेजी से किया जा रहा है। अस्पताल का फिनिसिंग कार्य अगले दो महिनों में पूर्ण कर लिया जायेगा। उन्होंने कहा कि गायनिक वार्ड, टेस्टिंग तथा सीटी स्कैन विभाग अस्पताल में शुरू हो गये है और शेष विभाग बिल्डिंग का निर्माण पूर्ण होने पर शुरू कर दिये जायेंगे, जिससे सभी जरूरतमंद नागरिकों को स्वास्थ्य लाभ देना सुनिश्चित किया जायेगा। उन्होंने बताया कि इस अस्पताल में 300 बेड्स रहेंगे और यहा अत्याधुनिक सुविधाएं रहेंगी। कलेक्टर श्री वर्मा ने निर्देश दिये है अस्पताल में चल रहे निर्माण कार्य में किसी भी मरीज को परेशानी का सामना न करना पडे, इसके लिये उन्होंने प्रबंधन का समुचित व्यवस्थाएं जैसे- साफ-सफाई आदि सुनिश्चित निर्देश दिये। निरीक्षण के दौरान मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. माधव प्रसाद हासानी तथा डॉ. सोढ़ी एवं संबंधित अधिकारी भी मौजूद थे।

प्रदेश के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी संजीव झा की अध्यक्षता में विशेष गहन पुनरीक्षण 2026 के संबंध में बैठक आयोजित

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रदेश के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री संजीव झा की अध्यक्षता में आज कलेक्ट्रेट कार्यालय में विशेष गहन पुनरीक्षण -2026 के संबंध में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में कलेक्टर श्री शिवम वर्मा, अपर कलेक्टर श्री नवजीवन पवार, संयुक्त कलेक्टर श्री अजीत कुमार श्रीवास्तव एवं जिले के सभी अनुविभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

कलेक्टर शिवम वर्मा की अध्यक्षता में श्री गणपति मंदिर प्रबंध समिति की बैठक सम्पन्न

खजराना गणेश मंदिर परिसर में जी प्लस टू का अत्याधुनिक सुविधा केन्द्र बनेगा

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री शिवम वर्मा की अध्यक्षता में श्री गणपति मंदिर खजराना प्रबन्ध समिति द्वारा आगामी महाशिवरात्रि पर आयोजित होने वाले कार्यक्रम को लेकर बैठक आज संपन्न हुई। बैठक में कलेक्टर श्री वर्मा ने श्री गणपति मंदिर खजराना प्रबंधन समिति द्वारा किये जा रहे विकास कार्यों एवं गतिविधियों का अवलोकन किया। बैठक में बताया गया कि आगामी 15 फरवरी को श्री गणपति मंदिर खजराना प्रबन्ध समिति द्वारा महाशिवरात्रि का पर्व श्रद्धा-भक्ति और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया जायेगा। 15 फरवरी को प्रातः 9 बजे शिव महारूद्राभिषेक के साथ आरती का कार्यक्रम होगा। महोत्सव में भगवान शिव को साबुदाने की खिचड़ी और खीर की प्रसादी का भोग लगाया जायेगा। इसेक बाद सभी भक्तों को प्रसादी का वितरण किया जायेगा। महाकाल मंदिर व मुख्य मंदिरों का श्रृंगार फूलों से किया जायेगा। साथ ही विद्युत की लड़ियों से आकर्षक साज-सज्जा की जायेगी। मंदिर परिसर में दानदाताओं और एवं समाजसेवियों के सहयोग से सैकड़ों किलों प्रसादी का निर्माण होगा। जिसकी तैयारियां की जा रही है। बैठक में पार्किंग स्थल को विस्तारित करने और अन्न क्षेत्र को ?विस्तारित करने, पेयजल व्यवस्था, सुरक्षा व्यवस्था, सफाई व्यवस्था को लेकर भी चर्चा की गई। साथ ही अन्न क्षेत्र में उपयोग में आने वाले बरतनों की संख्या बढ़ाने और परोसगारी करने वालों की संख्या बढ़ाने पर भी चर्चा हुई। कलेक्टर श्री वर्मा ने संपूर्ण मंदिर परिसर का अवलोकन किया।

बैठक में नगर निगम आयुक्त श्री क्षितिज सिंघल, आई.डी.ए. अध्यक्ष डॉ. अभिजीत झाड़े, अपर कलेक्टर श्रीमती निशा डामर, पंडित अशोक भट्ट, पंडित विनीत भट्ट सहित समाजसेवी एवं समिति के सदस्य उपस्थित शामिल हुए।

बैठक में थ्रीडी प्रजेंटेशन के माध्यम से बताया गया कि खजराना गणेश मंदिर स्थित प्रसाद दुकानों के पीछे पड़ी खुली भूमि पर अत्याधुनिक जी प्लस 2 का सुविधा केन्द्र बनाना प्रस्तावित है। इस केन्द्र में बच्चों के लिये किड्स झोन, दुकानें, लायब्रेरी, पार्किंग, आदि सुविधाएं होंगी। बैठक में बताया गया कि खजराना गणेश मंदिर स्थित अन्न क्षेत्र में निर्मित भोजन प्रसादी को एमवायएच के अलावा अन्य अस्पतालों में भी उपलब्ध कराया जा रहा है।

सिरपुर तालाब के संरक्षण को लेकर आयुक्त ने किया निरीक्षण, अतिक्रमण पर सख्ती के निर्देश

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर निगम आयुक्त श्री क्षितिज सिंघल ने बुधवार प्रातः 7¬30 बजे शहर की महत्वपूर्ण रामसर साइट सिरपुर तालाब का पैदल भ्रमण कर विभागीय अधिकारियों के साथ निरीक्षण किया। इस अवसर पर अपर आयुक्त श्री आशीष पाठक, श्री प्रखर सिंह, स्वास्थ्य अधिकारी श्री शृंगार श्रीवास्तव, सहायक यंत्री श्री आकाश जैन सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

निरीक्षण के दौरान आयुक्त श्री सिंघल ने सिरपुर तालाब की वर्तमान स्थिति, संरक्षण कार्यों एवं भविष्य की योजनाओं की विस्तार से जानकारी ली। उन्होंने तालाब में फैली जलकुंभी को शीघ्र हटाने, कैचमेंट एरिया को पूर्णतः अतिक्रमण मुक्त रखने तथा अवैध निर्माणों पर सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए। साथ ही तालाब परिसर में किसी भी प्रकार की खाद्य सामग्री डालने से रोकने के लिए नागरिकों को जागरूक करने और प्रवेश द्वारों पर सुरक्षा की दृष्टि से सीसीटीवी कैमरे लगाए जाने के निर्देश भी दिए गए। ग्रीन बेल्ट क्षेत्र में अवैध कॉलोनियों एवं अतिक्रमण पर रोक लगाने के लिए सूचना बोर्ड लगाने के निर्देश भी आयुक्त द्वारा दिए गए।

असामयिक वर्षा से प्रभावित हुई फसल का अवलोकन

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। उप संचालक कृषि विभाग ने बताया कि बीते दिनों हुई असामयिक वर्षा से पेटलावद विकासखण्ड के विभिन्न ग्रामो में रबी मौसम की फसले प्रभावित होने की सुचना प्राप्त होते ही झाबुआ जिला कलेक्टर नेहा मीना द्वारा प्रदत्त निर्देश के पालन में जिलास्तर से उप संचालक किसान कल्याण तथा कृषि विकास जिला झाबुआ श्री एन.एस. रावत, सहायक संचालक उद्यानिकी श्री बहादुर सिंह चौहान, सहायक संचालक कृषि एस.एस. रावत, फसल बीमा कंपनी के प्रतिनिधी श्री रूपाल शुक्ला तथा पेटलावद विकासखण्ड के तहसीलदार श्री अनिल बघेल, नायब तहसीलदार श्री विजेन्द्र कटारे इत्यादि के द्वारा संयुक्त रूप से प्रभावित फसल का अवलोकन किया गया।

उप संचालक कृषि विभाग ने बताया कि विकासखण्ड पेटलावद के ग्राम बोलासा का भ्रमण कर कृषक श्री देवीलाल पिता कालुराम, हेमराज पिता कालुराम, मनोहरलाल पिता किशनलाल, रामेश्वर पिता नाथू कलजी पिता कलिया, लालजी पिता गलिया, मोतीलाल पिता किशन, गेन्दालाल पिता प्रेमचंद, जगदीश पिता भीमाजी, आशाराम पिता भीमाजी, महेश पिता भीमाजी, लक्ष्मण पिता भीमाजी, रामजी पिता भीमाजी ग्राम कानाकुआ के कृषक श्री नरेन्द्रदास बैरागी, मांगीलाल पिता मोतीलाल व ग्राम गरवाखेडी के कृषक श्री भंवरलाल पिता पुंजाजी पटेल तथा बनी के कृषक श्री राधेश्याम पिता डुंगाजी के खेतों में गेहू की खडी फसल जो तेज हवा व ओलावृष्टि से कही कही, पेचेस में प्रभावित देखी गई।

उप संचालक कृषि विभाग ने बताया कि फसल अवलोकन के दौरान मौके पर उपस्थित कृषकगणों को बताया गया है कि गठित सर्वे दल द्वारा प्रभावित फसलो का निरंतर सर्वे कार्य प्रचलित है। प्रभावित फसलो का सर्वे कार्य पुर्ण होने के उपरांत ही प्रभावित फसल क्षति के आंकलन के आधार पर आगामी कार्यवाही संभावित है।

इस दौरान पटवारी श्री मनोहर डावर, प्रभारी वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी श्री एम.एस.मुवेल एवं मैदानी कृषि विस्तार अधिकारी श्री तारसिंह मुणिया, अमरसिंह हटीला, बलवन्त मावी, छगन भाबर, प्रकाश देवल भी उपस्थित रहे।

शिवना नदी पर प्रस्तावित 30 करोड़ के ओवरब्रिज स्थल का किया जाए पुनर्विचार

पूर्व विधायक सिसौदिया ने की शहर हित में स्थल बदलने की मांग, मुख्यमंत्री और प्रमुख सचिव को लिखा पत्र

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सिंहस्थ 2028 के अंतर्गत मंदसौर जिले को स्वीकृत लगभग 74 करोड़ रुपए की विकास राशि में शामिल शिवना नदी पर प्रस्तावित 30 करोड़ रुपए की लागत वाले चार लेन ओवरब्रिज के स्थल चयन को लेकर पूर्व विधायक यशपालसिंह सिसौदिया ने पुनः विचार किए जाने की आग्रह किया है। उन्होंने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं मुख्य सचिव अनुराग जैन को पत्र लिखकर इस ओवरब्रिज के प्रस्तावित स्थान को अनुपयोगी बताते हुए डीपीआर निरस्त करने तथा वैकल्पिक स्थल पर निर्माण कराने की मांग की है।

सिसौदिया द्वारा पत्र में उल्लेख किया गया कि पशुपतिनाथजी मंदिर के समीप शिवना नदी पर प्रस्तावित फोरलेन ओवरब्रिज की आवश्यकता नहीं है। क्योंकि इसी स्थान से मात्र 200 मीटर की दूरी पर पूर्व में 11 करोड़ रुपए की लागत से एक ओवरब्रिज का निर्माण हो चुका है। इसके अतिरिक्त उसी ओवरब्रिज के नीचे वर्षों पुरानी रपट भी मौजूद है, जिस पर वर्तमान में भी निरंतर आवागमन जारी है। ऐसी स्थिति में तीसरे पुल का निर्माण न केवल अनावश्यक होगा, बल्कि इससे शासन की 30 करोड़ रुपए की राशि व्यर्थ होने की आशंका है। पूर्व विधायक श्री सिसौदिया ने यह भी बताया कि प्रस्तावित पुल का स्थान कैफेटेरिया एवं पंढरीनाथ मंदिर की भूमि से सटा हुआ है। इससे पशुपतिनाथ लोक के द्वितीय चरण के विकास कार्यों में बाधा उत्पन्न होगी। साथ ही पंढरीनाथ मंदिर की भूमि पर नगर पालिका परिषद द्वारा लगाए जाने वाले मेले पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। मंदिर खाते की भूमि पर स्थायी निर्माण संभव नहीं होने के कारण भविष्य में कई व्यावहारिक समस्याएं सामने आ सकती हैं। इसके अलावा नदी किनारे कल्याण गुरु व्यायामशाला से कैफेटेरिया की ओर जाने वाले मार्ग में भी एप्रोच संबंधी दिक्कतें उत्पन्न होंगी। सिसौदिया ने पत्रों में यह भी उल्लेख किया कि पूर्व में विधायक रहते हुए तथा वर्तमान में नगर पालिका द्वारा कोर्ट परिसर के समीप काश्तकार रेस्टोरेंट के नीचे शिवना नदी पर, हाफिज पेट्रोल पंप क्षेत्र से सीतामऊङ्कदलौदा मार्ग को जोड़ने वाले स्थान पर ओवरब्रिज निर्माण का प्रस्ताव दिया गया था। इस स्थान के लिए नगर पालिका परिषद ने प्रस्ताव पारित कर डीपीआर भी तैयार कराई थी। इस क्षेत्र में नदी के उस पार 65 फीट से 40 फीट चौड़ी शासकीय भूमि उपलब्ध है, जिससे निजी भूमि अधिग्रहण की आवश्यकता भी नहीं पड़ेगी। सिसौदिया ने बताया कि उक्त वैकल्पिक स्थल पर पुल निर्माण से पुराने शहर क्षेत्र, न्यायालय आने-जाने वाले नागरिकों तथा सीतामऊ और दलौदा की ओर से आने वाले यात्रियों को सुगम एवं सुरक्षित आवागमन की सुविधा मिलेगी। साथ ही यातायात का दबाव भी संतुलित होगा। पूर्व विधायक यशपालसिंह सिसौदिया ने मुख्यमंत्री एवं मुख्य सचिव से आग्रह किया है कि सिंहस्थ 2028 की कार्य योजना में शामिल इस 30 करोड़ रुपए की ओवरब्रिज परियोजना के स्थल चयन पर पुनर्विचार किया जाए। यदि वर्तमान प्रस्तावित स्थान पर ही डीपीआर बनाकर कार्य प्रारंभ किया गया, तो यह योजना भविष्य में विफल सिद्ध हो सकती है। उन्होंने काश्तकार रेस्टोरेंट के समीप प्रस्तावित वैकल्पिक स्थल को अधिक उपयुक्त बताते हुए वहीं पुल निर्माण के निर्देश देने की मांग की है।

विश्व कैंसर दिवस पर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र धराड़ में कार्यक्रम आयोजित बिलपांक में विश्व कैंसर रोग दिवस पर स्क्रीनिंग की गई

रतलाम/ प्रवीण व्यास/ दैनिक मालवा हेराल्ड। 4 फरवरी विश्व कैंसर दिवस के अवसर पर रतलाम जिले के विभिन्न शासकीय स्वास्थ्य केंद्र पर मरीज का स्वास्थ्य परीक्षण ,आवश्यक जांच ,उपचार एवं जन जागरूकता संबंधी गतिविधियां आयोजित की गई। रतलाम जिले के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र धराड़ पर बुधवार को सुबह मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ संध्या बेलसरे ने पहुंचकर सीएचएमओ ने, प्रसव पश्चात कक्ष में प्रसूता माताओं से चर्चा की और उन्हें शिशु जन्म के बाद मां का पहला गाढ़ा दूध पिलाने , छह माह तक केवल स्तनपान कराने , 6 माह बाद पूरक पोषण आहार प्रारंभ करने तथा 2 वर्ष की आयु तक अथवा बच्चा जब तक चाहे स्तनपान जारी रखने के संबंध में परामर्श प्रदान किया। उन्होंने शिशु के जन्म के बाद प्रसूता माता को डिस्चार्ज होने से पहले जन्म पंजीयन प्रमाण पत्र आवश्यक रूप से प्रदान करने के निर्देश दिए। कार्यक्रम के दौरान प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ सत्येंद्र राजावत द्वारा विभिन्न मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण एवं उपचार किया गया, साथ ही विश्व कैंसर दिवस के अवसर पर लोगों से तंबाकू एवं तंबाकू युक्त उत्पाद छोड़ने की अपील की तथा उन्हें परामर्श प्रदान किया। सीएमएचओ ने वहां उपस्थित आशा कार्यकर्ताओं को क्षेत्र में सभी गर्भवती महिलाओं को आवश्यक सेवाएं प्रदान करने तथा सभी बच्चों का टीकाकरण कराने के निर्देश दिए। डॉ संध्या बेलसरे ने कहा कि आशा कार्यकर्ता अपने क्षेत्र में 70 वर्ष से अधिक आयु के लोगों की सूची तैयार करके उनके घर जाकर आयुष्मान कार्ड बनवाकर प्रदान करें। इस कार्य में कोई कठिनाई होने पर क्षेत्र के पंचायत सचिव से आवश्यक सहयोग प्राप्त करें तथा सभी वृद्ध जनों को आयुष्मान कार्ड प्रदान करें।

बिलपांक में विश्व कैंसर रोग दिवस पर स्क्रीनिंग की गई - आयुष्मान आरोग्य मंदिर बिलपांक में भी विश्व कैंसर रोग दिवस पर नर्सिंग ऑफिसर सुशीला गामड़, एएनएम समता पंचाल की उपस्थिति में ओरल ,सर्वाइकल ,ब्रेस्ट कैंसर की स्क्रीनिंग की गई। जांच की एंट्री एनसीडी पोर्टल के माध्यम से की गई।

मन्दिर में दान देने वालों पर गणपतिजी चारों हाथों से धन बरसाएंगे- आचार्य रामानुजजी

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रथम पूज्य भगवान श्री गणपतिजी सूक्ष्म से सूक्ष्म और विराट से विराट स्वरूप में हमें अपना सानिध्य ओर आशीर्वाद प्रदान करते हैं। वे सुपारी के रूप में भी हैं तो नारियल का भी रूप हैं। वेदों में गणपतिजी को निधिपति कहा गया है तो पुराणों में उन्हें वक्रतुंड महाकाय कहा है। वे देवताओं के मुखिया हैं। 1गणपतिजी के मंदिर निर्माण में दान देने वालों को गणपतिजी दोनों हाथों से धन बरसाते हैं ओर मंदसौर के जनकुपुरा गणपति चौक के श्री द्विमुखी चिन्ता हरण गणपति मंदिर के निर्माण में दान देने वालों को तो भगवान गणपति जी चारों हाथों से धन बरसाएंगे क्योंकि यहां एक ही शीला पर दो प्रतिमाएं गणपतिजी की हैं।

ये उद्गार आचार्य श्री रामानुज जी ने श्री द्विमुखी चिन्ताहरण गणपति मंदिर गणपति चौक जनकुपुरा के नव निर्माण कार्य के निमित्त आयोजित भूमि पूजन विधि में अपना सानिध्य प्रदान करने के बाद मंचीय समारोह को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। आपने कहा कि जहां गणपति जी का सिद्ध मन्दिर स्थापित है उस क्षेत्र का वास्तु भी उत्तम होता है। समारोह में अतिथि के रूप में समाजसेवीगण मोहन मेघनानी, हरीश गर्ग, विशाल गोयल, हिम्मत लोढ़ा व संजय मित्तल तथा किन्नर गुरु अनिता दीदी, नपाध्यक्ष रमा देवी गुर्जर, भाजपा जिलाध्यक्ष राजेश दीक्षित ओर मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष पंडित दिलीप शर्मा ,उपाध्यक्ष नरेन्द्र अग्रवाल,सचिव गोपाल मंडोवरा, कोषाध्यक्ष राजकुमार सिंहल भी मंचासींन थे। नरेन्द्र अग्रवाल ने मन्दिर निर्माण की रूपरेखा विस्तृत रूप से प्रस्तुत करते हुए बताया कि 3 करोड़ रुपये की लागत से अत्याधुनिक मंदिर का स्वरूप बनकर निखरेगा। मंदिर भूमि पूजन समारोह में करीब 75 लाख रुपए की राशि दानदाताओं द्वारा उद्घोषित की गई। संचालन वरिष्ठ पत्रकार ब्रजेश जोशी ने किया आभार राजकुमार सिंहल ने माना।

कहाँ जाएँ वन्य प्राणी? एक ओर पौधरोपण का दिखावा, दूसरी ओर उजड़ते प्राकृतिक आवास-रघुराजसिंह सिसौदिया

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। रिटायर्ड अधिकारी रघुराजसिंह सिसौदिया ने अपने तय आरोप लगाते हुए कहा है कि जिले में नीलगाय एवं जंगली सुअर तथा आवारा गायों से किसानों की फसलों को काफी हानि हो रही है। दिनो दिन यह समस्या बढ़ती जा रही है, यह समस्या नीमच, मंदसौर, रतलाम, आगर, शाजापुर, राजगढ़ आदि जिलों में काफी मात्रा में है। शाकाहारी वन्य प्राणियों का बढ़ने का मूल कारण मांसाहारी वन्य प्राणियों का अभाव है, मंदसौर जिले में केवल भानपुरा तहसील के गांधीसागर अभ्यारण्य एवं उससे लगे वन्य क्षेत्र को छोड़कर बाकी सात तहसील (गरोठ, शामगढ़, सुवासरा, सीतामऊ, दलौदा, मंदसौर एवं मल्हारगढ़) के वन क्षेत्र नगण्य है चूंकि वन क्षेत्र नगण्य है। अतः मांसाहारी वन प्राणियों का रहवास स्थल नहीं है। यदा कदा तेंदुए जिले में प्रवेश करते है वे समीप प्रतापगढ़ एवं चित्तोड़ जिले के वन क्षेत्र जो कि मंदसौर जिले की सीमा से लगा हुआ है से आते है, लेकिन मंदसौर में गांधी सागर को छोड़कर ऐसा कोई सुरक्षित स्थान नहीं है जहां यह निवास कर सकें। ऐसी स्थिति में शाकाहारी वन्य प्राणी (नीलगाय, चिंकारा और सुअर) जो कि तेजी से बढ़ते है क्योंकि इन पर प्राकृतिक कंट्रोल नहीं है पूरा इको सिस्टम गडबड है।

रिटायर्ड अधिकारी रघुराजसिंह सिसौदिया ने कहा कि मंदसौर जिले में गांधी सागर को छोड़कर जो कुछ वन क्षेत्र है वहां पर भी इंसानी आबादी का दखल बहुत है। अतः कोई वन्य प्राणी बसेरा करना भी चाहे तो कर नहीं सकता । रेवास देवड़ा के जंगल में मांसाहारी वन्य प्राणी बसने की संभावना है लेकिन वहां भी पवन चक्की लगने एवं पहाड़ पर वन क्षेत्र में आवाजाही का सुगम रास्ता होने से बसेरा बनने से पहले ही उजड़ रहा है। अभी पिछले दिनों मंदसौर शहर में तेंदुआ प्रवेश कर गया था जिसे वन विभाग की टीम द्वारा रेसक्यू किया गया। जंगल में विशेषकर रात्रि में वाहनों की लाईट, हॉर्न बजाना या इंजनों की आवाज, ज्यादा इंसानी आवाजाही से वन्य प्राणियों के बसेरे उजड़ते है और वे घबराहट में शहरों में घूस जाते है। पिछले कुछ समय से इस तरह की घटनाएं बढ़ी है। इंसानों द्वारा बड़े पैमानें पर वन्य क्षेत्रों में विभिन्न गतिविधियां संचालित की जाती है जिस कारण वनों के विकास (विशेषकर पुर्नःउत्पादन) पर विपरीत प्रभाव पड़ता है। अभी पिछले दिनों रेवास देवड़ा वन्य क्षेत्र में रामकथा का आयोजन किया गया जहां लगभग एक सप्ताह तक काफी आबादी का जमावड़ा रहा। जनप्रतिनिधि एवं प्रशासन जानता है कि वन्य क्षेत्र में इस तरह की गतिविधियां अनुचित है, लेकिन किसी को नाराज नहीं करने के चक्कर में इन पहलुओं को अनदेखा किया जाता है। कुल मिलाकर इंसान जंगल में घुस रहा है एवं वन्य प्राणी जंगल छोड़कर बस्तियों में भोजन की तलाश में प्रवेश कर रहे है। जिला प्रशासन द्वारा जोरशोर से एक पेड़ माँ के नाम योजना चलाकर पौधरोपण किया जा रहा है। दूसरी तरफ बने बनाये जंगल उजड़ रहे है आखिर हम कहां जा रहे है।

जिला पंचायत सीईओ ने किया पंचायत समन्वय अधिकारी को निलंबित

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला पंचायत सीईओ श्री अमन वैष्णव ने नीमच जनपद के पंचायत समन्वय अधिकारी श्री रामलाल गोगिया द्वारा अपने पदेन कर्तव्यों के प्रति घोर लापरवाही एवं उदासीनता बरतने एवं जिला स्तरीय, जनपद स्तरीय समीक्षा बैठकों में अनाधिकृत अनुपस्थिति को दृष्टिगत रखते हुए म0प्र0 सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण तथा अपील) नियम-1966 के नियम-09 अन्तर्गत तत्काल प्रभाव से निलंबित करने का आदेश जारीकिया है ।निलंबन काल में श्री गोगिया का मुख्यालय जनपद पंचायत नीमच रहेगा और उन्हें नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता देय होगा।

इस संबंध में जिला पंचायत नीमच द्वारा जारी आदेशानुसार मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत नीमच से प्राप्त प्रतिवेदन अनुसार सी.एम. हेल्प लाईन की समीक्षा एडीईओ पीसीओ एवं उपयंत्री नोडल अधिकारिया की व्ही.सी. दिनांक 02.02.26 को शाम 6 बजे आयोजित की गई थी। जिसमें श्री रामलाल गोगिया पीसीओ जनपद पंचायत नीमच बिना किसी सूचना एवं अवकाश स्वीकृति के अनुपस्थित रहे ,जिससे उनके क्षेत्र की शिकायतों की समीक्षा नही हो पाई है। प्रायः श्री गोगिया आये दिन समीक्षा बैठक एवं व्ही.सी. में नही जुड़ते है। शासकीय कार्य के संबंध में मोबाईल पर सम्पर्क करने पर श्री गोगिया के द्वारा फोन को रिसीव्ह नही किया जाता और न ही वापस कोई जवाब दिया जाता है। इस सम्बन्ध में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत नीमच द्वारा उन्हें कारण बताओ सूचना पत्र जारी किये गये तथा 3 दिन, एवं 7 दिन का वेतन कटौत्रा किया गया। किन्तु श्री गोगिया के कार्य में कोई सुधार नही आया।

किसान धैर्य रखें, हर खेत पर जाकर किया जाएगा सर्वे-उप मुख्यमंत्री देवड़ा

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रदेश के उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने मंदसौर जिले में ओलावृष्टि एवं वर्षा से प्रभावित फसलों का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने ग्राम कितुखेड़ी, गोपालपुर, लोढ़ाखेड़ा, झारड़ा, अड़मालिया, किशनगढ़ में किसानों के खेतों में पहुंचकर अफीम, गेहूं, चना, चिया, अलसी सहित अन्य फसलों को देखा। निरीक्षण के दौरान उप मुख्यमंत्री देवड़ा ने किसानों से संवाद करते हुए कहा कि किसान किसी भी प्रकार की चिंता न करें। सरकार पूरी संवेदनशीलता के साथ किसानों के साथ खड़ी है। उन्होंने कहा कि सभी प्रभावित क्षेत्रों में हर खेत पर जाकर सर्वे किया जाएगा। इस संबंध में संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी किये गए हैं। सर्वे कार्य लगातार जारी है। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि अधिकारी खेतों तक पहुंचकर वास्तविक स्थिति का आकलन कर रहे हैं। अफीम फसल के संबंध में नारकोटिक्स विभाग भी मौके पर जाकर खेतों का निरीक्षण कर रहे है। अफीम फसल को हुए नुकसान के विषय में केंद्र सरकार से चर्चा कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। साथ ही फसल बीमा के मामलों में भी किसानों को पूरा फसल बीमा का लाभ प्रदान किया जाएगा।

ग्रामीणजन पशुपालन केसीसी का लाभ लेकर पशुपालन को बढावा दे- कलेक्टर

चचोर में संकल्प से समाधान शिविर में ग्रामीणों की समस्याओं से रूबरू हुए कलेक्टर

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव के निर्देशानुसार प्रदेश में 12 जनवरी से 31 मार्च 2026 तक संकल्प से समाधान आयोजित किया जा रहा है। कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा की उपस्थिति में मनासा विकासखण्ड के ग्राम चचोर में बुधवार को संकल्प से समाधान अभियान के तहत कलस्टर स्तरीय शिविर आयोजित किया गया। इस शिविर में जिला पंचायत सीईओ श्री अमन वैष्णव, एसडीएम सुश्री किरण आंजना एवं जिला अधिकारी तथा ग्रामीणजन उपस्थित थे।

शिविर में कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा ने उपस्थित ग्रामीणजनों की समस्याएं सुनी और उनका समय सीमा में निराकरण करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए है। ग्राम बनड़ा एवं चचोर के ग्रामीणों की मांग पर गांव बनड़ा में आम रास्ते एवं चचोर के शमशान मार्ग पर रास्ता अवरूद्ध करने वालों के विरूद्ध कार्यवाही कर, रास्ता खुलवाने के अनुरोध पर कलेक्टर ने तहसीलदार रामपुरा को तत्काल मौके पर जाकर रास्ता विवाद का हल करवाकर आम रास्ता खुलवाने के निर्देश दिए। ग्राम चचोर के ग्रामीणों द्वारा संकुल प्राचार्य द्वारा दो शिक्षकों का संलग्नीकरण करने से पढ़ाई प्रभावित होने तथा अतिथि शिक्षक को बगैर काम के मानदेय भुगतान की शिकायत पर कलेक्टर ने बीईओ मनासा को दो दिवस में जांच कर प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के निर्देश दिए।

चचोर के ग्रामीणों ने ड्रोन सर्वे में आबादी क्षेत्र के कुछ मकान छूट जाने से पट्टाधिकार से वंचित रहने की शिकायत पर कलेक्टर ने कहा, कि नवीन आबादी घोषित करने की कार्यवाही कर छूटे हुए पात्र हितग्राहियों को पट्टाधिकार प्रदान करने की कार्यवाही की जावेगी। कलेक्टर ने बनड़ा के एक ग्रामीण की मांग पर गांव में राशन दुकान का सुव्यवस्थित संचालन सुनिश्चित करने के निर्देश जि.के.सा.बैंक के क्षेत्रीय प्रबंधक श्री आर.पी.नागदा को दिए। कलेक्टर ने चचोर में गरीबी रेखा के पात्र हितग्राहियों का पुनः सर्वेक्षण करवा कर उनके नाम बी.पी.एल.सूची में जोड़ने और अपात्रों के नाम हटाने की कार्यवाही करने के निर्देश भी जनपद सीईओ को दिए है।

कलेक्टर ने शिविर को संबोधित करते हुए ग्रामीणों, किसानों और पशुपालकों से पशुपालन केसीसी बनवाने, उन्नत नस्ल का पशुपालन करने और पशुपालन विभाग की योजनाओं का लाभ लेने का आव्हान किया। उन्होने ग्रामीणों को पशुपालन के.सी.सी.के लिए आवेदन करने और ब्याजमुक्त ऋण लेकर पशुपालन बढाने के लिए भी प्रेरित किया। उन्होने पशुपालकों को अपने पशुओं में एफ.एम.डी.टीकाकरण करवाने की समझाईश भी दी। कलेक्टर ने स्वास्थ्य तथा महिला एवं बाल विकास अमले को निर्देशित किया, कि कोई भी महिला, बच्चा टीकाकरण से वंचित ना रहे। सभी गर्भवती महिलाओं का ए.एन.सी.पंजीयन एवं जांच सुनिश्चित हो।

ताशपत्ती से जुआ खेलते 2 को पकड़ा, 4 फरार, नगदी व ताश जब्त

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। थाना नाहरगढ़ पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर कार्रवाई करते हुए ताश पत्ती से रुपये-पैसों का दांव लगाकर जुआ खेल रहे छह लोगों के खिलाफ जुआ एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज किया है। मौके से ताश पत्ती व नगदी जब्त की गई है। नाहरगढ़ टीआई वरुण तिवारी ने बताया कि मुखबिर से सूचना मिली कि रातीतलाई व टिडवास ग्राम के बीच पुलिया के पास विद्युत डिप्पी के समीप कुछ लोग ताश पत्ती से जुआ खेल रहे हैं। सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची, जहां छह व्यक्ति गोल घेरा बनाकर ताश पत्ती से रुपये-पैसों का दांव लगाकर ÷मांग पत्ती÷ जुआ खेलते मिले। पुलिस को देखकर जुआरी भागने लगे, जिनमें से दो आरोपियों को घेराबंदी कर मौके पर पकड़ लिया गया। पकड़े गए आरोपियों ने अपने नाम रामगोपाल मीणा निवासी टिडवास एवं दशरथ मालवीय निवासी ढोरी बताए। वहीं भागने वाले आरोपियों के नाम अनिल बलाई पिता बद्रीलाल, अनिल बलाई पिता कोमल, निवासी ढोरी, विजय मेहतर निवासी संजीत एवं दिलीप डांगी निवासी टिडवास बताए गए।

3 फरवरी की दोपहरः 20 बच्चों की ढाल बनी कंचन बाई, मधुमक्खियों के हमले में बलिदान

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नीमच जिले के रानपुर गांव में 3 फरवरी, मंगलवार की दोपहर मानवता, साहस और मातृत्व की ऐसी मिसाल सामने आई, जिसने पूरे क्षेत्र को स्तब्ध और भावुक कर दिया। मडावदा पंचायत के आंगनवाड़ी केंद्र में खेल रहे बच्चों पर अचानक मधुमक्खियों के बड़े झुंड ने हमला कर दिया। अफरा-तफरी मच गई, मासूम बच्चे चीखते-भागते नजर आए और कुछ जमीन पर गिर पड़े।

धर्म की ध्वजा नीमच से मंडफिया धाम तक लहराई, श्री सांवरिया सेठ पैदल यात्रा में भक्ति की आई सुनामी, सर्व समाज ने किया स्वागत, अभिनंदन

पैदल यात्रा ले चुकी है एक उत्सव का रूप, महिला, बजुर्ग, बच्चे सभी सभी शामिल

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नीमच शहर में बुधवार को श्री सांवलिया सेठ पैदल यात्रा शुरू हुई, जो आज पांच फरवरी दोपहर बाद चित्तोडगढ जिले के मंफडिया धाम पर पहुंचेगी। पैदल यात्रा में भक्ति की ऐसी सुनामी आई कि हर वर्ग सांवरामय हो गया। पैदल यात्रा में आस्था का सैलाब ऐसा उमडा कि सांवरिया सेठ पहुंच मार्ग वाले रास्ते भी छोटे पड गए। युवा समाजसेवी अरूल अशोक अरोरा का धर्म के प्रति लगाव ने इस वर्ष इतिहास रच दिया। महिलाओं से लेकर बडे बुजुर्ग सभी इस पैदल यात्रा में सांवलिया सेठ के जयकारें लगाते हुए चल रहे थे। एक तरफ जयकारों की गूंज नजर आई तो दूसरी तरफ सांवरा सेठ के भक्तों का स्वागत करने के लिए लोग इंतजार करते हुए नजर आएं। दिव्य रथ पर सवार होकर सांवलिया सेठ भक्तों को आशीर्वाद देते हुए चल रहे थें। आयोजक अरूल अरोरा और श्री सांवलिया मित्र मंडल की व्यवस्थाओं से आम भक्तजन गदगद दिखाई दिए। चाय पानी से लेकर भोजन और चिकित्सकों की टीम यात्रा के साथ चल रही है।

नीमच शहर के लायंस चौराहे पर बुधवार सुबह करीब साढे दस बजे पैदल यात्रा की शुरूआत हुई। पैदल यात्रा में फूलों श्रृंगारित रथ में श्री सांवरा सेठ की प्रतिमा विराजित की गई। दिव्य रथ में विराजित श्री सांवलिया सेठ की विद्वान प्रकांड पंडित आचार्य विक्रम शर्मा शास्त्री द्वारा विधि विधान से अलसुबह पूजा अर्चना करवाई गई। जिसमें समाजसेवी अरूल अशोक गंगानगर में शामिल हुए। जब तक हजारों लोग पैदल यात्रा में जुड चुके थे। शहर के लायंस पार्क से डीजे की धुन और बैंड बाजों के साथ पैदल यात्रा की शुरूआत हुई। शहर के गोमोबाई रोड, कलेक्ट्रेट चौराहे, डूंगलावदा, कनावटी, जावद फंटा, सगराना, घंसूडी चौराहे, नयागांव सहित 100 से अधिक जगहों पर पैदल यात्रा का स्वागत किया गया। कहीं पर फूलों की बारिश हुई तो कहीं पर फलियानी और पानी की बोतल, ज्यूस की बोतल भक्तों को दी गई। देर रात निम्बाहेडा कृषि उपज मंडी पर यात्रा पहुंची। प्रसिद्ध गायक छोटूसिंह राणवा की भजन संध्या का आयोजन रखा गया है। गुरूवार पांच फरवरी चाय के साथ यात्रा निम्बाहेडा से प्रस्थान करेगी, जो दोपहर तक मंडफिया धाम पहुंचेगी।

पिछले वर्ष की तुलना में डेढ गुना भीड– श्री सांवलिया सेठ की पैदल यात्रा अब उत्सव का रूप ले चुकी है। पूरे साल तक भक्त इसी यात्रा का इंतजार करते है। यात्रा का इस वर्ष दूसरा साल था। पिछले वर्ष की तुलना में डेढ गुना भीड इस यात्रा में उमडी। करीब पांच से सात हजार लोग पैदल यात्रा में शामिल होने का अनुमान है।

4 फरवरी 2024 को धर्म की हस्ती मिटाने का षडयंत्र हुआ था, उसी दिन धर्म की ध्वजा फहराने के लिए पैदल यात्रा की शुरूआत हुई– आपराधिक षडयंत्र पर भारी पडी आध्यात्म और आस्था की ताकत

मालवा में धर्म की रक्षा के लिए तत्पर समाजसेवी अशोक अरोरा गंगानगर पर 4 फरवरी 2024 को प्राण घातक हमला नीमच के लायंस पार्क पर हुआ था। समाजसेवी अशोक अरोरा की हत्या के लिए सरेराह, भरे बाजार धर्म विरोधी आदतन अपराधियों ने अत्याधुनिक हथियारों से हमला किया था, लेकिन धर्म की रक्षा करने वाले सनातनियों की भगवान चार हाथों से रक्षा करते है, यह बात सच साबित हुई। धर्म विरोधी ताकतें परास्त हो गई। समाजसेवी अशोक अरोरा के सुपुत्र अरूल अरोरा गंगानगर ने उसी दिन प्रण ले लिया था कि हर वर्ष 4 फरवरी के दिन घटनास्थल वाले चौराहे लायंस पार्क से ही धर्म का कारवां शुरू होगा। 4 फरवरी 2025 को पैदल यात्रा पहली बार निकली और इस वर्ष यात्रा का दूसरा वर्ष है। यात्रा में करीब 100 किलोमीटर दूरी तक हिंदू सनातन धर्म का ढंका बजता है और एमपी– राजस्थान के हजारों सांवरा के दीवाने झूम उठते है।

सर्व समाज ने किया स्वागत- सकल ब्राह्मण समाज, अग्रवाल समाज, जैन समाज, क्षत्रीय/राजपूत, यादव समाज, अहीर समाज, पार्षद दल नीमच नगरपालिका, गुर्जर समाज, ग्वाला समाज, पंजाबी समाज, बंजारा समाज, वैश्य समाज, स्वर्णकार समाज, कुचबंदिया समाज, माली समाज, राठौर समाज, लायंस क्लब, रोटरी क्लब, महेश्वरी समाज, साईं बाबा मित्र मंडल, कालू बैरागी मित्र मंडल कनावटी, सायाजी होटल कनावटी, फूलमाली सैनी, प्रेस क्लब, बजरंग दल, नीमच रेडिमेट गारमेंट व्यापारी एसोसिएशन, केटीवी मित्र मंडल, हेल्पिंग हेंड संस्था, महाकालेश्वर उज्जैन पुजारी मंगलेशजी शर्मा, जायसवाल समाज सहित सर्व समाज के अध्यक्ष व उनके पदाधिकारियों ने श्री सांवलिया सेठ पैदल यात्रा का जगह–जगह स्वागत किया। विभिन्न सामाजिक संगठनों के पदाधिकारियों ने विभिन्न स्थानों पर मंच लगाकर पुष्प वर्षा कर पैदल यात्रा का स्वागत किया गया।

सम्पादकीय

सोशल मीडियाः संवाद का माध्यम या निजता का संकट ?

आज संचार क्रांति का युग है।हर कोई सोशल मीडिया,एआइ का प्रयोग कर रहा है। आधुनिक दौर में सोशल मीडिया ने हमारे अनेक कार्यों को आसान और सरल बनाया है। दूसरे शब्दों में कहें तो सोशल मीडिया ने संवाद को जितना सरल और व्यापक बनाया है, उतना ही जटिल निजता का प्रश्न भी खड़ा कर दिया है। आज व्यक्ति अपने जीवन के निजी क्षण-तस्वीरें,रील बनाकर अपने विचार, स्थान और दिनचर्या स्वेच्छा से सार्वजनिक मंचों पर साझा कर रहा है। यह सब आमतौर पर सोशल मीडिया मंचों पर साझा करना कभी-कभी आत्म-अभिव्यक्ति का माध्यम होता है, तो कई बार अनजाने में अपनी निजता को जोखिम में डालने का कारण बन जाता है। 'लाइक' और 'व्यू' की होड़ में निजी सीमाएँ धुंधली होती जा रही हैं। यहां यदि हम सरल शब्दों में कहें तो आज के समय में तकनीक हमारी ज़िंदगी की पल-पल की अहम् व महत्वपूर्ण जरूरत बन चुकी है। मोबाइल, इंटरनेट और सोशल मीडिया ने काम आसान और तेज़ कर दिए हैं, लेकिन इसके साथ एक बड़ा खतरा भी जुड़ा है-निजता का खतरा। आज के समय में अधिकांश लोगों के पास स्मार्टफोन है और वे सोशल मीडिया का इस्तेमाल करते हैं, लेकिन बहुत से लोग यह नहीं जानते कि ऐप या प्लेटफॉर्म पर साइन-अप करते समय जो निजी जानकारी वे देते हैं, उसका गलत इस्तेमाल भी हो सकता है। कई बार यह जानकारी हमारी अनुमति के बिना किसी और को दी जा सकती है। बहरहाल,यहां पाठकों को बताता चलूं कि भारत ही नहीं आज संपूर्ण विश्व स्तर पर स्मार्टफोन उपयोग तेजी से सर्वव्यापी हो चुका है। 2025 के आसपास उपलब्ध ताज़ा वैश्विक अनुमानों के अनुसार दुनिया में लगभग 6.8ङ्क7.1अरब लोग स्मार्टफोन का उपयोग कर रहे हैं, जबकि सक्रिय स्मार्टफोन डिवाइसों की संख्या 7 अरब से अधिक मानी जाती है, क्योंकि कई उपयोगकर्ताओं के पास एक से अधिक फोन हैं। इसका अर्थ यह है कि वैश्विक आबादी का करीब 85ङ्क90 प्रतिशत हिस्सा किसी न किसी रूप में स्मार्टफोन से जुड़ चुका है। यदि हम यहां पर भारत की बात करें तो देश दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा स्मार्टफोन बाजार बन चुका है।साल 2024ङ्क2025 के आंकड़ों के अनुसार भारत में स्मार्टफोन उपयोगकर्ताओं की संख्या लगभग 65ङ्क70 करोड़ (650ङ्क700 मिलियन) है, जो कुल जनसंख्या का करीब 45ङ्क50 प्रतिशत बैठती है। ग्रामीण क्षेत्रों में इंटरनेट और 4जी/5जी नेटवर्क के विस्तार के कारण यह संख्या तेजी से बढ़ रही है और विभिन्न रिपोर्टों के अनुसार 2026 तक भारत में स्मार्टफोन उपयोगकर्ता 100 करोड़ के आसपास पहुँच सकते हैं । इस क्रम में यहां यह गौरतलब है कि एक मामले में सुप्रीम कोर्ट ने मेटा और व्हाट्सऐप को कड़ी फटकार लगाई है। कोर्ट ने साफ कहा कि कोई भी कंपनी नागरिकों की निजी जानकारी के साथ मनमानी नहीं कर सकती और निजता के अधिकार से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। आज का जमाना डिजिटल है और इस डिजिटल युग में आज मोबाइल नंबर, बैंक खाता, आधार जैसी जगहों पर हमें अपनी निजी और कभी-कभी बायोमेट्रिक जानकारी भी देनी पड़ती है। अगर यह जानकारी गलत हाथों में चली जाए, तो बड़ा नुकसान हो सकता है। समस्या यह भी है कि यह पता लगाना मुश्किल हो जाता है कि हमारी जानकारी आखिर कहां-कहां पहुंच चुकी है।सोशल मीडिया पर भी यही खतरा रहता है, क्योंकि ज़्यादातर लोग नियम और शर्तें पढ़े बिना ही 'सहमति' दे देते हैं। माननीय सुप्रीम कोर्ट ने इस संबंध में यह बात कही कि ये शर्तें इतनी जटिल भाषा में लिखी जाती हैं कि आम आदमी उन्हें समझ ही नहीं पाता। इसे निजी जानकारी चुराने का एक %सभ्य तरीका% कहा गया, जिसे मंजूरी नहीं दी जा सकती। माननीय कोर्ट ने यह भी कहा कि सुरक्षा और पहचान के नाम पर जानकारी लेना ठीक है, लेकिन जो लोग निजता के अधिकार का उल्लंघन करते हैं, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। यहां यह कहना ग़लत नहीं होगा कि डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म उपयोगकर्ता की गतिविधियों का सूक्ष्म विश्लेषण करते हैं-क्या देखा, क्या पसंद किया, कहाँ गए और इस डेटा का उपयोग विज्ञापन, प्रोफाइलिंग और कभी-कभी राजनीतिक या व्यावसायिक हितों के लिए किया जाता है। वास्तव में, डेटा लीक, अनधिकृत ट्रैकिंग और फेक प्रोफाइल जैसी समस्याएँ निजता के हनन को और गंभीर बनाती हैं। परिणामस्वरूप व्यक्ति की पहचान, सुरक्षा और स्वतंत्रता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है।निजता का हनन केवल तकनीकी नहीं, सामाजिक समस्या भी है। बिना अनुमति तस्वीरें साझा करना, ट्रोलिंग, साइबर स्टॉकिंग और ऑनलाइन बदनामी मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित करती हैं। बच्चों और किशोरों के लिए यह खतरा और बड़ा है, क्योंकि वे डिजिटल जोखिमों को समझे बिना ही ऑनलाइन सक्रिय हो जाते हैं। इस चुनौती का समाधान बहुस्तरीय है। एक ओर सशक्त डेटा संरक्षण कानून, पारदर्शी प्लेटफ़ॉर्म नीतियाँ और कड़ी जवाबदेही आवश्यक है; दूसरी ओर डिजिटल साक्षरता और व्यक्तिगत सावधानी भी उतनी ही ज़रूरी है-मजबूत पासवर्ड, गोपनीयता सेटिंग्स, सीमित साझा करना और अनुमति की संस्कृति। सोशल मीडिया का विवेकपूर्ण उपयोग ही निजता और अभिव्यक्ति के बीच संतुलन स्थापित कर सकता है।

सूक्ष्म देहरूपी यंत्र के उचित संचालन की युक्ति सिखाता है सहजयोग

श्री माताजी प्रणित सहज योग ध्यान पद्धति आज के घोर कलयुग की कड़ी धूप में शीतल छाया के समान एक प्रेममयी उपहार के समान है। आज के समय में जीवन को शीतलता प्रदान कर संतुलित व आनंदमय बनाने वाली वैज्ञानिक ध्यान योग पद्धति है सहजयोग। सहज योग में जब साधक को आत्म साक्षात्कार प्राप्त होता है तो उसके पिंड में स्थित शक्ति सभी सूक्ष्म चक्रों को भेदती हुई सहस्रार लांघ जाती है। इसे योग घटित होना कहते हैं। यह कोई मानसिक घटना नहीं है अपितु साधक इस शक्ति को अपने उंगलियों के पोरों तथा सहस्रार पर अनुभव करता है। योग का दूसरा अर्थ है युक्ति। परम पूज्य श्री माताजी कहते हैं कि भगवान ने आपको यह सुंदर मानवीय देह प्रदान की है और आपने इस बहार समय में जन्म लिया है। आत्मसाक्षात्कार प्राप्त करने के पश्चात आप जान जाते हैं कि इस मानवीय सूक्ष्म यंत्र को कितनी गहनता से संभालना है।इस तथ्य को समझने के लिए श्री माताजी हमें कार का उदहारण देते हुए कहते हैं कि मान लीजिए आपको एक कार दे दी जाए उसकी पूरी मशीनरी आपके सामने हो लेकिन यदि आपको कार चलाना नहीं आता तो आप उसे चला नहीं सकते। वह आपके लिए निरर्थक हो जाएगी। और यदि आप जबरन कुछ करने की कोशिश करेंगे तो संभव है कि कार को ही खराब कर दें। इसी प्रकार परमात्मा से योग के बिना यदि आप उसके नाम पर कुछ भी करें वह सब कृत्रिम ही है। इसलिए देहरूपी यंत्र को संभालने के लिए युक्ति व कौशल सीखना आवश्यक है। इसका पहला चरण है कुंडलिनी का अंकुरित होना, उसका जागरण तथा सहस्रार का भेदन । दूसरा चरण होता है इस जागृति को स्थिर करना तथा इसे उच्च चेतना में स्थापित करना। कुंडलिनी जागरण के पश्चात दूसरा चरण कुछ सरल हो जाता है। जो जागृत हो चुका है तथा उसे अपनी इस जागृति के प्रति सच्ची भक्ति हो, यह वास्तविक समझ हो कि वह एक मूल्यवान व्यक्तित्व है । वह इस पृथ्वी पर अपना अमूल्य जीवन व्यर्थ गंवाने के लिए नहीं आया है बल्कि एक विशेष उद्देश्य के लिए आया है। ऐसे साधक स्वयं को पूर्ण रूप से योग की कला में पारंगत होने के लिए समर्पित कर देते हैं। प्रतिदिन के नियमित ध्यान द्वारा वे स्वयं को सुषुम्ना मार्ग पर लाने व इस आनंद मार्ग पर स्थिर व स्थित होने की युक्ति सीख जाते हैं। सहजयोग के माध्यम से अपने सूक्ष्म यंत्र को चलाने की निपुणता प्राप्त करने के लिए अधिक जानकारी टोल फ्री नंबर 18002700800 अथवा यूट्यूब चैनल लर्निंग सहजयोगा से प्राप्त कर सकते हैं।

दिव्यांग-जनों को उत्तरोत्तर अवसर दिए जाने की प्रतीक्षा

भारत में दिव्यांगता केवल एक सामाजिक समस्या नहीं, बल्कि राष्ट्रीय विकास की एक महत्वपूर्ण वास्तविकता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार विश्व स्तर पर लगभग हर छह में से एक व्यक्ति किसी न किसी प्रकार की दिव्यांगता के साथ जीवन यापन कर रहा है। विश्व में ऐसे लोग एक अरब से अधिक है। यही नहीं, संयुक्त राष्ट भी मानता हैं कि दुनिया भर में दिव्यांगजन की जनसंख्या इतनी बड़ी है कि सामाजिक समावेशन और सशक्तिकरण को सर्वोच्च प्राथमिकता मिले तभी विश्व की प्रगति पूर्ण हो सकती है। भारत की स्थिति पर ध्यान दें तो 2011 की आधिकारिक जनगणना के अनुसार देश में लगभग 2.68 करोड़ व्यक्ति दिव्यांगता के अंतर्गत आते हैं, जो कुल जनसंख्या का लगभग 2.21त्न हिस्सा है। परंतु मध्य सर्वेक्षण और स्वास्थ्य समीक्षाएं संकेत देती हैं कि वास्तविक संख्या इससे कहीं अधिक हो सकती है और कुछ सर्वे के मुताबिक यह लगभग 4त्न से अधिक अनुमानित है, क्योंकि परंपरागत डेटा इकठ्ठा करने के तरीकों में कई लोग दर्ज नहीं होते। भारत जैसे विविध और बड़े देश में यह संख्या केवल एक आंकड़ा नहीं है, यह हर वर्ग, क्षेत्र और सामाजिक स्तर पर फैली एक चुनौती और अवसर दोनों है।

दिव्यांगता का मतलब है किसी व्यक्ति के शारीरिक या मानसिक क्षमता में दीर्घकालिक कमी, जो उसके दैनिक जीवन और सामाजिक सहभागिता को बाधित करती है। यह शारीरिक अक्षमता, दृष्टिहीनता, श्रवणक्षमता, भाषण से जुड़ी असमर्थता, मानसिक विकलांगता, बहु दिव्यांगता आदि कई रूपों में हो सकती है। यह सीमा केवल चिंतन के आयामों तक सिमित नहीं है, बल्कि सामाजिक ढांचे, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और आत्मनिर्भरता जैसे सबसे बुनियादी मूल्यों को प्रभावित करती है।

भारत सरकार ने इस संवेदनशील विषय पर कई ऐतिहासिक निर्णय और सुधार किए हैं। 1995 में विकलांग व्यक्ति अधिकार अधिनियम पारित हुआ और 1996 में लागू कर दिया गया, जो दिव्यांगजन के लिए शिक्षा, रोजगार, सामाजिक सुरक्षा और आरक्षण जैसे प्रावधानों को शामिल करता है। यह कानून समाज की जिम्मेदारियों को स्पष्ट करता है और दिव्यांगता को एक अधिकार-आधारित दृष्टिकोण से परिभाषित करता है, जहां दिव्यांगजन को समान अवसर और सम्मान मिले। इसके उपरांत 1999 में राष्ट्रीय स्थायी न्यास बनाया गया ताकि दिव्यांगजन की समस्याओं को सुनने और उनके समाधान के लिए एक औपचारिक मंच हो।

2012 में केंद्र सरकार ने सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय के अंतर्गत दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग को स्थापित किया, जिसका उद्देश्य दिव्यांगों के लिए अलग से योजनाएँ, नीति और उनके समावेशन को सुनिश्चित करना है। 2016 में पर्सन विद डिसेबिलिटी एक्ट आया, जिसने दिव्यांगता की परिभाषा को और विस्तृत कर दिया तथा 21 प्रकार की विकलांगताओं को मान्यता दी। इसके साथ ही दिव्यांगजन के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य, परिवहन, तकनीकी सहायता और रोजगार में सुधार की कई नई धारणाएँ लाई गईं।

शिक्षा के क्षेत्र में सरकार ने 2015 में दिव्यांगजन की शिक्षा नीति को अपनाया, जिसमें उनके लिए सुरक्षित, सम्मानजनक और समतुल्य अवसर प्रदान करने का प्रावधान रखा गया। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक पहुँच सुनिश्चित करने के लिए ऑनलाइन पुस्तकालय, सुगम्य सीख जैसे कोर्स शुरू किए गए ताकि बटन क्लिक से ही दिव्यांग छात्र पुस्तकों और संसाधनों तक पहुँच सकें। साथ ही 2016 में दिव्यांग अधिकारिता विभाग की सलाह से एक जॉब पोर्टल भी लॉन्च हुआ, जो नौकरी के अवसर, स्वरोजगार ऋष्टा, शिक्षा ऋष्टा और कौशल प्रशिक्षण जैसी सेवाएँ एकल मंच पर प्रदान करता है, जिससे दिव्यांगजन की आर्थिक भागीदारी और आत्मनिर्भरता बढ़ सके। समाज और सरकार का समन्वय जब अपने चरम पर होता है तो महान उपलब्धियाँ सामने आती हैं। 2017 में दिव्यांग साथी मोबाइल ऐप की शुरुआत की गई, जिसका लक्ष्य दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग की योजनाओं, नियमों, छात्रवृत्तियों, रोजगार-संबंधी अवसरों की सरल एवं सीधी जानकारी प्रदान करना है ताकि वास्तविक सशक्तिकरण को धरातल पर लागू किया जा सके। 2026 के भारत के बजट में भी दिव्यांगजनों के लिए दिव्यांग कौशल योजना और दिव्यांग सहारा योजना जैसी योजनाओं की घोषणा की गई, जो कौशल विकास, सम्मानजनक आजीविका और आवश्यक सहायक उपकरण उपलब्ध कराने पर केंद्रित हैं।

स्वास्थ्य और सामाजिक क्षेत्र में हालांकि कई सुधार हुए हैं, कुछ चुनौतियाँ अभी भी बनी हुई हैं। उदाहरण के तौर पर एक ताज़ा सर्वे में यह खुलासा हुआ है कि लगभग 82त्न दिव्यांगजन के पास कोई स्वास्थ्य बीमा नहीं है, और लगभग 42त्न को आयुष्मान भारत जैसी प्रमुख स्वास्थ्य योजनाओं की जानकारी भी नहीं है, जिससे उनके लिए स्वास्थ्य सेवा की पहुँच सीमित रह जाती है। इस दिशा में सुधार की आवश्यकता है ताकि स्वास्थ्य सुरक्षा और आर्थिक सुरक्षा दोनों सुनिश्चित हो सकें।

अक्षर सत्ता- रोजगार और आर्थिक समावेशन की दिशा में भी गति आई है, परंतु आंकड़े बताते हैं कि भारत में लगभग 1.3 करोड़ दिव्यांग रोजगार योग्य हैं, लेकिन उनमें से केवल कुछ लाख ही रोजगार पा रहे हैं। निजी क्षेत्र में दिव्यांगों को नौकरी देने के नियम व्यापक रूप से लागू नहीं होते या कंपनियाँ जुर्माना देकर इन नियमों से बचने का चुनाव करती हैं, जिससे आत्म-निर्भरता के अवसर कम होते हैं।

क्रीड़ा और सामाजिक उपलब्धियाँ इन कठिनाइयों के बावजूद दिव्यांगजन की जिजीविषा का प्रदर्शन हैं। भारतीय दिव्यांग खिलाड़ियों ने कई अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक जीते हैं, जिससे देश का नाम विश्व मंच पर चमका। पैरा ओलंपिक में भारत के खिलाड़ियों का प्रदर्शन, और क्रिकेट, एथलेटिक्स, निशानेबाजी और अन्य खेलों में उनके उपलब्धियाँ स्थापित करती हैं कि दिव्यांगता क्षमता की कमी नहीं, बल्कि सामाजिक अवरोधों के प्रतिबिंब मात्र है। ऐसी प्रेरणाएँ अनेक हैं जैसे अरुणिमा सिन्हा जिन्होंने प्रथम भारतीय विकलांग महिला के रूप में माउंट एवरेस्ट की चोटी पर कदम रखा; पैरालंपिक में दीपा मलिक व देवेंद्र झाझरिया जैसे खिलाड़ियों ने पदक हासिल कर देश का गौरव बढ़ाया; साथ ही कला, संगीत, चिकित्सा जैसे क्षेत्रों में भी दिव्यांगजनों ने अपनी पहचान बनायी है।

दिव्यांगजन में अपार क्षमता है और वे समाज के प्रेरणा स्त्रोत हैं, बशर्ते उन्हें अवसर, सम्मान और सुविधाएँ उपलब्ध कराई जाएं। इसके लिए केवल शासन ही नहीं, स्वास्थ्य पेशेवर, शिक्षक, सामाजिक संस्थाएँ, स्वयंसेवी समूह और आम नागरिक सबको आगे आकर समावेशी समाज की दिशा में मिलकर कार्य करना होगा। यही वह मार्ग है जो दिव्यांगजन को मुख्यधारा में पूर्ण रूप से जोड़ कर भारत को सामाजिक समरसता, गरिमा और प्रगति की ऊँचाइयों तक ले जाएगा।

-संजीव ठाकुर

अमेरिका के साथ एक नई शुरुआत, ट्रंप ने टैरिफ को 50 से घटाकर 18 प्रतिशत किया

पहले यूरोपीय संघ के साथ बहुप्रतीक्षित मुक्त व्यापार समझौते पर मुहर और उसके कुछ ही दिनों के भीतर अमेरिका के साथ एक तरह के व्यापार युद्ध में संघर्षविराम की स्थिति निस्संदेह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के लिए बड़ी उपलब्धियां हैं। उनके लिए नए साल की इससे बेहतर शुरुआत शायद ही हो सकती थी। खास तौर से तब जब पिछला साल कूटनीतिक तनाव, आपरेशन सिंदूर के दौरान युद्ध की आशंका और अमेरिका के साथ खटपट के नाम रहा। इस संदर्भ में अमेरिका के साथ बिगड़ी हुई बात का बनना बहुत कुछ कहता है।

अमेरिका द्वारा भारतीय वस्तुओं पर 50 प्रतिशत के टैरिफ को घटाकर 18 प्रतिशत करने का निर्णय मात्र एक आर्थिक राहत नहीं है, बल्कि यह मोदी की विदेश नीति की महत्वाकांक्षा और दृढ़ता की पुष्टि भी है। जब तमाम विश्लेषक यह मान बैठे थे कि ट्रंप 2.0 के दौर में भारत को लगातार दबाव और अपमान झेलना पड़ेगा, उसी दौरान मोदी ने धैर्य, रणनीति और आत्मविश्वास के साथ स्थिति को पलट दिया। यह समझौता दर्शाता है कि भारत अब वैश्विक राजनीति में प्रतिक्रिया देने वाला नहीं, बल्कि दिशा तय करने वाला देश बन चुका है।

देखा जाए तो मोदी ने वह कर दिखाया जो तमाम वैश्विक नेता नहीं कर सके। मोदी ने ट्रंप की कुख्यात 'द आर्ट आफ द डील' रणनीति को समझा और उसे भारत के हित में साध लिया। ट्रंप की सौदेबाजी बेहद आक्रामक, दबाव बनाने वाली और अतिरंजित दावों पर आधारित रही है। कनाडा, यूरोप, जापान और दक्षिण कोरिया जैसे अमेरिकी सहयोगी भी उनकी इस शैली के सामने अक्सर रक्षात्मक स्थिति में दिखे।

स्वयं भारत ट्रंप के पहले कार्यकाल में एक सीमित व्यापार समझौते की कोशिश में विफल रहा था, लेकिन इस बार मोदी ने न तो जल्दबाजी दिखाई और न ही आत्मसमर्पण किया। उन्होंने ट्रंप को वह राजनीतिक और मनोवैज्ञानिक संतुष्टि की गुंजाइश दी, जिसके लिए अमेरिकी राष्ट्रपति व्यग्र थे। जबकि वास्तविक लाभ भारत के खाते में गया। यह मोदी की कूटनीतिक परिपक्वता और आत्मविश्वास का प्रमाण है।

टैरिफ कटौती के बीच ट्रंप ने एकतरफा दावे भी किए। जैसे भारत रूसी तेल की खरीद पूरी तरह बंद कर देगा। भारत अमेरिकी उत्पादों की 500 अरब डालर तक की खरीद करेगा और अमेरिकी वस्तुओं पर सभी टैरिफ और गैर-टैरिफ बाधाएं शून्य कर देगा। ये दावे जितने नाटकीय हैं, उतने ही अव्यावहारिक भी प्रतीत होते हैं। भारत का अमेरिका से कुल वार्षिक आयात करीब 50 अरब डालर से भी कम है। 500 अरब डालर का आंकड़ा नीति से अधिक राजनीतिक नारेबाजी जैसा अधिक है। कृषि जैसे संवेदनशील क्षेत्रों में भारत का पूर्ण उदारीकरण घरेलू राजनीति और सामाजिक स्थिरता के लिहाज से वैसे भी असंभव है।

-धनंजय राजौरा

जब पुरस्कार ने गुरु को नहीं, गुरु ने पुरस्कार को सम्मान दिया

68वें ग्रैमी अवॉर्ड्स की रात कला, संगीत और मानवीय मूल्यों के इतिहास में एक स्वर्णिम अध्याय के रूप में दर्ज हो गई, जब 90 वर्षीय दलाई लामा को उनके जीवन का पहला ग्रैमी सम्मान प्राप्त हुआ। मेडिटेशंसः द रिफ्लेक्शंस ऑफ हिज होलिनेस द दलाई लामा नामक स्पोकेन वर्ड एल्बम को बेस्ट ऑडियो बुक, नैरेशन एंड स्टोरीटेलिंग रिकॉर्डिंग श्रेणी में चुना जाना केवल एक तकनीकी उपलब्धि नहीं था, बल्कि शांति, करुणा और वैश्विक सद्भाव की जीत थी। यह पुरस्कार उस विचारधारा की स्वीकृति बन गया, जो मानवता को जोड़ने का कार्य करती है। इस सम्मान ने यह प्रमाणित किया कि सच्चे विचार समय, सीमाओं और भाषाओं से परे जाकर सीधे हृदय तक पहुंचते हैं।

दलाई लामा का जीवन स्वयं संघर्ष, साधना और सेवा की एक प्रेरक गाथा है। 1935 में तिब्बत में जन्मे तेनजिन ग्यात्सो को बचपन में ही 14वें दलाई लामा के रूप में पहचान मिली और बहुत कम उम्र में ही उन्होंने आध्यात्मिक नेतृत्व की जिम्मेदारी संभाल ली। 1959 में भारत आकर उन्होंने धर्मशाला को अपना स्थायी केंद्र बनाया और वहीं से पूरी दुनिया में अहिंसा, करुणा और संवाद का संदेश फैलाया। 1989 में नोबेल शांति पुरस्कार मिलने के बाद वे विश्व मंच पर मानवता की आवाज बन गए। उनका संपूर्ण जीवन यह सिखाता है कि सादगी, संयम और सेवा के माध्यम से भी दुनिया में गहरा परिवर्तन लाया जा सकता है।

मेडिटेशंस एल्बम दलाई लामा के विचारों और जीवन-दर्शन का एक सशक्त और संवेदनशील दस्तावेज है। इसमें उन्होंने सद्भाव, दया, पर्यावरण संरक्षण, मानसिक संतुलन और मानव एकता जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर सरल लेकिन गहन चिंतन प्रस्तुत किया है। उनकी शांत, गंभीर और आत्मीय आवाज श्रोताओं के मन को छूते हुए भीतर तक उतर जाती है। यह एल्बम केवल सुनने का माध्यम नहीं, बल्कि आत्मअनुभूति का मार्ग बन जाता है। आधुनिक जीवन की तेज रफ्तार और बढ़ते तनाव के बीच यह रचना मन को ठहराव, शांति और संतुलन प्रदान करती है।

इस एल्बम की सबसे बड़ी विशेषता इसका भावपूर्ण और संतुलित संगीत संयोजन है। भारतीय शास्त्रीय संगीत के महान साधक उस्ताद अमजद अली खान और उनके पुत्र अमान तथा अयान अली बंगाश ने सरोद की मधुर धुनों के माध्यम से इसमें आत्मा भर दी है। इन सुरों ने दलाई लामा के शब्दों को और अधिक संवेदनशीलता तथा गहराई प्रदान की है। साथ ही पश्चिमी कलाकारों की सहभागिता ने इसे अंतरराष्ट्रीय स्वरूप दिया है। यह सहयोग इस बात का सशक्त उदाहरण है कि जब पूर्व और पश्चिम की सांस्कृतिक धाराएं मिलती हैं, तो मानवता के लिए एक नया, सुंदर और स्थायी संदेश जन्म लेता है।

एल्बम के निर्माण में सहयोग, समर्पण और संवेदनशीलता इसकी सबसे मजबूत आधारशिला रही। दलाई लामा के सौ घंटों से भी अधिक लंबे भाषणों को चयनित कर, उन्हें संगीत के साथ संतुलित रूप में प्रस्तुत करना एक अत्यंत कठिन और जिम्मेदारीपूर्ण कार्य था। इसके लिए कलाकारों और निर्माताओं ने गहरी समझ, धैर्य और सम्मान का परिचय दिया। हर शब्द और हर स्वर को इस तरह पिरोया गया कि उसका मूल भाव सुरक्षित रहे। दलाई लामा स्वयं मानते हैं कि संगीत मन और आत्मा के बीच सेतु का कार्य करता है, जो भावनाओं को सीधे स्पर्श करता है। इसी कारण यह एल्बम केवल बौद्ध दर्शन तक सीमित नहीं रहता, बल्कि हर उम्र, हर वर्ग और हर संस्कृति के लोगों से संवाद स्थापित करता है।

पुरस्कार समारोह के दौरान अमेरिकी गायक रूफस वेनराइट द्वारा पुरस्कार स्वीकार करना भी एक अत्यंत भावनात्मक और स्मरणीय क्षण बन गया। उन्होंने विनम्रता और सम्मान के साथ कहा कि दलाई लामा की बुद्धिमत्ता, करुणा और सादगी ही इस एल्बम की वास्तविक आत्मा है। उनके शब्दों पर सभागार में गूंजती तालियां यह दर्शा रही थीं कि यह सम्मान केवल एक व्यक्ति को नहीं, बल्कि उन सार्वभौमिक मूल्यों को समर्पित है, जिनका दलाई लामा वर्षों से प्रतिनिधित्व करते आए हैं। स्वयं दलाई लामा ने भी इस उपलब्धि को व्यक्तिगत सफलता न मानकर मानवता के प्रति सामूहिक जिम्मेदारी की स्वीकृति बताया, जो उनकी गहन विनम्रता और दूरदृष्टि को प्रकट करता है।

वर्तमान समय की जटिल परिस्थितियों में यह पुरस्कार और भी अधिक अर्थपूर्ण बन जाता है। आज की दुनिया महामारी, जलवायु संकट, मानसिक दबाव और सामाजिक विभाजन जैसी गंभीर चुनौतियों से गुजर रही है। ऐसे कठिन दौर में दलाई लामा का संदेश हमें भीतर झांकने, स्वयं को समझने और दूसरों के प्रति सहानुभूति विकसित करने की प्रेरणा देता है। उनका विश्वास है कि प्रत्येक व्यक्ति की खुशी दूसरों की भलाई से जुड़ी हुई है। मेडिटेशंस एल्बम इसी विचार को सरल, सहज और प्रभावशाली रूप में प्रस्तुत करता है, जिससे युवा पीढ़ी भी इसे आसानी से अपनाकर अपने जीवन में उतार सके।

भारत में दलाई लामा का जीवन, संघर्ष और योगदान विशेष महत्व रखता है। धर्मशाला को केंद्र बनाकर उन्होंने भारत की भूमि से पूरी दुनिया को शांति, संवाद और सह-अस्तित्व का संदेश दिया। भारतीय कलाकारों की सक्रिय भागीदारी इस एल्बम को सांस्कृतिक दृष्टि से और अधिक समृद्ध बनाती है। सरोद जैसे पारंपरिक वाद्ययंत्रों का प्रयोग यह दर्शाता है कि परंपरा और आधुनिकता एक-दूसरे की विरोधी नहीं, बल्कि पूरक हैं। यह रचनात्मक सहयोग भारत और तिब्बत की साझा सांस्कृतिक विरासत को सशक्त बनाते हुए मानवीय एकता की भावना को और गहराई प्रदान करता है।

इस ग्रैमी जीत का प्रभाव केवल वर्तमान तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि आने वाले वर्षों तक अपनी प्रेरक छाप छोड़ता रहेगा। यह उपलब्धि स्पष्ट रूप से दर्शाती है कि आध्यात्मिक, चिंतनशील और मूल्य-आधारित रचनाएँ भी मुख्यधारा की लोकप्रियता प्राप्त कर सकती हैं। मीडिया और वैश्विक मंचों पर मिली व्यापक चर्चा ने शांति, करुणा, पर्यावरण संरक्षण और मानसिक संतुलन जैसे विषयों को फिर से समाज के केंद्र में स्थापित कर दिया है। इससे विशेष रूप से युवा पीढ़ी में यह चेतना जागृत होती है कि वास्तविक सफलता केवल प्रसिद्धि, संपत्ति या प्रतिस्पर्धा से नहीं, बल्कि समाज और मानवता के लिए किए गए सकारात्मक योगदान से भी आंकी जाती है।

दलाई लामा का पहला ग्रैमी पुरस्कार संपूर्ण मानव समाज के लिए एक प्रेरणास्रोत बनकर उभरता है। 90 वर्ष की उम्र में यह सम्मान उनकी निरंतर साधना, निस्वार्थ सेवा और अटूट समर्पण का जीवंत प्रमाण है। मेडिटेशंस हमें अपने भीतर झांकने, दूसरों की भावनाओं को समझने और प्रकृति के प्रति जिम्मेदार बनने की दिशा दिखाता है। यह एल्बम केवल एक कलात्मक प्रस्तुति नहीं, बल्कि जीवन को बेहतर बनाने वाला एक गहन दर्शन है। दलाई लामा का संदेश आज भी उतना ही प्रभावशाली और प्रासंगिक है–कि करुणा, शांति और विवेक के माध्यम से ही हम एक अधिक संवेदनशील, संतुलित और मानवीय विश्व का निर्माण कर सकते हैं।

-प्रो. आरके जैन

भारत-अमेरिका व्यापार समझौताः मोदी नेतृत्व की वैश्विक दृढ़ता

अंतरराष्ट्रीय राजनीति और वैश्विक व्यापार के परिदृश्य में कोई भी समझौता केवल आंकड़ों या कर-प्रतिशतों तक सीमित नहीं होता, वह राष्ट्र की संप्रभुता, नेतृत्व की दृढ़ता और भविष्य की दिशा का भी संकेतक होता है। भारत और अमेरिका के बीच हालिया व्यापारिक सहमति, जिसके अंतर्गत प्रस्तावित 50 प्रतिशत टैरिफ को घटाकर 18 प्रतिशत किया गया है, इसी दृष्टि से एक अत्यंत महत्वपूर्ण और दूरगामी घटना है। यह निर्णय केवल आर्थिक राहत नहीं, बल्कि बदलते वैश्विक शक्ति-संतुलन और भारत की बढ़ती सौदेबाजी क्षमता का प्रमाण है। यहां ÷देर आए, दुरुस्त आए÷ की कहावत पूरी तरह चरितार्थ होती है। जब अमेरिका द्वारा भारतीय उत्पादों पर ऊँचे टैरिफ का दबाव बनाया गया था, तब यह आशंका व्यक्त की जा रही थी कि भारत जैसी उभरती अर्थव्यवस्था को अंततः झुकना पड़ेगा। वैश्विक व्यापार का हालिया इतिहास इस बात का साक्षी रहा है कि बड़ी शक्तियां अक्सर दबाव की राजनीति के माध्यम से अपने हित साधती हैं। किंतु फरवरी 2025 में आरंभ हुई इस व्यापारिक प्रक्रिया का फरवरी 2026 में सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ना यह दर्शाता है कि भारत ने न तो जल्दबाजी दिखाई और न ही अपने राष्ट्रीय हितों से समझौता किया। भारत ने समय लिया, परिस्थितियों का मूल्यांकन किया और अंततः संतुलित व सम्मानजनक परिणाम प्राप्त किया।

50 प्रतिशत से 18 प्रतिशत तक की टैरिफ कटौती का तात्कालिक प्रभाव व्यापारिक जगत और शेयर बाजार में दिखाई दिया। निवेशकों का भरोसा लौटा, निर्यातकों को राहत मिली और बाजार में सकारात्मक संकेत उभरे। किंतु इस निर्णय का वास्तविक महत्व इससे कहीं अधिक व्यापक है। यह इस बात की पुष्टि करता है कि भारत अब केवल नियमों का पालन करने वाला देश नहीं, बल्कि नियमों के निर्माण और पुनर्परिभाषा में अपनी भूमिका सुनिश्चित करने वाला राष्ट्र बन चुका है। अमेरिका जैसी महाशक्ति का अपने रुख में नरमी लाना भारत की आर्थिक ताकत, रणनीतिक धैर्य और राजनीतिक आत्मविश्वास का प्रत्यक्ष प्रमाण है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विदेश नीति की सबसे बड़ी विशेषता यही रही है कि उसमें संवाद है, पर दबाव के आगे समर्पण नहीं। चाहे वह रक्षा सहयोग हो, ऊर्जा सुरक्षा हो या व्यापारिक समझौते-हर क्षेत्र में भारत ने अपने हितों को केंद्र में रखते हुए आगे बढ़ने का प्रयास किया है। इस व्यापारिक डील में भी भारत ने बिना झुके, बिना रुके और बिना कमजोर पड़े अपनी शर्तें स्पष्ट रूप से रखीं। यही कारण है कि अंततः अमेरिका को अपने प्रस्तावों में संशोधन करना पड़ा। यह केवल एक व्यापारिक जीत नहीं, बल्कि राजनीतिक परिपक्वता और नेतृत्व की दृढ़ता का उदाहरण है। इस समझौते से भारतीय उद्योगों को वैश्विक प्रतिस्पर्धा में एक उन्नत स्थिति प्राप्त होगी। कम टैरिफ का अर्थ है कि भारतीय उत्पाद अमेरिकी बाजार में अधिक प्रतिस्पर्धी होंगे, उनकी पहुंच बढ़ेगी और ÷मेक इन इंडिया÷ को नया प्रोत्साहन मिलेगा। टेक्सटाइल, फार्मास्यूटिकल्स, ऑटोमोबाइल, कृषि-आधारित उत्पाद और उभरते तकनीकी क्षेत्र-सभी को इससे दीर्घकालिक लाभ होने की संभावना है। भारत अब केवल सस्ता श्रम या कच्चा माल उपलब्ध कराने वाला देश नहीं, बल्कि मूल्यवर्धित उत्पादन और नवाचार की दिशा में अग्रसर अर्थव्यवस्था बनता जा रहा है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संसदीय दल की बैठक में जिस संयम और आत्मविश्वास के साथ भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को ÷निरंतर धैर्य का परिणाम÷ बताया, वह उनकी कूटनीतिक शैली का सार है। यह समझौता किसी अचानक हुए घटनाक्रम का नतीजा नहीं, बल्कि एक वर्ष तक चली रणनीतिक प्रतीक्षा, विकल्पों के विस्तार और संतुलित संवाद का परिणाम है। मोदी ने स्पष्ट संकेत दिया कि सरकार ने विपक्ष की आलोचनाओं और तात्कालिक दबावों के बावजूद धैर्य नहीं छोड़ा, क्योंकि वैश्विक व्यापार और भू-राजनीति में जल्दबाज़ी अक्सर महंगी पड़ती है। अमेरिका का झुकना किसी भावनात्मक मित्रता का परिणाम नहीं, बल्कि ठोस रणनीतिक विवशता का नतीजा है। बीते एक वर्ष में भारत ने यह स्पष्ट कर दिया कि उसके पास विकल्प हैं-रूस के साथ ऊर्जा सहयोग, यूरोपीय संघ के साथ ऐतिहासिक मुक्त व्यापार समझौता और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में अपनी बढ़ती भूमिका।

यदि वाशिंगटन भारत पर एकतरफा दबाव बनाए रखता, तो अमेरिकी कंपनियां दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ते बड़े बाजार से बाहर हो जातीं। ट्रंप द्वारा 500 अरब डॉलर के आयात, शून्य टैरिफ और रूसी तेल त्यागने जैसे नाटकीय दावे इसी दबाव की राजनीति का हिस्सा थे, जिन्हें भारत ने न तो सार्वजनिक टकराव का मुद्दा बनाया और न ही स्वीकारोक्ति दी। मोदी का इन पर मौन यह दर्शाता है कि भारत इस घटनाक्रम को अंतिम समझौते के रूप में नहीं, बल्कि दिशा-निर्धारण के रूप में देख रहा है। इसके विपरीत, भारतीय विपक्ष इस पूरे प्रकरण में अपनी राजनीतिक अधीरता और रणनीतिक अपरिपक्वता को उजागर करता रहा। उसने टैरिफ को लेकर तात्कालिक लाभ-हानि की भाषा में सरकार को घेरने की कोशिश की, जबकि अंतरराष्ट्रीय व्यापार वार्ताएं समय, धैर्य और बहुस्तरीय गणनाओं की मांग करती हैं। विपक्ष यह समझने में असफल रहा कि कूटनीति में कभी-कभी पीछे हटना नहीं, बल्कि प्रतीक्षा करना ही सबसे बड़ा कदम होता है। आज जब अमेरिका को अपना अड़ियल रुख छोड़ना पड़ा है और भारत फिर से वैश्विक प्रतिस्पर्धा की अग्रिम पंक्ति में खड़ा दिख रहा है, तब यह स्पष्ट है कि मोदी की नीति न केवल दबाव से मुक्त थी, बल्कि दूरदर्शी भी। यही नीति भारत को एक आत्मविश्वासी, प्रभावशाली और सौदे की शर्तें तय करने वाली शक्ति के रूप में स्थापित कर रही है।

इस पूरे घटनाक्रम का एक महत्वपूर्ण पक्ष यह भी है कि यह वैश्विक व्यापार में दबाव आधारित राजनीति के अंत का संकेत देता है। लंबे समय से बड़ी अर्थव्यवस्थाएं टैरिफ, प्रतिबंध और नीतिगत दबावों के माध्यम से छोटे या उभरते देशों को अपनी शर्तें मानने के लिए विवश करती रही हैं। भारत ने इस प्रवृत्ति को न केवल चुनौती दी, बल्कि यह भी सिद्ध किया कि आत्मविश्वास, आर्थिक क्षमता और राजनीतिक इच्छाशक्ति के बल पर किसी भी दबाव को संतुलित संवाद में बदला जा सकता है। भारत-अमेरिका संबंधों के संदर्भ में यह समझौता एक नए राजनीतिक आभामंडल के निर्माण का भी संकेत देता है। यह संबंध अब केवल रणनीतिक या सामरिक सहयोग तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि आर्थिक साझेदारी के एक नए स्तर की ओर बढ़ रहा है। इसका प्रभाव केवल इन दो देशों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि वैश्विक राजनीति में बहुध्रूवीय व्यवस्था को और अधिक मजबूती देगा। दुनिया धीरे-धीरे यह स्वीकार कर रही है कि भविष्य का नेतृत्व किसी एक शक्ति के हाथ में नहीं, बल्कि संतुलित साझेदारियों के माध्यम से उभरेगा, और भारत उसमें एक केंद्रीय भूमिका निभाने के लिए तैयार है।

-ललित गर्ग

सर्दी ने दिलाई दिसंबर की याद, वेस्टर्न डिस्टर्बेंस के कारण फरवरी में फिर बदला मौसम

दिनभर चलती रही उत्तर-पूर्वी हवाएं, छाया घना कोहरा

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर का मौसम फिर सर्द हो चला है और लोगों को दिनभर ठिठुरना पड़ रहा है। क्योंकि वेस्टर्न डिस्टर्बेंस के कारण फरवरी माह में दिसंबर सी सर्दी का एहसास हो रहा है। मौसम का यह हाल आगामी एक सप्ताह और जारी रह सकता है।

दरअसल पंजाब व एमपी के ग्वालियर तरफ वेस्टर्न डिस्टर्बेंस के कारण हुई बारिश ने यहां का मौसम बदल दिया है। यहां हुई तेज बारिश की वजह से चल रही उत्तर-पूर्वी हवाएं सर्दी का एहसास करा रही है। जबकि गत वर्ष इस समय तक हल्की गर्मी का एहसास होने लगा था, लेकिन इस साल सर्दी थमने का नाम नहीं ले रही है। उधर बारिश थमती है और इधर मौसम फिर सामान्य हो जाता है, लेकिन वहां बारिश होते ही यहां सर्द हवाएं ठिठुरने पर मजबूर कर देती है। मौसम विशेषज्ञ सत्येंद्र धनोतिया ने बताया कि आगामी एक सप्ताह और मौसम ऐसा ही बना रहेगा। इसके बाद हो सकता है मौसम बदले।

सुबह-सुबह छाया कोहरा, दिनभर चली सर्द हवाएं- दिसंबर और जनवरी माह में जिस तरह कोहरे के कारण लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। ठीक वैसा ही मौसम फरवरी माह में भी बना हुआ है। बुधवार सुबह भी नगर में घना कोहरा छाया रहा जिसकी विजिबिलिटी भी काफी कम रही। सुबह करीब 9 बजे तक कोहरा छाया रहा। इसके बाद जब कोहरा छंटा तो सर्द हवाओं ने डेरा डाल लिया जिससे लोगों को दिनभर सर्दी से राहत नहीं मिल सकी। बुधवार को नगर का अधिकतम तापमान 25 व न्यूनतम तापमान करीब 13 डिग्री दर्ज किया गया। वहीं पूरे दिन 15 किमी की रफ्तार से उत्तर-पूर्वी हवाएं चलती रही।

कोहरे के कारण भिड़े कार और बाईक, युवक की मौत- कोहरे के कारण अकोदिया-शुजालपुर स्टेट हाईवे 41 पर बुधवार सुबह एक कार और बाइक की भिड़ंत हो गई। इस हादसे में बाइक सवार युवक की मौत हो गई, जबकि कार में सवार दो लोग घायल हो गए। घटना सुबह करीब 8.30 बजे की है।

मृतक की पहचान ईचावड़ा निवासी 25 वर्षीय इंद्र गिरी पिता गोकुल गिरी के रूप में हुई है। वह भीलखेड़ी जा रहा था। हादसे के बाद उसे तुरंत 108 एम्बुलेंस की मदद शुजालपुर के निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। कार में सवार मक्सी के कपालिया निवासी सचिन पाटीदार, उनकी पत्नी शीतल पाटीदार और उनकी दो साल की बेटी भी घायल हुए हैं।

समय सीमा मे करें आवेदनों का निराकरण– महापौर

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। निगम संबंधि कार्यों, समस्याओं के निराकरण के लिये वार्डवासियों नें 4 फरवरी बुधवार को महापौर श्रीमती गीता दुर्गेश अग्रवाल को जनसुनवाई में आवेदन दिये। महापौर ने जनसुनवाई करते हुये वार्ड 1 ब्राहम्ण खेडा में खुदी हुई नाली को ढंकने, वार्ड 33 हनुमान मंदिर के पिछे नाली के पानी की निकासी करवाने, वार्ड 19 हरिओम नगर मे सडक निर्माण करवाने, गंदे पानी की निकासी करवाने, वार्ड 19 अम्बेडकर नगर बालगढ में आवारा श्वानों को पकडने व समस्याओं के निराकण के आवेदन प्राप्त कर महापौर नें जनसुनवाई मे उपस्थित विभागीय अधिकारियों को निर्देशित करते हुये समय सीमा मे समस्याओं के निराकरण के लिये कहा।

प्रधानमंत्री स्वनिधि के स्वीकृति पत्र व व्यसाईयों को किया लायसेंसों का वितरण- जनसुनवाई के दौरान प्रधानमंत्री स्वनिधि के स्वीकृति पत्र व 5 व्यवसाईयों को खाद्य व अखाद्य लायसेंसों का वितरण महापौर गीता अग्रवाल के द्वारा विधायक एवं महापौर प्रतिनिधि दुर्गेश अग्रवाल, पार्षद प्रतिनिधि मुकेश मोदी, रूपेश वर्मा, भाजपा नेता विपुल अग्रवल के साथ किया गया।

इस अवसर पर निगम उपायुक्त देवबाला पिपलोनिया, जाकिर जाफरी, आरती खेडेकर, प्र. कार्यपालन यंत्री जगदीश वर्मा, सहायक यंत्री दिनेश चौहान, उपयंत्री मुशहीद हन्फी, विजय जाधव, जीवन रावत, स्वच्छता निरीक्षक रवि गोयनार, हेमन्त उबनारे, हरेन्द्रसिंह ठाकुर, प्रवीण पाठक, विशाल जगताप व नागरिकगण एवं व्यवसाई उपस्थित रहे।

वार्ड 11 मे की जल सुनवाई

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जल सुनवाई अभियान के अन्तर्गत जल गुणवत्ता को लेकर वार्ड में जलसुनवाई की गई। वार्ड क्रमांक 11 में जल सुनवाई के दौरान रहवासियों से पीने के पानी को लेकर चर्चा की। निगम द्वारा की जा रही जल सुनवाई अभियान में वार्डो के रहवासियों के घर पर नल कनेक्शन से व अन्य स्त्रोतों से लिये जा रहे पानी की गुणवत्ता की जांच हेतु पीने के पानी के सेम्पल वार्ड पार्षद व जनप्रतिनिधियों एवं रहवासियों के साथ लिये जा रहे हैं। वार्ड 11 में जलसुनवाई अभियान में वार्ड पार्षद प्रतिनिधि राहूल पवार, निगम उपयंत्री चंदन सोनी व वार्ड सुपर वाईजर आमीन शेख, निगम अमृत मित्र की टीम व निगम जलप्रदाय विभाग के कर्मचारियों के साथ बडी संख्या मे वार्डवासी उपस्थित रहे।

निगम करा रहा है स्वच्छ वार्ड रैंकिंग प्रतियोगिता

स्वच्छ वार्ड रैंकिंग में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 3 वार्ड के सफाई मित्र होगें सम्मानित

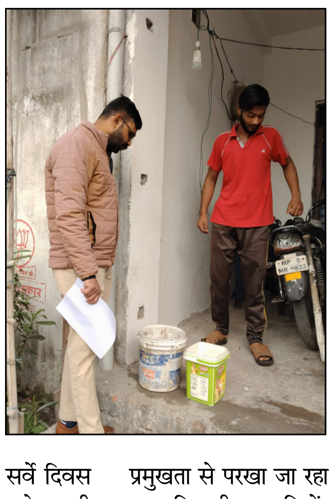

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। निगम आयुक्त दलीप कुमार के निर्देशन में शहर में स्वच्छता व्यवस्था को और अधिक सुदृढ एवं प्रभावी बनाने के उद्देश्य से स्वच्छ वार्ड रैंकिंग प्रतियोगिता की शुरुआत की गई है। स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 को दृष्टिगत रखते हुए गठित निगम स्वच्छ भारत मिशन की टीम द्वारा शहर के सभी 45 वार्डों में जमीनी स्तर पर निरीक्षण किया जा रहा है।

स्वच्छता से जुडी व्यवस्थाओं का हो रहा है मूल्यांकन, वार्डो मे पहुंच रही है गठित टीम- गाठित टीम सर्वे दिवस को वार्डों में पहुंचकर स्वच्छता से जुड़ी व्यवस्थाओं का सूक्ष्मता से मूल्यांकन कर रही है। निरीक्षण के दौरान विशेष रूप से डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण व्यवस्था, गीला एवं सूखा कचरा पृथक्कीकरण, सफाई के दौरान पीपीई कीट का प्रयोग, निर्माण एवं विध्वंस (सीएनडी) कचरे के निस्तारण की व्यवस्था, सीटीयु (कचरा स्थलों) की वर्तमान स्थिति, बैकलेन सौंदर्यिकरण, रेड-येलो स्पॉट, रहवासी क्षेत्र में कचरा प्रबंधन की व्यवस्थाओं को प्रमुखता से परखा जा रहा है।

गठित टीम नागरिकों से सीधे संवाद कर ले रही है फीड बेक- टीम निरीक्षण के दौरान स्थानीय रहवासियों से भी संवाद कर रही है, ताकि स्वच्छता से जुड़ी समस्याओं और सुझावों की जानकारी सीधे तौर पर प्राप्त की जा सके। नगर निगम का उद्देश्य केवल रैंकिंग करना ही नहीं, बल्कि मौके पर चिन्हित कमियों को समयबद्ध तरीके से दूर कर व्यवस्था में वास्तविक सुधार लाना है।

वार्ड सर्वे में वर्तमान स्थिती के दे रहें हैं अंक रैंकिंग के पश्चात प्राप्त अंकों पर होगी प्रतियोगिता- टीम द्वारा प्रत्येक वार्ड की वर्तमान स्थिति के अनुसार एक निर्धारित सर्वे फॉर्म में अंक प्रदान किए जा रहे हैं। इन्हीं अंकों के आधार पर निगम द्वारा गठित समिति के माध्यम से सभी वार्डों की रैंकिंग तय की जाएगी। बेहतर प्रदर्शन करने वाले वार्डों को निगम स्तर पर प्रोत्साहित किया जाएगा ताकि अन्य वार्ड भी स्वच्छता के क्षेत्र में बेहतर कार्य करने के लिए प्रेरित हो सकें।

वार्डवासी स्वच्छता के नियमों का पालन करें- टीम द्वारा यह भी देखा जा रहा है कि वार्डों में नागरिकों द्वारा स्वच्छता नियमों का कितना पालन किया जा रहा है तथा निगम द्वारा उपलब्ध कराई गई सुविधाओं का सही उपयोग हो रहा है या नहीं।

शहर के मुख्य मार्ग पर लगाए गए छुठ भईयाओं के फ्लेक्स होर्डिंग को हटाए जाने के निर्देश आयुक्त दलीप कुमार ने दिए

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आयुक्त दलीप कुमार के निर्देश अनुसार शहर के प्रमुख मार्गो पर एवं मुख्य चौराहे तथा स्ट्रीट लाइट के पोलो पर लगाए गए फ्लेक्स होर्डिंग निगम की टीम द्वारा तत्काल हटाए गए स्वच्छता सर्वेक्षण को ध्यान रखते हुए मुख्य मार्गो मुख्य चौराहा अन्य किसी स्थान पर बिना परमिशन लगाए गए फ्लेक्स होर्डिंग को हटाए जाने के निर्देश आयुक्त ने दिए। की गई कार्रवाई में लगाए गए सभी फ्लेक्स होर्डिंग हटाए गए । हटाए जाने के कार्रवाई में निगम के स्वच्छता निरीक्षक हेमंत उबनारे एवं टीम के द्वारा निगम की मशीनरी के माध्यम से फ्लेक्स बोर्डिंग हटाए गए।

अधिकारियों एवं कर्मचारियों के अवकाश पर प्रतिबंध

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। फोटो निर्वाचक नामावली के विशेष गहन पुनरीक्षण नो मैपिंग/तार्किक विसंगतियों (लॉजिकल डिस्क्रीपेंसीज) एवं दावे-आपत्ति के निराकरण का कार्य भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार विधानसभा क्षेत्र में जारी निर्वाचन कार्यक्रम अनुसार किया जा रहा है।

कलेक्टर ऋजु बाफना ने फोटो निर्वाचक नामावली के विशेष गहन पुनरीक्षण के तारतम्य में 02 फरवरी 2026 से 14 फरवरी 2026 तक के लिये विधानसभा क्षेत्र में कार्यरत सहायक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों एवं संलग्न अधीनस्थ अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिये सभी प्रकार के अवकाश पर प्रतिबंध लगाया हैं। उक्त निर्वाचन कार्य अवधि में कोई भी सहायक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी बिना जिला निर्वाचन अधिकारी की अनुमति के अपना मुख्यालय नहीं छोडेंगे। उनके अधीन समस्त अधिकारी एवं कर्मचारी जिला निर्वाचन अधिकारी अथवा उनके द्वारा अधिकृत अधिकारी की अनुमति के बिना न तो कोई अवकाश स्वीकृत करेंगे और न ही अवकाश पर प्रस्थान करेंगे।

देवास-इंदौर मार्ग पर धड़ल्ले से दौड़ रहीं अवैध बसें

प्राईम रूट बस ऑपरेटर्स एसोसिएशन ने लगाया कार्रवाई न होने का आरोप

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। देवास-इंदौर मार्ग पर बिना परमिट और निर्धारित समयचक्र के बसों के संचालन को लेकर प्राइम रूट बस ऑपरेटर्स एसोसिएशन ने गंभीर चिंता जताते हुए पुलिस अधीक्षक, जिला देवास के नाम एस.पी. कार्यालय में आवेदन सौंपा है। एसोसिएशन अध्यक्ष ठा. वीरेंद्र सिंह बैस ने बताया कि बस स्टैंड ट्रैफिक थाने के सामने से ही अवैध रूप से बसों का संचालन खुलेआम किया जा रहा है, लेकिन जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं की जा रही। आवेदन में बताया कि कई बार शिकायत किए जाने के बावजूद यातायात विभाग की ओर से ठोस कदम नहीं उठाए गए, जिससे विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो रहे हैं। एसोसिएशन ने आशंका जताई है कि इस तरह की लापरवाही के पीछे भ्रष्टाचार भी हो सकता है, हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। अवैध रूप से चल रही बसों के कारण सडक़ों पर रेसिंग जैसी स्थिति बन रही है, जिससे यात्रियों की जान जोखिम में पड़ सकती है। अध्यक्ष श्री बैस का कहना है कि किसी भी दिन बड़ा हादसा हो सकता है। कुछ लोग दबंगई के बल पर इस अवैध संचालन को जारी रखे हुए हैं। एसोसिएशन ने संबंधित वाहनों के नंबरों सहित शिकायत दर्ज कराते हुए मांग की है कि ऐसे वाहनों के खिलाफ तत्काल सख्त कार्रवाई की जाए और अवैध संचालन पर रोक लगाई जाए। उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि समय रहते कार्रवाई नहीं हुई तो इसकी पूरी जिम्मेदारी जिला प्रशासन की होगी।

वैध खाद्य लायसेंस नहीं होने एवं स्वच्छता संबंधित अनियमितता पाये जाने पर बालाजी बेकरी को किया सील

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्री ऋतुराज सिंह के निर्देश पर खाद्य सुरक्षा अधिकारी व खाद्य एवं औषधी प्रशासन द्वारा होटलों, बेकरी एवं मिठाईयों की दुकानों सहित अन्य खाद्य सामग्री प्रतिष्ठानों की जांच कर उनके सैंपल लिए जा रहे है। सैंपल को राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला भोपाल को भेजे जा रहे हैं। इसी कड़ी में बुधवार को खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के तहत तहसीलदार देवास श्रीमती सपना शर्मा एवं मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी श्री सुरेन्द्र ठाकुर ने देवास के रामचंद्र नगर स्थित बालाजी बेकरी से केक एवं वर्मीसेल कंफेक्शनरी के नमूने लिए। इस दौरान बालाजी बेकरी का मौके पर वैध खाद्य लायसेंस नहीं होने एवं स्वच्छता संबंधित अनियमितता पाये जाने से बेकरी को सील करने की कार्यवाही की गई। इसी प्रकार आंध्रा स्टाइल डोसा मिश्रीलाल नगर से डोसा बेटर एवं आलू मसाला के नमूने लेकर सभी नमूने जांच के लिए राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला भोपाल को भेजे गये हैं।

हाईवे द्वार निर्माण में घटिया सामग्री का आरोप

कलेक्टर के आदेश पर तीन सदस्यीय टीम ने लिए निर्माण सामग्री के नमूने

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर के शहरी हाईवे पर लालघाटी स्थित ढाई करोड़ रुपए की लागत से बन रहे द्वार के निर्माण में घटिया सामग्री के उपयोग की शिकायत सामने आई है। क्षेत्रीय सांसद महेंद्रसिंह सोलंकी के समर्थक और भाजपा नेता सोनू सोलंकी ने इस संबंध में कलेक्टर से शिकायत की थी।

शिकायत के बाद कलेक्टर ने मामले की गंभीरता को देखते हुए तीन सदस्यीय जांच टीम गठित की। इस टीम में लोक निर्माण विभाग के कार्यपालन यंत्री हर्षवर्धन, डिप्टी कलेक्टर नेहा गंगारे और आरईएस के कार्यपालन यंत्री को शामिल किया गया। टीम ने बुधवार को निर्माण स्थल का दौरा कर द्वार के पिलरों से जांच के लिए नमूने एकत्र किए।

यह लगाया था आरोप- भाजपा नेता सोनू सोलंकी ने आरोप लगाया था कि द्वार के निर्माण में अनुमानित लागत के अनुसार काम नहीं किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि 20 एमएम के सरिए का उपयोग होना था, लेकिन 16 एमएम के सरिए लगाए गए हैं। सोलंकी ने नगरपालिका इंजीनियर के समक्ष भी सरिए दिखाए थे। इसके अतिरिक्त, रेत में मिट्टी मिली होने जैसी घटिया निर्माण सामग्री के उपयोग का भी आरोप है। जिसके बाद प्रशासन ने इस शिकायत को गंभीरता से लिया है।

इनका कहना है- कलेक्टर के निर्देश पर टीम ने जांच की है। अभी तक जांच में ऐसा कुछ नहीं पाया गया है, लेकिन नमूने प्रयोगशाला में परीक्षण के लिए भेजे जाएंगे। जांच रिपोर्ट आने के बाद ही निर्माण की गुणवत्ता स्पष्ट हो पाएगी।

- हर्षवर्धन सिंह, कार्यपालन यंत्री, लोक निर्माण विभाग - शाजापुर

क्षमता से अधिक सवारी बिठाने और तेज गति से बस चलाने वालों पर कार्रवाई करें - कलेक्टर

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री ऋतुराज सिंह की अध्यक्षता में जिला स्तरीय सड़क सुरक्षा समिति की बैठक कलेक्टर कार्यालय सभाकक्ष में आयोजित हुई। जिला स्तरीय सड़क सुरक्षा समिति बैठक में पहली बार 22 विभागों को शामिल कर संयुक्त रूप से कलेक्टर श्री ऋतुराज सिंह एवं पुलिस अधीक्षक श्री पुनीत गेहलोद ने महत्वपूर्ण बिंदूओ जैसे महिला अपराध रोकथाम, यातायात व्यवस्था, एसटी/एससी अपराध, नशा मुक्ति, चिन्हित अपराध, गबन धोखाधडी और अवैध खनन संबंध विषयों पर विस्तृत समीक्षा की।

बैठक में नगर निगम आयुक्त श्री दलीप कुमार, अपर कलेक्टर श्री शोभाराम सोलंकी, अपर कलेक्टर श्री संजीव जैन,अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री जयवीर सिंह भदौरिया, एएसपी ट्राफिक श्री एचएन बॉथम, परिवीक्षाधीन आईपीएस श्री आलोक कुमार वर्मा, एसडीएम बागली श्री शिवम यादव, एसडीएम सोनकच्छ श्रीमती प्रिया चंद्रावत, एसडीएम देवास श्री अभिषेक शर्मा, एसडीएम टोंकखुर्द श्री संजीव सक्सेना, एसडीएम खातेगांव श्री प्रवीण प्रजापति, एसडीएम कन्नौद श्री कन्हैयालाल तिलवारी सहित सभी एसडीओपी अन्य जिला अधिकारी एवं पुलिस अधिकारी उपस्थित थे।

जिला सड़क सुरक्षा समिति बैठक में कलेक्टर श्री ऋतुराज सिंह ने एमपीआरडीसी को जिले अंतर्गत मार्गो पर निर्मित बड़े पुलों के रखरखाव एवं संधारण संबंधी निर्देश दिए। उन्होंने सिया घाट पर सुरक्षात्मक उपाय के लिए नवीनतम तकनीक का उपयोग करने एवं टूटे हुए बैरियर को रिपेयर करने के निर्देश दिये। कलेक्टर श्री सिंह ने निर्देश दिये कि घाटों में ढलान पर रंबल स्ट्रिपर लगाए तथा घाट सेक्शन में टर्न पर रेडियम और रिफ्लेक्टिव संकेतक लगाए, जिससे रात के अंधेरे में टर्न पर संभावित दुर्घटनाओं से बचा जा सके।

कलेक्टर श्री ऋतुराज सिंह ने निर्देश दिये कि जिले के मुख्य मार्गो पर अवैध कट प्वाइंट बनाने वालों पर कार्रवाई करें। जिले के सभी पेट्रोल पंपों पर पीयूसी केंद्र स्थापित कराए, इस संबंध में सभी पेट्रोल पंप संचालकों को पीयूसी केंद्र स्थापित करने संबंधी नोटिस जारी करें, जिन पेट्रोल पंपों पर वर्तमान में पीयूसी केंद्र क्रियाशील नहीं हैं, वे आगामी एक माह के भीतर केंद्र स्थापित करने की प्रक्रिया पूर्ण करें।

रूई के गद्दे निर्माण कार्य से प्रतिमाह करीब 15 हजार से अधिक की आय कर रही अर्जित

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। केंद्र सरकार और मध्यप्रदेश सरकार द्वारा महिलाओं को आत्मनिर्भर एवं सशक्त बनाने के लिए कई योजनाएं संचालित की जा रही है। इन योजनाओं से जुड़कर एवं लाभ पाकर महिलाएं सशक्त होकर सफलता की नई इबारत लिख रही है। शासन की यह योजनाएं महिलाओं के लिए वरदान साबित हो रही है। महिलाएं आजीविका मिशन से जुड़कर न केवल स्वयं सशक्त हो रही हैं, बल्कि अपने परिवार का आर्थिक स्तर भी ऊंचा उठा रही है। आज ये पिछड़ी महिलाएं सफलता की नई इबारत तो लिख ही रही है साथ ही लखपति दीदी बनने की ओर अपने कदम बढ़ा रही है। इन्हीं महिलाओं में बागली विकासखंड के ग्राम नेवरी निवासी श्रीमती सविता मनीष लोधी हैं, जिन्होंने आजीविका मिशन से जुड़ने के बाद आत्मनिर्भर बनने की राह चुनी और आज वे रूई के गद्दे निर्माण का कार्य कर करीब 15 हजार रुपए से अधिक की आय अर्जित कर रही है। महिलाओं को सशक्त, आत्मनिर्भर एवं आर्थिक तौर पर सुदृढ़ बनाने के लिए वे प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को हृदय से धन्यवाद दे रही हैं। श्रीमती सविता लोधी ने बताया कि समूह से जुड़ने से पूर्व में एक बहुत साधारण जीवन व्यतीत करती थी।

पुलिया के नीचे मिला युवक का शव, शव के पास मिली बाईक, फरूटी के पाउच भी मिले

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। दुपाड़ा मार्ग पर बुधवार को रागवेल की पुलिया के नीचे एक व्यक्ति का शव मिला है। मृतक की पहचान बामनिया खेड़ी निवासी राजेश मालवीय के रूप में हुई है। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की।

स्थानीय लोगों ने शव मिलने की सूचना पुलिस को दी थी। घटनास्थल पर मृतक के पास एक बाइक भी पड़ी मिली, जिस पर सरपंच लिखा हुआ था। शव खून से लथपथ था और पुलिया के नीचे बड़ी संख्या में फरूटी के खाली पाउच भी मिले हैं। सूचना मिलते ही एडिशनल एसपी घनश्याम मालवीय, एसडीओपी अजय मिश्रा और लालघाटी थाना प्रभारी अर्जुन सिंह मुजाल्दे अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे। लालघाटी थाना पुलिस ने एफएसएल, साइबर और फिंगरप्रिंट विशेषज्ञों की टीम को भी बुलाया है। पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि युवक की मौत पुलिया से गिरने से हुई है या उसकी हत्या कर शव को यहां फेंका गया है। घटनास्थल पर बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात हो गया। जैसे ही यह खबर गांव में फैली, मौके पर लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई। लालघाटी थाना प्रभारी अर्जुन सिंह मुजाल्दे ने बताया कि फिलहाल मामले की जांच की जा रही है और सभी पहलुओं पर गौर किया जा रहा है। फिलहाल शव का पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया गया हैं। पुलिस द्वारा मामले में मर्ग कायम कर जांच की जा रही है।

जन्म जात हृदय रोग जांच, परीक्षण एवं उपचार के लिए शिविर का आयोजन हुआ

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के अतंर्गत जिला चिकित्सालय देवास के जिला शीघ्र हस्तक्षेप केन्द्र में जन्म से 18 वर्ष तक के बच्चों का जन्म जात हृदय रोग जांच, परीक्षण एवं उपचार के लिए शिविर आयोजित किया गया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ सरोजिनी जेम्स बेक ने बताया कि शिविर में 42 बच्चों का पंजीयन कर अमलतास मेडिकल कॉलेज की मेडिकल टीम द्वारा इको जांच की गई। 04 बच्चों को हायर सेंटर एम्स दिल्ली के लिए रेफर किया गया, 13 बच्चों को सर्जरी के लिए चिन्हित किया गया, 2 बच्चों को दवाई वितरित कर फॉलोअप के लिए बुलाया गया है। शिविर में 23 बच्चे सामान्य पाए गए हैं, जिन्हें किसी भी उपचार की आवश्यकता नहीं है।

शिविर में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ सरोजिनी जेम्स बेक द्वारा राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के विषय में विस्तार से जानकारी दी गई। उपस्थित बच्चों के अभिभावकों से उन्होंने आग्रह किया गया कि उनके आसपास इस प्रकार के बच्चे यदि दिखाई देते हैं तो उन्हें भी उपचार की जानकारी दें एवं निशुल्क उपचार के बारे में बताएं। इस दौरान जिला टीकाकरण अधिकारी एवं नोडल अधिकारी राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम डॉ सुनील तिवारी, जिला स्वास्थ्य एवं महामारी नियंत्रण अधिकारी डॉ राजेंद्र गुजराती, जिला विस्तार एवं माध्यम अधिकारी श्रीमती श्रुति गौर तोमर, आरबीएसके कोऑर्डिनेटर श्रीमती ज्योति अहिरे सहित विभिन्न विकासखंड एवं शहरी क्षेत्र में पदस्थ आरबीएस के आयुष चिकित्सक एवं टीम मौजूद थी।

अकोदिया पुलिस की बड़ी सफलता, गुमशुदा नाबालिक बालक को थाना प्रभारी ने 5 घंटे में सकुशल किया दस्तयाब

अकोदिया/ अमर सिंह मेवाडा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अकोदिया मध्य प्रदेश पुलिस मुख्यालय भोपाल द्वारा संचालित अभियान के अंतर्गत यह प्रदेश भर में पुलिस सक्रियता में जुड़ चुकी है वही अकोदिया पुलिस को एक महत्वपूर्ण सफलता हाथ लगी है 3 फरवरी को फरियादी द्वारा प्रकरण दर्ज करा कर उसके नाबालिक लड़के को उसके घर से अज्ञात आरोपी को बेहाला फुसला कर ले जाने का मामला प्रकाश में आया था उक्त सूचना पर अकोदिया के ऊर्जावान थाना प्रभारी संजय सिंह राजपूत ने तत्परता दिखाते हुए थाना अकोदिया में अपराध क्रमांक 19 / 26 धारा 137 (2) बीएन एस के तहत प्रकरण दर्ज कर जांच प्रारंभ की गई थी पुलिस कप्तान यशपाल सिंह राजपूत पुलिस अधीक्षक घनश्याम मालवीय एसडीओपी निमेष के निर्देशन में अकोदिया थाना के ऊर्जावान थाना प्रभारी संजय सिंह राजपूत के नेतृत्व में एक विशेष पुलिस टीम का गठन किया गया एवं नाबालिक बालक की तलाश हेतु टीम ने ना सिर्फ स्थानीय स्तर पर व्यापक प्रयास किए गए साथ ही सोशल मीडिया सहित आसपास के पुलिस थानों व जिला मुख्यालय में सूचना प्रसारित कर संभावित ठिकानों सतत निगरानी रखी गई उक्त टीम को विश्वसनीय सूचना प्राप्त होने पर बोलाई वह आसपास के क्षेत्र में रवाना किया गया बोलाई पहुंचे जहां सतर्कता एवं कड़ी मेहनत से प्राप्त जानकारी प्रणाम स्वरूप 3 फरवरी को नाबालिक को सकुशल दस्तयाब कर परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया

उक्त अभियान में थाना प्रभारी निरीक्षक संजय राजपूत खुशाल सिंह पूनिया सहित अनेक पुलिस कर्मियो की महत्वपूर्ण भूमि का रही है।

थाना प्रभारी राजपूत की नगर वासियों कहां सराहनीय पहल - अकोदिया नगर में एक ऊर्जावान थाना प्रभारी के रूप संजय सिंह राजपूत पदस्थ हैं जिनके नेतृत्व में कानून व्यवस्था बरकरार चल रही है बड़े-बड़े मामले को भी श्री राजपूत के नेतृत्व में सुलझाए गए हैं आरोपियों पर सख्त कार्रवाई की गई है आज भी श्री राजपूत ने उक्त बालक के लापता होने के बाद मात्र 5 घंटे में उसे सकुशल परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया जहां परिजनों ने थाना प्रभारी को धन्यवाद दिया साथ नगर के नागरिक गणों ने भी श्री राजपूत की इस पहल की तारीफ की।

मार्च में होगी साध्वी माँ ऋतम्भरा की धर्मसभा बदनावर में

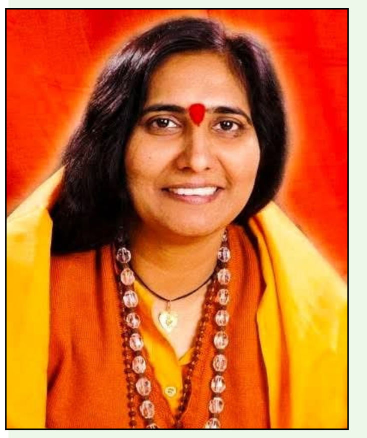

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सनातन धर्म की प्रेरणास्रोत साध्वी माँ ऋतम्भरा की विराट धर्मसभा आगामी 18 मार्च 2026 को बदनावर में होगी। साध्वी ऋतम्भरा अपने ओजस्वी एवं प्रेरणादायी प्रवचनों से श्रद्धालुओं को मार्गदर्शन प्रदान करेंगी। धर्मसभा के दौरान साध्वी माँ धर्म, संस्कार, राष्ट्रभावना एवं जीवन मूल्यों पर अपने अमृत वचनों से समाज को दिशा देंगी। साध्वी माँ के आगमन को लेकर क्षेत्र में उत्साह का माहौल है तथा बदनावर सहित आसपास के जिलों से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना जताई जा रही है। साध्वी माँ ऋतम्भरा के शिष्य स्वामी सत्यश्रेय गिरि महाराज ने बताया कि यह आयोजन समाज में आध्यात्मिक चेतना, सांस्कृतिक जागरण एवं सकारात्मक ऊर्जा के संचार का माध्यम बनेगा। आयोजकों ने समस्त श्रद्धालुओं से आग्रह किया है कि वे सपरिवार एवं मित्रों के साथ धर्मसभा में सहभागी बनें और दीदी माँ साध्वी ऋतम्भरा जी के प्रेरक एवं अमृत वचनों का लाभ प्राप्त करें।

दिव्यांग विवाह प्रोत्साहन योजना, सात प्रकरणों हितग्राहियों को दो-दो लाख की सहायता राशि जारी

विदिशा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। दिव्यांग विवाह प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता द्वारा आज सात प्रकरणों में आर्थिक सहायता स्वीकृत के आदेश जारी कर दिए गए हैं। इस योजना के तहत दिव्यांगजन के विवाह को प्रोत्साहित कर सामाजिक सुरक्षा एवं सम्मान प्रदान करना है। प्रत्येक पात्र दंपत्ति को 2 लाख रुपये की प्रोत्साहन राशि स्वीकृत की गई है। कलेक्टर श्री गुप्ता द्वारा जारी स्वीकृति आदेश का हवाला देते हुए सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग के उप संचालक ने श्री एके खरे ने बताया कि स्वीकृत प्रकरणों में जिन सात हितग्राहियों को राशि क्रमशः 2-2 लाख जारी हुई तदानुसार श्री शिवजीपाल पाल (50 प्रतिशत अस्थिबाधित दिव्यांग), निवासी गणेशपुरा, विदिशा एवं श्रीमति नेहा पाल (सामान्य), निवासी बिसोनिया, जिला राजगढ़। श्री गौरव शर्मा (80ः अस्थिबाधित दिव्यांग), निवासी लटेरी, जिला विदिशा एवं श्रीमति पूरन पंडा (सामान्य), निवासी चंदेरी, जिला अशोकनगर।

धर्मेन्द्र यादव (सामान्य), निवासी शमशाबाद, जिला विदिशा एवं श्रीमति पूजाबाई यादव (40 प्रतिशत बौद्धिक दिव्यांग), निवासी लटेरी, जिला विदिशा। चक्रेश अहिरवार (40 प्रतिशत अस्थिबाधित दिव्यांग), निवासी सौराई, विदिशा एवं श्रीमति नीलम अहिरवार (सामान्य), निवासी विदिशा। श्री लीलेश सम्मरवार (40 प्रतिशत दृष्टिबाधित दिव्यांग), निवासी विदिशा एवं श्रीमति सेवा अहिरवार (सामान्य), निवासी लटेरी, जिला विदिशा। सबा अस्लम (100 प्रतिशत दृष्टिबाधित दिव्यांग), निवासी सिरोंज, जिला विदिशा एवं अंजुम जावेद (सामान्य), निवासी सवाई माधोपुर, राजस्थान। श्रीमति सोनम भावसार (40 प्रतिशत अस्थिबाधित दिव्यांग), निवासी विदिशा एवं श्री सोनू नामदेव (सामान्य) आदी।

एक दुखियारी मां को एसडीएम से लगानी पड़ी भरण-पोषण की गुहार

कानून के सहारे खड़ी माँ और सवालों के कटघरे में समाज

सीहोर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सीहोर के लुनिया मोहल्ला गंज की बुजुर्ग श्रीमती शांताबाई की कहानी केवल एक खबर नहीं है, बल्कि आज के समय की उस सिसकती संवेदना की दास्तान है, जो धीरे-धीरे हमारे समाज से खोती जा रही है। यह कहानी उस माँ की है, जिसने जीवन भर अपने पुत्र के लिए त्याग किया, पर जीवन के अंतिम पड़ाव पर उसी पुत्र से अपने भरण-पोषण के लिए कानून की शरण लेनी पड़ी।

विधवा और वृद्ध शांताबाई के जीवन में सहारा देने वाला केवल एक ही पुत्र है विनोद। ग्राम गोपालपुरा में स्थित उनकी स्वामित्व की भूमि पर पुत्र फसल बोता है, उससे लाभ अर्जित करता है, पर उसी भूमि की स्वामिनी माँ के जीवन निर्वाह की जिम्मेदारी निभाने से पल्ला झाल लिया। यह दृश्य केवल एक परिवार की कहानी नहीं, बल्कि उस सोच का प्रतीक है, जहाँ रिश्ते सुविधा और स्वार्थ के दायरे में सिमटते जा रहे हैं।

जब माँ-बाप की जरूरतें बोझ लगने लगें, तब समझ लेना चाहिए कि संवेदनाएं कहीं गहरे में खो गई हैं। वही माँ, जिसने बिना किसी हिसाब-किताब के अपने बेटे को पाला-पोसा, आज अपने अधिकारों के लिए माता-पिता एवं वरिष्ठ नागरिक भरण-पोषण अधिनियम का सहारा लेने को मजबूर हुई। यह कदम उनके लिए आसान नहीं रहा होगा, लेकिन मजबूरी कभी-कभी आत्मसम्मान से भी बड़ी हो जाती है।

सीहोर एसडीएम श्री तन्मय वर्मा द्वारा इस प्रकरण को गंभीरता और संवेदनशीलता से लेना केवल एक प्रशासनिक कार्यवाही नहीं, बल्कि मानवीय मूल्यों की पुनर्स्थापना का प्रयास है। सुनवाई के दौरान जब पुत्र अपने पक्ष में कोई ठोस प्रमाण प्रस्तुत नहीं कर सका, तब एसडीएम श्री तन्मय वर्मा के न्यायालय ने शांताबाई के पक्ष में निर्णय देते हुए प्रतिमाह 1500 रुपये भरण-पोषण राशि उनके बैंक खाते में जमा करने के आदेश दिए। यह राशि भले ही छोटी प्रतीत हो, पर इसके पीछे छिपा संदेश बहुत बड़ा है।

यह घटना हम सभी को ठहरकर सोचने पर मजबूर करती है, कि क्या आधुनिक जीवन की दौड़ में हम अपने सबसे पवित्र रिश्तों को पीछे छोड़ते जा रहे हैं? माता-पिता हमारे जीवन की नींव हैं, कोई कानूनी दायित्व नहीं जिन्हें मजबूरी में निभाया जाए। उनकी सेवा आदेश से नहीं, संस्कार से होती है, कानून से नहीं बल्कि करुणा से होती है। शांताबाई की व्यथा समाज को चेतावनी देती है कि अगर आज हमने अपने माता-पिता की कद्र नहीं की, तो कल केवल पछतावा ही शेष रहेगा। वे हमारे अतीत हैं, हमारी पहचान हैं और हमारे संस्कारों का जीवंत स्वरूप हैं।

प्रवीण चावला सहसंयोजक नियुक्त

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रदेश भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा द्वारा केंद्रीय बजट 2026 के प्रचार अभियान एवं जन संवाद कार्यक्रम के लिए गठित प्रदेश स्तरीय टोली में प्रवीण चावला को सहसंयोजक नियुक्त किया गया है। यह नियुक्ति संगठनात्मक मजबूती की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है। नियुक्ति की घोषणा के उपरांत बदनावर में भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा उत्साहपूर्वक स्वागत किया गया, वहीं भाजपा कार्यालय धार में उनका आत्मीय अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर भाजपा जिला उपाध्यक्ष प्रेमचंद परमार ने कहा कि प्रवीण चावला का अनुभव एवं संगठनात्मक क्षमता बजट 2026 के जनहितकारी प्रावधानों को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। उनके नेतृत्व में प्रचार अभियान को नई गति मिलेगी। कार्यक्रम में भाजपा पदाधिकारी, मोर्चा कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में पार्टीजन उपस्थित रहे।

शासकीय आवासीय खेलकूद संस्थान में आनंद उत्सव के तहत अनेक खेल गतिविधियां आयोजित

सीहोर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सीहोर के शासकीय आवासीय खेलकूद संस्थान में हर्षोल्लास के साथ जिला स्तरीय आनंद उत्सव का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विभिन्न खेलकूद और मनोरंजक गतिविधियां आयोजित की गई, जिनमें अनेक जिलाधिकारियों, कर्मचारियों, शिक्षकों, बच्चों, युवाओं एवं नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस अवसर पर कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने टे?बल टेनिस तथा जिला पंचायत सीईओ ने टेबल टेनिस और चम्मच दौड़ में भाग लिया। उन्होंने सभी खेल गतिविधियों को अवलोकन किया और प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया।

आनंद उत्सव के अंतर्गत सितोलिया, गोलाफेंक, रस्सी कूद, कुर्सी दौड़, चम्मच दौड़, क्रिकेट, टेबल टेनिस, फुटबॉल, कबड्डी, वालीबॉल और शतरंज जैसे खेलों का आयोजन किया गया। इन खेलों में प्रतिभागियों ने न केवल अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया, बल्कि सामूहिकता और खेल भावना का उदाहरण भी प्रस्तुत किया। खेल गतिविधियों में भाग लेने के साथ ही कलेक्टर श्री बालागुरू के., जिला पंचायत सीईओ श्रीमती सर्जना यादव और सभी जिलाधिकारियों ने सभी प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया।

इस अवसर पर कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने कहा कि यह आनंद उत्सव हर्षोल्लास और सहयोग का अद्भुत संगम है। ऐसे कार्यक्रमों से सामूहिकता और आपसी सहयोग की भावना को बढ़ावा मिलता है तथा इन कार्यक्रमों में बच्चों से लेकर वरिष्ठ नागरिक भी भाग लेते हैं, जिससे एकता की भावना भी विकसित होती है। उन्होंने सभी प्रतिभागियों को बधाई देते हुए कहा कि इस तरह के आयोजन न केवल हमारी संस्कृति और परंपराओं को जीवित रखते हैं, बल्कि आपसी सामंजस्य और खेल भावना को भी प्रोत्साहित करते हैं।

स्वसहायता समूह की महिलाओं ने लगाया स्वादिष्ट व्यंजनों का स्टॉल- आनंद उत्सव में कार्यक्रम स्थल पर स्वसहायता समूह की दीदियों ने परंपरागत स्वादिष्ट व्यंजनों के स्टॉल लगाए, जो उत्सव का विशेष आकर्षण रहे। इन स्टॉल्स पर स्थानीय व्यंजनों की खुशबू और स्वाद ने उपस्थित लोगों को प्रभावित किया। सभी ने स्व सहायता समूह की दीदियों द्वारा बनाए गए परंपरागत स्वादिष्ट व्यंजनों का स्वाद लिया।

ग्यारसपुर में स्वास्थ्य सेवाओं की समीक्षा बैठक

विदिशा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. रामहित कुमार ने आज ग्यारसपुर विकासखंड में स्वास्थ्य गतिविधियों की विस्तृत समीक्षा की है। आयोजित बैठक में बीईई, बीपीएम, बीसीएम, ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों के सेक्टर सुपरवाइजर, सीएचओ, एएनएम, एमपीडब्ल्यू, आशा सुपरवाइजर एवं आशा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बैठक में सीएमएचओ डॉ रामहित कुमार ने क्षेत्रवार गर्भवती महिलाओं की स्थिति की जानकारी ली। अप्रैल माह से अब तक हुए पंजीयन, हाई-रिस्क गर्भवती महिलाओं की संख्या तथा उनके प्रबंधन की समीक्षा की गई। सभी आशा कार्यकर्ताओं को निर्देशित किया गया कि हाई-रिस्क गर्भवती महिलाओं को डिलीवरी से सात दिन पूर्व बर्थ वेटिंग रूम में भर्ती कराना सुनिश्चित करें। साथ ही, प्रसव पीड़ा शुरू होने पर समय पर 108 एम्बुलेंस कॉल करने के निर्देश दिए गए, ताकि घर या रास्ते में प्रसव की स्थिति से बचा जा सके और मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में कमी लाई जा सके।

परिवार नियोजन कार्यक्रम की भी समीक्षा की गई, जिसमें लक्ष्य दंपत्तियों की जानकारी और उपयोग में लाए जा रहे साधनों पर चर्चा हुई। आशा कार्यकर्ताओं की आशा डायरी का अवलोकन कर कार्य प्रोटोकॉल का पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। निष्क्रिय पाई जाने वाली आशाओं के विरुद्ध सेवा समाप्ति का प्रस्ताव भेजने के निर्देश भी दिए गए।

बैठक के दौरान आशाओं से उनके क्षेत्र की उन गर्भवती महिलाओं से फोन पर संपर्क कर उनके स्वास्थ्य की जानकारी भी ली गई, जिनकी डिलीवरी इसी माह संभावित है। सीएमएचओ ने निर्देशित किया कि सभी प्रसूताओं एवं नवजात शिशुओं का एचबीएनसी एवं एचबीबायसीजांच शत-प्रतिशत सुनिश्चित हो।

एएनएम और सीएचओ को निर्देश दिए गए कि गर्भवती महिलाओं का शीघ्र पंजीयन कर चार अनिवार्य जांच, टीकाकरण तथा यू-विन पोर्टल पर समयबद्ध एंट्री की जाए। मध्यम एनीमिक गर्भवती महिलाओं को आयरन सुक्रोज तथा आवश्यकता अनुसार पीएचसीध्सीएचसी स्तर पर एफसीएम लगवाने के निर्देश दिए गए, जिससे हीमोग्लोबिन स्तर में सुधार हो सके।

दलहन क्षेत्र का राष्ट्रीय सम्मेलन 7 फरवरी को सीहोर के अमलाहा में

सीहोर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रदेश के अमलाहा, जिला सीहोर में 7 फरवरी को दलहन उत्पादन एवं उत्पादकता से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर गहन विचार-विमर्श के लिये एक महत्वपूर्ण राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। सम्मेलन में दलहन क्षेत्र की मूल संवेदनाओं, वर्तमान चुनौतियों तथा भविष्य की संभावनाओं पर विस्तृत चर्चा की जाएगी। कार्यक्रम में देश के प्रमुख दलहन उत्पादक राज्यों के कृषि मंत्री, वरिष्ठ अधिकारीगण, दलहन अनुसंधान से जुड़े वैज्ञानिक, सरकारी बीज उत्पादक संस्थाएँ, दाल उद्योग से संबंधित प्रतिनिधि एवं अन्य सहयोगी एजेंसियाँ भाग लेंगी। किसान कल्याण एवं कृषि विकास मंत्री श्री एदल सिंह कंषाना ने कहा कि दलहन उत्पादन को सुदृढ़ करने, किसानों की आय बढ़ाने तथा उन्नत तकनीकों के माध्यम से उत्पादकता सुधार पर अपने विचार साझा करेंगे। यह सम्मेलन दलहन क्षेत्र में नीति निर्धारण और अनुसंधान में मील का पत्थर साबित होगा। सम्मेलन का उद्देश्य किसानों तक नवीन शोध, गुणवत्तापूर्ण बीज, आधुनिक खेती पद्धतियों तथा बाज़ार से जुड़ी जानकारी पहुँचाना है, जिससे दलहन क्षेत्र में आत्मनिर्भरता को बढ़ावा मिल सके। साथ ही विभिन्न राज्यों के अनुभवों के आदान-प्रदान से राष्ट्रीय स्तर पर दलहन विकास की दिशा में ठोस रणनीति तैयार की जाएगी।

प्राकृतिक खेती करने वाले किसान को कृषि विभाग करे हर संभव मदद - सीईओ श्री रावत

ग्वालियर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। राष्टीय प्राकृतिक खेती मिशन के तहत प्राकतिक खेती को बढावा दिया जा रहा है। बिलौआ में प्राकतिक खेती के लिए किसान श्री प्राणसिंह माथुर के खेत में बी.आर.सी. बायोरिसोर्स सेंटर स्थापित किया है। इस बायोरिसोर्स सेंटर का सीईओ जिला पंचायत श्री सोजान सिंह रावत ने भ्रमण किया। भ्रमण के दौरान उन्होंने बायोरिसोर्स सेंटर को संचालित करने से संबंधित सभी सामग्री एवं मशीने संबंधित कृषक को उपलब्ध कराये जाने के निर्देश दिये है ।

किसान अब प्राकृतिक खेती से जुड रहे है। प्राकृतिक खेती में किसी भी प्रकार के रसायन का प्रयोग नहीं किया जाता है। साथ ही खेतों में गाय एवं भैंस के गोबर से निर्मित प्राकृतिक खाद डाली जाती है। बिलौआ में किसान श्री प्राणसिंह माथुर के यहां बी.आर.सी. बायोरिसोर्स सेंटर का स्थापित की है। इसमें गोबर से गैस एवं खाद बनाई जाएगी। इस बायोरिसोर्स सेंटर का जिला पंचायत सीईओ श्री सोजान सिंह रावत ने भ्रमण किया। भ्रमण के दौरान किसान द्वारा प्राकृतिक खेती के लिए तैयार किये जाने वाले आदान सामग्री जैसे- जीवामृत, बीजामृत, घनजीवामृत, नीमास्त्र, दसपर्णीय अर्क बृहमास्त्र आदि बनाने की प्रक्रिया एवं लगने वाली सामग्री के बारे में विस्तार से चर्चा की । इसके साथ ही किसान श्री प्राणसिंह माथुर के द्वारा उगाये जा रही प्राकृतिक फसलें जैसे गेहू, आलू, उद्यानिकी फसलें एवं मछली पालन का निरीक्षण किया। सीईओ श्री रावत द्वारा प्राकृतिक खेती हेतु आदान सामग्री आसानी से अधिक अधिक से कृषक भाईयों को उपलब्ध हो सकें, साथ ही बायोरिसोर्स सेंटर को संचालित करने से संबंधित सभी सामग्री एवं मशीने संबंधित कृषक को उपलब्ध कराये जाने के निर्देश दिये ।

निरीक्षण के दौरान उपस्थित श्री रणवीर सिंह जाटव, उप संचालक कृषि ग्वालियर के द्वारा कृषक को प्राकृतिक खेती मिशन अंतर्गत दिये जाने वाली सुविधाओं के बारे में अवगत कराया। साथ ही बायोरिसोर्स सेंटर के संचालन हेतु आवश्यक सामग्री उपलब्ध कराने के बारे में भी विस्तार पूर्वक बताया। निरीक्षण के दौरान सहायक संचालक कृषि श्री नरेश मीणा भी उपस्थित रहे ।

ग्राम नागौर में पहुंचा किसान रथ, किसानों को मिली योजनाओं व आधुनिक तकनीक की जानकारी

विदिशा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नटेरन तहसील के ग्राम नागौर में आज शासन की कृषि उन्मुख पहल के तहत किसान रथ पहुंचा, जहां किसानों को कृषि संबंधी नवीन तकनीकों, शासकीय योजनाओं और उन्नत खेती के तौर-तरीकों की जानकारी दी गई। उक्त कार्यक्रम उद्देश्य किसानों को जागरूक कर उनकी आय में वृद्धि और खेती को अधिक लाभकारी बनाना है।

कृषि विभाग के अधिकारियों एवं कृषि विशेषज्ञों ने किसानों को उन्नत बीजों के चयन, संतुलित उर्वरक उपयोग, मृदा परीक्षण, फसल सुरक्षा उपाय, कीट प्रबंधन तथा जल संरक्षण तकनीकों के बारे में विस्तार से बताया। साथ ही, प्राकृतिक खेती, फसल विविधीकरण और कृषि यंत्रीकरण से जुड़े लाभ भी समझाए गए।

किसान रथ के माध्यम से विभिन्न शासकीय योजनाओंकृजैसे फसल बीमा, किसान क्रेडिट कार्ड, अनुदान योजनाएं एवं आधुनिक कृषि उपकरणों पर सब्सिडीकृकी जानकारी भी किसानों तक पहुंचाई गई। उपस्थित किसानों ने विशेषज्ञों से अपनी समस्याओं पर चर्चा कर समाधान प्राप्त किया।

बड़ावदा नगर मे दिखाई गयी गुरु गोविन्द सिंह पर आधारित फ़िल्म

बड़ावदा/प्रवीण व्यास/दैनिक मालवा हेराल्ड। सकल हिन्दू समाज एवं टीम बजरंगी द्वारा हिन्दू समाजजन और बच्चों को गुरु गोविन्द सिँह जी पर आधारित फ़िल्म दिखाई गयी। गुरु गोविन्द सिंह जो ने जो त्याग व बलिदान किया था उसको नई पीढ़ी को याद दिलाने कि अत्यंत आवश्यकता है और इसी लिए युवाओ बच्चों और बुजुर्गो को भी गोविन्द सिंह जी के बलिदान कि जानकारी होना चाहिए ताकि नई और पुरानी पीढ़ी गुरु गोविन्द सिँह जी के त्याग और बलिदान को कभी भूले नहीं और गुरु गोविन्द सिँह जी को हमेशा याद करते रहे।

जिले में ओला प्रभावित ग्रामों में प्रारंभिक सर्वेक्षण हेतु कलेक्टर ने किया दल गठित

ग्वालियर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। ग्वालियर जिले के भितरवार अनुभाग क्षेत्र के ग्रामों में 2 व 3 फरवरी की रात में ओलावृष्टि हुई है। इससे प्रथम दृष्टया फसल हानि होना संभावित है। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने भितरवार अनुभाग की तहसील चीनौर के ग्राम चीनौर, बड़कीसराय, सिकरौदा, खुर्दपार्क, जुझारपुर, भौरी एवं कछौआ में प्रथम दृष्टया फसल हानि के विस्तृत सर्वेक्षण हेतु तहसील चीनौर के अंतर्गत सर्वेक्षण दल गठित करने के आदेश जारी किए हैं।

ओलावृष्टि के कारण फसल हानि के सर्वेक्षण के लिये सर्वेक्षण दल में अनुविभागीय अधिकारी राजस्व भितरवार, वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी भितरवार एवं तहसीलदार चीनौर को रखा गया है। सर्वेक्षण दल को निर्देशित किया गया है कि राजस्व विभाग की ओर से राजस्व निरीक्षक, पटवारी, कृषि विभाग से आरएईओ तथा जनपद पंचायत की ओर से सचिव को सम्मिलित करते हुए सर्वेक्षण दल गठित कर तीन दिवस में फसल हानि से संबंधित प्रतिवेदन भू-अभिलेख शाखा को भेजना सुनिश्चित करें। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान के निर्देश पर सोमवार की देर रात हुई ओलावृष्टि से प्रभावित ग्राम कछौआ और चीनौर एवं जुझारपुर गांव में जिला प्रशासन की टीम द्वारा फसलों को हुए नुकसान के प्रारंभिक आंकलन का कार्य प्रारंभ कर दिया गया है। इसके साथ ही सर्वेक्षण दल द्वारा अन्य प्रभावित क्षेत्रों में भी सर्वेक्षण की कार्रवाई की जा रही है।

असामयिक वर्षा से प्रभावित हुई फसल का अवलोकन

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। उप संचालक कृषि विभाग ने बताया कि बीते दिनों हुई असामयिक वर्षा से पेटलावद विकासखण्ड के विभिन्न ग्रामो मे रबी मौसम की फसले प्रभावित होने की सुचना प्राप्त होते ही कलेक्टर नेहा मीना द्वारा प्रदत्त निर्देश के पालन में जिलास्तर से उप संचालक किसान कल्याण तथा कृषि विकास जिला झाबुआ श्री एन.एस. रावत, सहायक संचालक उद्यानिकी श्री बहादुर सिंह चौहान, सहायक संचालक कृषि एस.एस. रावत, फसल बीमा कंपनी के प्रतिनिधी श्री रूपाल शुक्ला तथा पेटलावद विकासखण्ड के तहसीलदार श्री अनिल बघेल, नायब तहसीलदार श्री विजेन्द्र कटारे इत्यादि के द्वारा संयुक्त रूप से प्रभावित फसल का अवलोकन किया गया।

उप संचालक कृषि विभाग ने बताया कि विकासखण्ड पेटलावद के ग्राम बोलासा का भ्रमण कर कृषक श्री देवीलाल पिता कालुराम, हेमराज पिता कालुराम, मनोहरलाल पिता किशनलाल, रामेश्वर पिता नाथू कलजी पिता कलिया, लालजी पिता गलिया, मोतीलाल पिता किशन, गेन्दालाल पिता प्रेमचंद, जगदीश पिता भीमाजी, आशाराम पिता भीमाजी, महेश पिता भीमाजी, लक्ष्मण पिता भीमाजी, रामजी पिता भीमाजी ग्राम कानाकुआ के कृषक श्री नरेन्द्रदास बैरागी, मांगीलाल पिता मोतीलाल व ग्राम गरवाखेडी के कृषक श्री भंवरलाल पिता पुंजाजी पटेल तथा बनी के कृषक श्री राधेश्याम पिता डुंगाजी के खेतों में गेहू की खडी फसल जो तेज हवा व ओलावृष्टि से कही कही, पेचेस में प्रभावित देखी गई।

उप संचालक कृषि विभाग ने बताया कि फसल अवलोकन के दौरान मौके पर उपस्थित कृषकगणों को बताया गया है कि गठित सर्वे दल द्वारा प्रभावित फसलो का निरंतर सर्वे कार्य प्रचलित है। प्रभावित फसलो का सर्वे कार्य पुर्ण होने के उपरांत ही प्रभावित फसल क्षति के आंकलन के आधार पर आगामी कार्यवाही संभावित है। इस दौरान पटवारी श्री मनोहर डावर, प्रभारी वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी श्री एम.एस.मुवेल एवं मैदानी कृषि विस्तार अधिकारी श्री तारसिंह मुणिया, अमरसिंह हटीला, बलवन्त मावी, छगन भाबर, प्रकाश देवल भी उपस्थित रहे।

जनगणना-2027 के सफल संचालन हेतु जिला जनगणना समन्वय समिति का गठन

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भारत सरकार द्वारा वर्ष 2027 में आयोजित की जाने वाली भारत की प्रथम डिजिटल जनगणना के सफल क्रियान्वयन हेतु सचिव, गृह (सामान्य) विभाग, भोपाल एवं भारत सरकार गृह मंत्रालय, जनगणना कार्य निदेशालय, भोपाल के निर्देशानुसार जिला स्तर पर जनगणना संबंधी गतिविधियों के सुचारू संचालन, समन्वय एवं सतत पर्यवेक्षण के उद्देश्य से कलेक्टर नेहा मीना द्वारा जिला जनगणना समन्वय समिति का गठन किया गया है।

गठित समिति में प्रमुख जनगणना अधिकारी एवं कलेक्टर झाबुआ को अध्यक्ष, जिला जनगणना अधिकारी, झाबुआ को संयोजक तथा अतिरिक्त जिला जनगणना अधिकारी एवं जिला योजना/सांख्यिकी अधिकारी झाबुआ, जिला सूचना विज्ञान अधिकारी झाबुआ, जिला शिक्षा अधिकारी झाबुआ, परियोजना अधिकारी जिला शहरी विकास अभिकरण झाबुआ एवं जिला जनसंपर्क अधिकारी झाबुआ को सदस्य नियुक्त किया गया है।

यह समिति जनगणना-2027 के सफल संचालन एवं प्रभावी पर्यवेक्षण हेतु पूर्णतः उत्तरदायी होगी। समिति शासन से प्राप्त निर्देशों के अनुरूप, कलेक्टर एवं प्रमुख जिला जनगणना अधिकारी तथा वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए जनगणना कार्य को निर्धारित समय-सीमा में संपादित कराना सुनिश्चित करेगी। जनगणना-2027 के अंतर्गत डिजिटल माध्यम से आंकड़ों के संकलन को प्रभावी, पारदर्शी एवं त्रुटिरहित बनाए जाने हेतु जिला प्रशासन द्वारा समन्वित प्रयास किए जाएंगे।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी द्वारा विभिन्न स्वास्थ्य केन्द्रों का निरीक्षण

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. बी.एस. बघेल द्वारा आज जिले के आयुष्मान आरोग्य मंदिर गढ़वाड़ा, कल्याणपुरा, उप स्वास्थ्य केन्द्र उमरी, उप स्वास्थ्य केन्द्र रोटला एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र रामा (ब्लॉक रामा) का निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान समस्त राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों की विस्तृत समीक्षा की गई। इसमें गर्भवती महिलाओं की जांच, एचबीएनसी विजिट, टीबी नियंत्रण कार्यक्रम, सिकल सेल कार्यक्रम, आयुष्मान भारत कार्ड, टीकाकरण तथा गैर-संचारी रोगों से संबंधित अभिलेखों का अवलोकन किया गया एवं संबंधित स्टाफ को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र रामा में निरीक्षण के दौरान डॉक्टरों को ओपीडी समय पर संचालित करने तथा मरीजों को दवाइयों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। निरीक्षण में आशा कार्यकर्ता के अनुपस्थित पाए जाने पर कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गए। साथ ही जिन आशा कार्यकर्ताओं की आशा डायरी अपूर्ण पाई गई, उनके नियमित प्रोत्साहन राशि (रूटीन इंसेंटिव) काटने के निर्देश दिए गए। इसके अतिरिक्त सीएचओ एवं एएनएम का कार्य संतोषजनक नहीं पाए जाने पर संबंधितों का दो दिवस का वेतन काटने के निर्देश भी दिए गए। निरीक्षण के दौरान जिला टीकाकरण अधिकारी एवं जिला क्षय (टीबी) अधिकारी भी उपस्थित रहे।

कलेक्टर के निर्देशन में तड़वी सम्मेलन का आयोजन तड़वी सम्मेलन में गौ संरक्षण एवं अवैध गतिविधियों पर निगरानी पर जोर

समस्त विकासखण्डों में होगा आयोजन, मेघनगर से हुई शुरुआत

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर नेहा मीना के निर्देशन में तड़वी प्रतिनिधियों की भूमिका को सशक्त, सक्रिय एवं उत्तरदायी बनाने के उद्देश्य से समस्त विकासखण्डों में तड़वी सम्मेलन आयोजित किए जा रहे हैं। कलेक्टर नेहा मीना ने कहा कि तड़वी प्रतिनिधि ग्राम स्तर पर प्रशासन की सबसे महत्वपूर्ण कड़ी होते हैं। उनके माध्यम से ही समय पर सूचनाएं प्राप्त होती हैं, जिससे किसी भी अप्रिय घटना को प्रारंभिक स्तर पर ही रोका जा सकता है। तड़वी सम्मेलन आयोजित करने का उद्देश्य तड़वी प्रतिनिधियों को उनके अधिकारों, कर्तव्यों एवं जिम्मेदारियों के प्रति जागरूक करना, प्रशासन एवं ग्राम स्तर के बीच समन्वय को मजबूत करना तथा कानून-व्यवस्था, जन-सुरक्षा एवं शासन की योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को सुनिश्चित करना है।

इसी क्रम में 4 फरवरी 2026 को विकासखण्ड मेघनगर में अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) अवंधती प्रधान की अध्यक्षता में तड़वी सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन के दौरान तड़वी प्रतिनिधियों को मध्यप्रदेश भू-राजस्व संहिता सहित विभिन्न प्रासंगिक अधिनियमों एवं प्रावधानों के अंतर्गत उनके कर्तव्यों एवं दायित्वों के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। उन्हें अवगत कराया गया कि तड़वी ग्राम स्तर पर शासन की आँख और कान के रूप में कार्य करते हैं, इसलिए उनकी भूमिका प्रशासन एवं समाज दोनों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।

तड़वी प्रतिनिधियों से कहा गया कि ग्राम क्षेत्र में गोकशी अथवा पशुओं से संबंधित किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधि की जानकारी तुरंत प्रशासन को दें। साथ ही अपने-अपने ग्राम में घटित होने वाली किसी भी छोटी से छोटी घटना, विवाद, अप्रिय स्थिति अथवा कानून-व्यवस्था से संबंधित प्रकरण की सूचना तत्काल एवं बिना विलंब प्रशासन को देना सुनिश्चित करें। पशु चिकित्सा विभाग द्वारा पशुओं के स्वास्थ्य, टीकाकरण एवं दुग्ध उत्पादन बढ़ाने के उपायों पर मार्गदर्शन दिया गया। वहीं कृषि विभाग द्वारा उन्नत कृषि तकनीकों, फसल सुरक्षा एवं कृषि उत्पादन में वृद्धि से संबंधित जानकारी प्रदान की गई।

तड़वी प्रतिनिधियों को ग्राम क्षेत्र के अंतर्गत वन क्षेत्रों की सुरक्षा, अवैध कटाई की रोकथाम एवं वन संपदा के संरक्षण हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। इसके अतिरिक्त ग्राम स्तर पर शांति एवं सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने, अपराधों की रोकथाम करने तथा कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने में प्रशासन को पूर्ण सहयोग प्रदान करने हेतु प्रेरित किया गया। साथ ही शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी ग्रामीणों तक पहुँचाकर उन्हें योजनाओं का अधिकतम लाभ दिलाने में सक्रिय भूमिका निभाने के निर्देश भी दिए गए।

सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य ग्राम स्तर पर प्रशासनिक तंत्र को और अधिक सशक्त बनाना, जन-सुरक्षा सुनिश्चित करना तथा तड़वी प्रतिनिधियों की भूमिका को प्रभावी, उत्तरदायी एवं संवेदनशील बनाना रहा। सम्मेलन में तहसीलदार श्री पलकेश परमार, पशु चिकित्सा विभाग से डॉ. अमरसिंह दिवाकर एवं श्री सरेश गौड़, कृषि विभाग के कृषि अधिकारी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

संपूर्णता अभियान 2.0 अंतर्गत सिरवेल में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

खरगोन/ अंजु त्रिवेदी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नीति आयोग द्वारा संचालित सम्पूर्णता अभियान 2.0 के अंतर्गत कलेक्टर सुश्री भव्या मित्तल के निर्देशानुसार आकांक्षी विकासखंड भगवानपुरा के प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र सिरवेल में स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में टीबी, एनीमिया एवं मातृ स्वास्थ्य से संबंधित जांच की गई। साथ ही गर्भवती महिलाओं का एएनसी पंजीयन एवं परामर्श, प्रारंभिक लक्षणों के आधार पर आयरन एवं पोषण परामर्श प्रदान किया गया। शिविर में कुल 56 मरीजों की स्वास्थ्य जांच की गई। जिसमें 39 एएनसी (गर्भवती) महिलाएं, 13 बाल रोग (पीडियाट्रिक) मरीज, 4 मरीज मधुमेह एवं उच्च रक्तचाप फॉलो-अप के शामिल रहे।

विकासखंड चिकित्सा अधिकारी डॉ सुनील वर्मा ने बताया कि संपूर्णता अभियान 2.0 के अंतर्गत आयोजित ऐसे स्वास्थ्य शिविरों का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य को सुदृढ़ करना, टीबी व एनीमिया जैसी बीमारियों की समय पर पहचान करना तथा लोगों को निवारक स्वास्थ्य सेवाओं से जोड़ना है। नियमित जांच एवं परामर्श से गंभीर बीमारियों को प्रारंभिक अवस्था में ही रोका जा सकता है।

यह शिविर मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सुदृढ़ीकरण, रोगों की प्रारंभिक पहचान एवं उपचार सुनिश्चित करने की दिशा में संपूर्णता अभियान 2.0 के लक्ष्यों के अनुरूप एक महत्वपूर्ण पहल रही। स्वास्थ्य शिविर के दौरान विकासखंड चिकित्सा अधिकारी के मार्गदर्शन में एएनएम, आशा कार्यकर्ता, सीएचओ एवं फार्मासिस्ट की सक्रिय उपस्थिति रही।

संकल्प से समाधान अभियान के अंतर्गत सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाओं के आवेदनों की प्रगति की समीक्षा

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर नेहा मीना के निर्देशन में जिले में संकल्प से समाधान अभियान संचालित किया जा रहा है। अभियान के अंतर्गत सामाजिक न्याय विभाग की विभिन्न सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाओं में पात्र हितग्राहियों से आवेदन प्राप्त किए जा रहे हैं।

अभियान की प्रगति की समीक्षा एवं कार्यों का अवलोकन करने हेतु उप संचालक सामाजिक न्याय विभाग श्री पंकज सांवले द्वारा जनपद पंचायत पेटलावद अंतर्गत बोलासा क्लस्टर की ग्राम पंचायत बनी, कचराखदान, पीठड़ी एवं बोलासा का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान सामाजिक न्याय विभाग की सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाओं के अंतर्गत कुल 32 आवेदन प्राप्त किए गए।

निरीक्षण के दौरान उप संचालक द्वारा पेंशन हितग्राहियों के डिजिटल प्रमाण पत्र तैयार करने हेतु निर्देशित किया गया। साथ ही संबंधित ग्राम पंचायतों को निर्देश दिए गए कि प्राप्त आवेदनों की सूक्ष्मता से जांच करते हुए उन्हें समयबद्ध रूप से पेंशन पोर्टल पर दर्ज करना सुनिश्चित करें।

सामाजिक न्याय विभाग की हितग्राहीमूलक योजनाओं के सर्वे में प्राप्त आवेदनों में कमी-पूर्ति एवं शत-प्रतिशत आवेदन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से सामाजिक सुरक्षा अधिकारी श्रीमती कनका बामनिया को ग्राम पंचायतों से विशेष रूप से संपर्क कर प्रकरणों के शीघ्र निराकरण हेतु निर्देशित किया गया।

निरीक्षण एवं समीक्षा के दौरान संबंधित ग्राम पंचायतों के सचिव, रोजगार सहायक, सरपंच तथा ग्रामीण हितग्राही उपस्थित रहे।

आईजी, कलेक्टर, डीआईजी और एसपी ने कुबेरेश्वर धाम पहुंचकर कथा की तैयारियों का किया निरीक्षण

सीहोर/दैनिक मालवा हेराल्ड। कुबेरेश्वर धाम आयोजित होने वाले रूद्राक्ष महोत्सव एवं शिवमहापुराण कथा के दृष्टिगत पुलिस महानिरीक्षक श्री संजय तिवारी, कलेक्टर श्री बालागुरू के., उप पुलिस महानिरीक्षक श्री ओम प्रकाश त्रिपाठी और पुलिस अधीक्षक श्री दीपक कुमार शुक्ला ने आयोजन स्थल का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कथा स्थल की सभी व्यवस्थाओं को देखा और प?ंडित प्रदीप मिश्रा, संबंधित विभागीय अधिकारियों एवं आयोजन समिति के सदस्यों के साथ बैठक कर आयोजन के संबंध में चर्चा की और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने ने कहा कि कथा में लाखों श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना को ध्यान में रखते हुए आयोजन से पूर्व सभी व्यवस्थाएं समयसीमा में पूर्ण की जाएं, ताकि आयोजन के दौरान किसी भी प्रकार की अव्यवस्था, असुविधा अथवा सुरक्षा संबंधी समस्या उत्पन्न न हो। उन्होंने निर्देश दिए कि जिन अधिकारियों एवं कर्मचारियों को अलग-अलग व्यवस्थाओं की जिम्मेदारी सौंपी गई है, वे अपने दायित्वों को पूरी गंभीरता के साथ समझें और मौके पर उपस्थित रहकर कार्य करें। उन्होंने कहा कि समिति के सभी सदस्य अपने-अपने कार्यक्षेत्र की जिम्मेदारियों को भली-भांति समझें तथा प्रशासन के साथ समन्वय बनाकर कार्य करें।

यातायात एवं पार्किंग व्यवस्था के निरीक्षण के दौरान उन्होंने निर्देश दिए कि कथा के दौरान किसी भी स्थिति में जाम की समस्या उत्पन्न न हो। इसके लिए पार्किंग स्थलों का स्पष्ट चिन्हांकन किया जाए तथा श्रद्धालुओं के वाहनों के लिए अलग-अलग पार्किंग जोन निर्धारित किए जाएं। ऑटो स्टैंड की समुचित व्यवस्था, स्टैंड तक पहुंचने के लिए उचित ढलान (स्लोप) निर्माण तथा वाहनों की आवाजाही के लिए सुव्यवस्थित मार्ग बनाए जाएं। उन्होंने कहा कि हाईवे एवं मुख्य मार्गों पर यातायात को सुचारू बनाए रखने के लिए डायवर्जन प्लान प्रभावी रूप से लागू किया जाए।

फार्मर आईडी और प्राकृतिक खेती पर दिया जाए विशेष ध्यान- कलेक्टर

बडवानी/दैनिक मालवा हेराल्ड। शासन द्वारा किसानों को समय पर एवं पारदर्शितापूर्वक उर्वरक उपलब्ध हो इस हेतु नवीन उर्वरक वितरण प्रणाली अंतर्गत ई-विकास प्रणाली (ई-टोकन) लागू की गयी है। आगामी खरीफ सीजन में कृषकों को ई-विकास पोर्टल के माध्यम से ई-टोकन द्वारा उर्वरक वितरण किया जाना, जिसके अनुरूप कृषकों की फ़ॉर्मर आईडी अनिवार्य रूप से बनाई जाए । ताकि किसी भी कृषक को खाद प्राप्त करने में असुविधा न हो। उक्त निर्देश कलेक्टर श्रीमती जयति सिंह बुधवार कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में कृषि विभाग की महत्वपूर्ण योजनाओं एवं कार्यो की विस्तृत समीक्षा बैठक के दौरान दिए। बैठक में जिले के शत-प्रतिशत किसानों की फार्मर आईडी बनाने के कार्य में गति लाने के निर्देश दिए, साथ ही स्पष्ट किया कि आगामी बैठक में लक्ष्य अनुरूप कार्य न करने पर संबंधित अधिकारी/कर्मचारी की जवाबदेहिता तय कर नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी। प्राकृतिक कृषि को जन-आंदोलन बनाने पर जोर दिया। उन्होंने कृषि अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे किसानों को रसायनों का उपयोग कम करने और जैविक खाद अपनाने हेतु प्रेरित करें। आत्मा योजना के अंतर्गत ब्लॉक लेवल पर पदस्थ बीटीएम साथ समन्वय कर नियमित रूप से फील्ड पर जाय एवं कार्य योजना को धरातल पर उतारने के निर्देश दिए।पीएम कृषक सूर्य मित्र योजना के अंतर्गत किसानों को ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने के लिए इस योजना के तहत व्यापक प्रचार-प्रसार एव नियमित निगरानी के निर्देश दिए गए। सोलर पंप के माध्यम से किसान न केवल सिंचाई की लागत कम कर सकेंगे, बल्कि ऊर्जा संरक्षण में भी योगदान देंगे। बैठक में संयुक्त कलेक्टर श्री रवि वर्मा उप संचालक किसान कल्याण एवं कृषि विभाग श्री केसी वास्कले, एसएलआर श्रीमती शीतल सोलंकी सहित कृषि विभाग का समस्त मैदानी अमला उपस्थित रहा।

जिले में गेहूं उपार्जन हेतु किसान पंजीयन के लिए 35 अतिरिक्त पंजीयन केंद्रों की की गई व्यवस्था

बडवानी/दैनिक मालवा हेराल्ड। रबी उपार्जन वर्ष 2026-27 के अंतर्गत समर्थन मूल्य पर गेहूं उपार्जन के लिए किसान पंजीयन की प्रक्रिया 07 फरवरी 2026 से 07 मार्च 2026 तक संचालित की जाएगी। जिले मे समर्थन मूल्य पर गेहूं उपार्जन हेतु किसान पंजीयन प्रक्रिया जिले में पूर्व में कुल 21 पंजीयन केंद्र निर्धारित किए गए थे। कृषि विभाग से प्राप्त जानकारी अनुसार वर्तमान में जिले में 96285 हेक्टेयर रकबे पर गेहूँ बोया गया है।। बोए गए रकबे एवं किसानों की सुविधा को दृष्टिगत रखते हुए जिला प्रशासन द्वारा जिले में पूर्व में निर्धारित 21 केंद्रों के अलावा 35 अतिरिक्त कुल 56 पंजीयन केंद्र बनाए गए हैं। जिनमें 54 केंद्र सहकारी संस्था एवं 2 केंद्र विपणन संघ के सम्मिलित हैं। उपार्जन हेतु पंजीयन व्यवस्था पंजीयन की निःशुल्क व्यवस्था निर्धारित 56 केन्द्रों के साथ ग्राम पंचायत कार्यालय में स्थापित सुविधा केन्द्र, जनपद पंचायत कार्यालय में स्थापित सुविधा केन्द्र, तहसील कार्यालयो में स्थापित सुविधा केन्द्र में रहेगी । पंजीयन की सःशुल्क व्यवस्था एमपीआनलाईन कियोस्क, सीएससी कियोस्क, लोक सेवा केन्द्र और निजी व्यक्तियो द्वारा संचालित साइबर कैफे पर पंजीयन अधिकतम शुल्क 50 रूपये उपलब्ध रहेगी । किसान पंजीयन हेतु 35 अतिरिक्त पंजीयन केन्द्र आदिम जाति सेवा सहकारी संस्था बरूफाटक, आदिम जाति सेवा सहकारी संस्था मण्डवाड़ा, आदिम जाति सेवा सहकारी संस्था जागवाड़ा, आदिम जाति सेवा सहकारी संस्था वझर, आदिम जाति सेवा सहकारी संस्था गवाड़ी, आदिम जाति सेवा सहकारी संस्था चाटली, आदिम जाति सेवा सहकारी संस्था गंधावल, आदिम जाति सेवा सहकारी संस्था बोकराटा, आदिम जाति सेवा सहकारी संस्था लिम्बी, आदिम जाति सेवा सहकारी संस्था मोयदा, आदिम जाति सेवा सहकारी संस्था दोंदवाड़ा, आदिम जाति सेवा सहकारी संस्था राखी बुजुर्ग (भातकी) आदिम जाति सेवा सहकारी संस्था सोन्दूल (नवीन), आदिम जाति सेवा सहकारी संस्था भवती (नवीन)अ आदिम जाति सेवा सहकारी संस्था मेणीमाता, आदिम जाति सेवा सहकारी संस्था चिखल्या, आदिम जाति सेवा सहकारी संस्था उपला, आदिम जाति सेवा सहकारी संस्था सनगांव (नवीन), आदिम जाति सेवा सहकारी संस्था दानोद(नवीन), आदिम जाति सेवा सहकारी संस्था भागसुर, आदिम जाति सेवा सहकारी संस्था ठान, आदिम जाति सेवा सहकारी संस्था नागलवाड़ी, आदिम जाति सेवा सहकारी संस्था अगलगांव, आदिम जाति सेवा सहकारी संस्था जुलवानिया, आदिम जाति सेवा सहकारी संस्था वरला, आदिम जाति सेवा सहकारी संस्था मालवन (नवीन), आदिम जाति सेवा सहकारी संस्था दुगानी, आदिम जाति सेवा सहकारी संस्था धवली, आदिम जाति सेवा सहकारी संस्था सेंधवा (नवीन), आदिम जाति सेवा सहकारी संस्था मेहदगांव, आदिम जाति सेवा सहकारी संस्था झिरीजामली (नवीन), आदिम जाति सेवा सहकारी संस्था बाबदड़, आदिम जाति सेवा सहकारी संस्था जामली, आदिम जाति सेवा सहकारी संस्था चाचरियापाटी, आदिम जाति सेवा सहकारी संस्था खुरमाबाद में पंजीयन की व्यवस्था की गई । अन्य आवश्यक बिन्दु 1. किसान पंजीयन के लिए भूमि संबंधित दस्तावेज एवं किसान के आधार एवं अन्य फोटो पहचान पत्रों का समुचित परीक्षण कर उनका रिकॉर्ड रखा जाना है। 2. सिकमी/बटाईदार कोटवार एवं वन पट्टाधारी किसान के पंजीयन की सुविधा केवल जिले में स्थापित उक्तानुसार आदिम जाति सेवा सहकारी संस्था द्वारा संचालित 56 पंजीयन केंद्रों पर उपलब्ध होगी उक्त श्रेणी के पंजीयन का शत प्रतिशत सत्यापन राजस्व विभाग द्वारा किया जावेगा । 3 .किसान द्वारा समर्थन मूल्य पर विक्रय उपज का भुगतान प्राथमिकता के आधार पर किसान के आधार लिंक बैंक खाते में किया जाएगा। किसान के आधार लिंक बैंक खाते में भुगतान करने में किसी कारण से समस्या उत्पन्न होने पर किसान द्वारा पंजीयन में उपलब्ध कराये गए बैंक खाते में भुगतान किया जा सकेगा। 4.किसान पंजीयन के समय किसान को बैंक खाता नंबर और आईएफएससी कोड की जानकारी उपलब्ध करानी होगी। जनधन, अक्रियाशील, संयुक्त बैंक खाते एवं फिनो, एयरटेल, पेटीएम, बैंक खाते पंजीयन में मान्य नहीं होंगे। 5.पंजीयन व्यवस्था में बेहतर सेवा प्राप्त करने के लिए किसान अपने आधार नंबर से बैंक खाता और मोबाईल नंबर को लिंक कराकर उसे अपडेट रखे। 6 पंजीयन में फसल की किस्म, विक्रय योग्य मात्रा एवं कटाई उपरांत फसल के भण्डारण स्थल की जानकारी दर्ज होगी ।

विश्व कैंसर दिवस पर जिला चिकित्सालय बड़वानी में जागरूकता एवं स्क्रीनिंग कार्यक्रम आयोजित किया गया

बडवानी/दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. सुरेखा जमरे एव सिविल सर्जन डॉ मनोज खन्ना के मार्गदर्शन तथा डॉ. अमित वर्मा जिला नोडल अधिकारी एवं किरतसिंह कवचे प्रभारी एपिडेमोलॉजिस्ट, मधुबन स्कुल ऑफ नर्सिंग के दिशा निर्देशक अध्यक्ष श्री अवधेश दवे, निर्देशक श्री अशोक तिवारी के नेतृत्व में 4 फरवरी 2026 को विश्व कैंसर दिवस के अवसर पर जिला चिकित्सालय बड़वानी में व्यापक जागरूकता एवं कैंसर स्क्रीनिंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत आमजन हेतु कैंसर स्क्रीनिंग, नुक्कड़ नाटक आयोजित कर प्रारंभिक पहचान के महत्व पर विशेष जोर दिया गया। कैंसर मरीजों एवं उनके परिजनों से संवाद करते हुए रोग के कारणों, लक्षणों, समय पर जांच एवं उपचार की आवश्यकता के बारे में विस्तार से जानकारी प्रदान की गई। शिविर में विशेष रूप से सर्वाइकल कैंसर, स्तन कैंसर एवं मुख कैंसर की जांच की गई। 55 मरीजों की स्क्रीनिंग कर उन्हें आवश्यक परामर्श एवं आगे की जांच हेतु मार्गदर्शन दिया गया। साथ ही नागरिकों को कैंसर से बचाव के उपाय, तंबाकू से दूरी, संतुलित आहार एवं स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में निर्देशक श्रीमती सीमा वर्मा एवं समस्त नर्सिंग स्टाफ डॉ दर्शन चौकर, सुश्री साक्षी वर्मा, श्री संदीप राठौड़, श्री विकास केवट, सुश्री आशा लछेटा, सुश्री कविता ठाकुर सहित अस्पताल स्टाफ उपस्थित रहा। सिविल सर्जन डॉ. मनोज खन्ना ने जानकारी देते हुए बताया कि जिला चिकित्सालय बड़वानी में कैंसर की जांच, ऑपरेशन तथा कीमोथेरेपी उपचार निशुल्क उपलब्ध है।

मालिक, प्रकाशक, मुद्रक विजय शर्मा द्वारा 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से प्रकाशित एवं भगवती ऑफसेट 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक - विजय शर्मा, मो.नं. 94250-22499, फोन 0734-2553435 प्रधान संपादक : शुभम ताम्रकार (सभी वाद विवाद का न्याय क्षेत्र उज्जैन रहेगा)

आज से बजेगी शहनाई- फरवरी में सबसे ज्यादा 12 विवाह मुहूर्त, पूरे साल में 59 शुभ तिथियां

शुक्र तारे के उदय के साथ खत्म हुआ इंतजार, शहर के मैरिज गार्डन-होटल फुल-सीजन में 2 हजार से ज्यादा शादियों का अनुमान

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। विवाह की तैयारियों में जुटे परिवारों के लिए खुशखबरी है। आज 5 फरवरी से एक बार फिर बैंड-बाजा, बारात और शहनाई की गूंज शहर में सुनाई देने लगेगी।

शुक्र तारे के उदय और चार दिन बाद उसके युवा अवस्था में प्रवेश के साथ ही विवाह के शुभ मुहूर्त शुरू हो गए हैं। ज्योतिष आचार्यों के अनुसार शुक्र के शैशवकाल में विवाह वर्जित माना जाता है, इसी कारण जनवरी माह में पूरे महीने शादी-ब्याह नहीं हुए।

ज्योतिषाचार्यों के मुताबिक 12 दिसंबर 2025 की रात 2.10 बजे शुक्र तारा अस्त हुआ था, जिसके चलते जनवरी में विवाह पर पूरी तरह रोक रही। अब शुक्र के उदय के साथ पहला विवाह मुहूर्त 5 फरवरी को आया है। इसके साथ ही मांगलिक आयोजनों का सिलसिला तेज हो गया है। शहर के अधिकांश मैरिज गार्डन, होटल और मांगलिक परिसर पहले से ही बुक हो चुके हैं। अनुमान है कि इस विवाह सीजन में करीब 2 हजार से अधिक जोड़े परिणय सूत्र में बंधेंगे। इस वर्ष का आखिरी विवाह मुहूर्त 6 दिसंबर को रहेगा। पूरे साल में कुल 59 शुभ विवाह मुहूर्त हैं, जिनमें सबसे अधिक 12 मुहूर्त फरवरी माह में पड़ रहे हैं।

ज्योतिषीय मान्यताओं के अनुसार विवाह योग- ज्योतिष आचार्यों का कहना है कि गुरु को जीवन में स्थिरता और विवेक का कारक माना गया है, जबकि शुक्र प्रेम, दांपत्य और भौतिक सुखों का प्रतिनिधि ग्रह है। विवाह के लिए गुरु और शुक्र दोनों का उदित अवस्था में होना आवश्यक होता है। विवाह की तिथि केवल दिन देखकर तय नहीं की जाती, बल्कि वार, नक्षत्र, योग, लग्न और वर-वधू की कुंडली का भी विशेष ध्यान रखा जाता है।

इन अवधियों में विवाह वर्जित- ज्योतिष के अनुसार कुछ विशेष तिथियों और महीनों में विवाह नहीं किए जाते।

24 फरवरी से 3 मार्च तक होलाष्टक रहेगा, जिसमें विवाह वर्जित है। इसके बाद 14 मार्च से 13 अप्रैल तक खरमास रहेगा। इस दौरान सूर्य मीन राशि में गोचर करेंगे, जिससे गुरु का प्रभाव क्षीण होता है और मांगलिक कार्य नहीं किए जाते।

इसके अलावा 17 मई से 15 जून तक पुरुषोत्तम मास (अधिकमास) रहेगा, जिसमें भी विवाह निषिद्ध माना गया है।

इस साल इन अवधियों में नहीं होंगे विवाह

24 फरवरी से 3 मार्च- होलाष्टक
14 मार्च से 13 अप्रैल- खरमास (सूर्य मीन राशि में)
17 मई से 15 जून- पुरुषोत्तम मास (अधिकमास)

2026 में विवाह के शुभ मुहूर्त की तारीखें

फरवरी- 5, 6, 8, 10, 12, 14, 19, 20, 21, 24, 25, 26
मार्च- 1, 3, 4, 7, 8, 9, 11, 12
अप्रैल- 15, 20, 21, 25, 26, 27, 28, 29
मई- 1, 3, 5, 6, 7, 8, 13, 14
जून- 21, 22, 23, 24, 25, 26, 27, 29
जुलाई- 1, 6, 7, 11
नवंबर- 21, 24, 25, 26
दिसंबर- 2, 3, 4, 5, 6, 11, 12

जिले में स्रोत स्थायित्व, जल संरक्षण के साथ भूजल उपयोग के प्रभावी कार्यान्वयन और क्षमता निर्माण का 3 दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। भारत सरकार, जलशक्ति मंत्रालय, जल संसाधन विभाग, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग, केंद्रीय भूमिजल बोर्ड, उत्तर मध्य क्षेत्र, भोपाल द्वारा भूजल प्रबंधन एवं विकास पर द्वितीय श्रेणी प्रशिक्षण कार्यक्रम जिला स्तर पर संबंधित विभागों के साथ स्रोत स्थायित्व और जल संरक्षण के साथ भूजल उपयोग के प्रभावी कार्यान्वयन और क्षमता निर्माण के उद्देश्य से 04 फरवरी से 06 फरवरी तक (03 दिवसीय) जिला पंचायत उज्जैन के सभागृह में आयोजित किया जा रहा है।

प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ 04 फरवरी को क्षेत्रीय निदेशक, केन्द्रीय भूमिजल बोर्ड, उत्तर मध्य क्षेत्र भोपाल श्री ए.के. बिस्वाल, वरिष्ठ वैज्ञानिक, केन्द्रीय भूमिजल बोर्ड भोपाल डॉ. राकेश सिंह एवं जिला पंचायत सीईओ श्री श्रेयांस कूमट की उपस्थिति में किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में वन विभाग, नगर पालिक निगम, उज्जैन, म.प्र. पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम, उज्जैन विकास प्राधिकरण, प्रधानमंत्री ग्रामीण सडक, जल जीवन मिशन, जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र, जल संसाधन विभाग, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा सम्भाग, लोक निर्माण विभाग, किसान कल्याण तथा कृषि विभाग, उद्यानिकी विभाग, भू-अभिलेख विभाग, जिला शहरी विकास अभिकरण, नेहरू युवा केन्द्र, परियोजना अधिकारी, मनरेगा, जिला पंचायत उज्जैन, सहायक यंत्री/उपयंत्री, जनपद पंचायत बडनगर/ घटिया/खाचरौद/महिदपुर/ तराना/उज्जैन, परियोजना संचालक नमामि क्षिप्रे परियोजना, (सहायक यंत्री) जल संसाधन विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। प्रशिक्षण में केन्द्रीय भूजल बोर्ड के वैज्ञानिकों द्वारा भूजल संधारण के संबंध में विभिन्न प्रस्तुतिकरण के माध्यम से उपस्थित प्रतिभागियों को सरल एवं सहज तरीके से जानकारी उपलब्ध करायी गई।

आयुष्मान भारत निरामयम योजना...

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शासन द्वारा 70 वर्ष या इससे अधिक उम्र के नागरिकों को भी प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना योजना में शामिल किया गया है, जिससे उनको भी आयुष्मान भारत योजना का लाभ दिया जा सके। जिले में निरन्तर वरिष्ठ नागरिकों के भी आयुष्मान कार्ड बनाये जा रहे है। 70 वर्ष या इससे अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों को निजी स्वास्थ्य बीमा योजनाओं या कर्मचारी राज्य बीमा योजना अंतर्गत आते है वे भी आयुष्मान भारत योजना के तहत लाभ प्राप्त करने के लिए पात्र होंगे।

योजना के लिए पात्रता का निर्धारण आधार कार्ड में दर्ज आयु के आधार पर किया जाएगा तथा पात्र वरिष्ठ नागरिकों को एक नया विशिष्ट कार्ड जारी किया जाएगा तथा पंजीकरण के लिए आधार कार्ड एवं समग्र आई.डी. फैमिली आई.डी. की आवश्यकता होगी। पात्र वरिष्ठ नागरिकों को एक नया विशिष्ट कार्ड जारी किया जाएगा। आयुष्मान कार्ड बनवाने के लिए नजदीकी स्वास्थ्य संस्थाओं में संपर्क करें।

जिला मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि जिले की समस्त स्वास्थ्य संस्थाओं में प्रतिदिन आयुष्मान कार्ड निःशुल्क बनाए जाते हैं। समस्त पात्र नागरिक व 70 या इससे अधिक आयु वर्ग के नागरिकों से अपील है कि अपने आधार कार्ड एवं समग्र आई.डी. को लेकर आयुष्मान कार्ड बनवाने के लिए नजदीकी स्वास्थ्य संस्थाओं में संपर्क कर अपना आयुष्मान कार्ड बनवाएं। आयुष्मान भारत निरामयम योजना के अन्तर्गत पात्र परिवारों को रुपए 5 लाख प्रति परिवार प्रतिवर्ष स्वास्थ्य सुरक्षा कवच प्रदाय किया जाता है। पात्र परिवार का चिन्हांकन, सामाजिक, आर्थिक एवं जातीय जनगणना वर्ष 2011 आधारित है। इस योजना का लाभ लेते हुए सभी बीमारियों का निःशुल्क उपचार करवाया जाता है। एक साल में पात्र परिवारों के सदस्यों को शासकीय अस्पतालों, शासकीय मेडिकल कॉलेजों और चिन्हित निजी अस्पतालों में रुपए 5.00 लाख तक की कैशलेस उपचार की सुविधा मिलती है। योजना में अलग-अलग रोग बीमारियों के इलाज के पैकेज तय कर दिए गए हैं। यह स्वास्थ्य सुरक्षा कवच कैशलेस है, मतलब इसमें मरीज के उपचार का पैसा पात्र परिवार को न दिया जाकर इलाज करने वाले अस्पताल को सीधे भुगतान कर दिया जाता है। शासन द्वारा अब 70 वर्ष या इससे अधिक उम्र के नागरिकों को भी योजना में शामिल कर योजना का लाभ देने के लिए निर्णय लिया है। आयुष्मान भारत योजना का लाभ लेने के लिए सर्व प्रथम आयुष्मान कार्ड बनवाया अनिवार्य है। आयुष्मान भारत योजना का लाभ लेने की प्रकिया पात्र परिवार के सदस्यों को किसी भी रोग बीमारी की स्थिति में शासकीय अस्पताल में अथवा चिन्हित निजी अस्पताल जाकर दिखाना होगा।

सिंहस्थ 2028: उज्जैन में सुरक्षा के लिए 70 डॉग स्क्वॉड तैनात करने का प्रस्ताव, राज्य शासन को भेजी फाइल

महाकुंभ के दौरान रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड, मेला क्षेत्र और महाकाल मंदिर की सुरक्षा होगी और मजबूत, अभी उज्जैन पुलिस के पास हैं 4 प्रशिक्षित डॉग

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। वर्ष 2028 में उज्जैन में आयोजित होने वाले सिंहस्थ महाकुंभ को लेकर कानून-व्यवस्था और सुरक्षा व्यवस्था को अभेद्य बनाने की तैयारियां अभी से शुरू कर दी गई हैं। इसी कड़ी में उज्जैन पुलिस प्रशासन ने सिंहस्थ के दौरान 70 डॉग स्क्वॉड की तैनाती का प्रस्ताव राज्य शासन को भेजा है। विश्व के सबसे बड़े धार्मिक आयोजनों में शामिल सिंहस्थ महाकुंभ में देश-विदेश से करोड़ों श्रद्धालुओं के उज्जैन पहुंचने की संभावना को देखते हुए यह कदम उठाया गया है।

वर्तमान में उज्जैन पुलिस लाइन में केवल 4 प्रशिक्षित डॉग स्क्वॉड उपलब्ध हैं, जो लगातार शहर में सुरक्षा और अपराध नियंत्रण में अहम भूमिका निभा रहे हैं। ये खोजी कुत्ते अपराध स्थल से साक्ष्य जुटाने, संदिग्धों का पता लगाने, विस्फोटक सामग्री की पहचान और मादक पदार्थों की तस्करी रोकने में पुलिस की मदद करते हैं।

सिंहस्थ में रहेगी विशेष सतर्कता- सिंहस्थ के दौरान उज्जैन के रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड, महाकाल मंदिर और विशाल मेला क्षेत्र में लाखों श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ती है। पूर्व में भी सिंहस्थ कुंभ के दौरान स्निफर और ट्रैकर डॉग्स की तैनाती की गई थी, जिससे सुरक्षा व्यवस्था को काफी मजबूती मिली थी। वर्ष 2028 के आयोजन को देखते हुए शासन का फोकस है कि किसी भी तरह की चूक न हो, इसी कारण 70 डॉग स्क्वॉड का प्रस्ताव तैयार किया गया है। सिंहस्थ के दौरान ये डॉग स्क्वॉड प्रदेश के विभिन्न शहरों से उज्जैन बुलाए जाएंगे।

डॉग स्क्वॉड पर एक नजर - उज्जैन पुलिस के पास वर्तमान में मौजूद डॉग स्क्वॉड अपनी दक्षता के लिए जाने जाते हैं।

मैसी और खली स्निफर डॉग हैं, जिन्हें विस्फोटक सामग्री पहचानने के लिए विशेष रूप से प्रशिक्षित किया गया है। ये नियमित रूप से महाकाल मंदिर में ड्यूटी करते हैं और किसी भी संदिग्ध वस्तु की सूचना तुरंत टीम को देते हैं।

लक्की एक ट्रैकर डॉग है, जो खोई हुई वस्तुओं और अपराधियों का सुराग लगाने में माहिर है। यह जर्मन शेफर्ड प्रजाति का मेल डॉग है और छिपे संदिग्धों को खोज निकालने में सक्षम है।

बालडो भी जर्मन शेफर्ड नस्ल का मेल डॉग है, जिसे मादक पदार्थों की पहचान के लिए प्रशिक्षित किया गया है। यह अवैध नशीले पदार्थों की तस्करी रोकने में पुलिस की बड़ी मदद करता है।

सुरक्षा को लेकर शासन गंभीर- पुलिस अधिकारियों के अनुसार, सिंहस्थ 2028 को लेकर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए जाएंगे। 70 डॉग स्क्वॉड की तैनाती से न केवल भीड़ प्रबंधन आसान होगा, बल्कि आतंकी गतिविधियों, विस्फोटक और मादक पदार्थों की आशंका को भी समय रहते रोका जा सकेगा। शासन स्तर पर प्रस्ताव को स्वीकृति मिलने के बाद आगे की कार्रवाई शुरू की जाएगी।

लाठी से हमला कर सेवानिवृत्ति प्राचार्य की हत्या

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। भेरूगढ़ क्षेत्र में बुधवार दोपहर सेवानिवृत प्राचार्य की लाठी से हमला कर युवक ने हत्या कर दी। प्राचार्य को परिजन निजी अस्पताल लेकर पहुंचे थे। घटना की जानकारी लगते ही पुलिस मौके पर पहुंची आरोपी को हिरासत में ले लिया गया है।

भेरूगढ़ थाना क्षेत्र के गणेश मंदिर के समीप रहने वाले रमाशंकर शर्मा 85 साल शासकीय माध्यमिक विद्यालय के सेवानिवृत प्राचार्य थे। दोपहर में अपने घर से बेटी के यहां जाने के लिए निकले थे। इस दौरान घर के पास वाली गली में रहने वाले मोहन तंवर नामक युवक ने अचानक उन पर लाठी से हमला कर दिया। उसने तबातोड़ 5 से 6 बार सर पर किये। रमाशंकर शर्मा गंभीर रूप से घायल हो गए। लोगों ने परिजनों को सूचना दी और उन्हें निजी अस्पताल ले जाया गया। जहां डॉक्टर ने पहले आईसीयू में भर्ती किया और कुछ देर बाद मौत होने की पुष्टि की। मामले की जानकारी लगते ही पुलिस घटनास्थल पहुंच गई और लोगों से पूछताछ कर हमला करने वाले आरोपी को हिरासत में ले लिया गया।

बताया जा रहा है कि आरोपी अकेला रहता है उसने हमला क्यों किया इस बात की जानकारी जुटा जा रही है। पुलिस के अनुसार मामले में हत्या का प्रकरण दर्ज किया जाएगा। फिलहाल शव को पोस्टमार्टम कक्ष चरक अस्पताल में रखा गया है। गुरुवार सुबह पोस्टमार्टम कराया जाएगा।

जीरो पाइंट ब्रिज पर सड़क दुर्घटना में युवक की मौत

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। जीरो पाइंट ब्रिज पर मंगलवार बुधवार रात एक्टिवा सवार दो युवकों को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। संतुलन बिगड़ने पर दोनों डिवाइडर से टकरा गए। दुर्घटना में एक की मौके पर मौत हो गई दूसरा गंभीर घायल हुआ है।

देवास गेट थाना पुलिस ने बताया कि जीरो पाइंट ब्रिज पर रात में एक्टिवा सवार दो युवकों को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी थी। संतुलन बिगड़ने पर दोनों डिवाइडर से टकराकर गंभीर रूप से घायल हो गये थे जिन्हें अस्पताल पहुंचाया गया। जहां एक युवक की मौत होने की पुष्टि डॉक्टरों द्वारा परीक्षण के बाद की गई। दूसरा घायल था जिसे उपचार के लिए भर्ती किया गया। दोनों की पहचान करने पर मृतक का नाम सूरज पिता प्रदीप अग्निहोत्री 23 वर्ष निवासी पंवासा होना सामने आया। घायल अंकित उर्फ काना निवासी वाल्मिकी कॉलोनी का रहने वाला है। बुधवार सुबह पोस्टमार्टम के दौरान मृतक सूरज के परिजनों ने बताया कि 6 माह पहले शादी हुई थी और डिलीवरी बॉय का काम करता था। दोनों अपने दोस्त की शादी के बाने में शामिल होने के लिए आगर नाका गए थे जहां से वापस लौट रहे थे। जानकारी यह भी सामने आई है कि दोनों ने शराब का सेवन कर रखा था। पुलिस के अनुसार फिलहाल पोस्टमार्टम के बाद सूरज का शव अंतिम संस्कार के लिए परिजनों को सोपा गया है।

थाना प्रभारी ने पहुंचाया था अस्पताल- बताया जा रहा है कि दुर्घटना के दौरान ब्रिज से जीवाजीगंज थाना प्रभारी विवेक कनोडिया गुजर रहे थे उन्होंने दोनों घायलों को देखा तो अपने वाहन से चरक अस्पताल पहुंचाया। लेकिन एक युवक की मौत हो चुकी थी। दुर्घटना की जानकारी रखते ही मृतक और घायल के परिजन अस्पताल पहुंच गए थे।

उज्जैन में बनेगा सांदीपनि गुरुकुल विश्वविद्यालय

श्रीकृष्ण पाथेय के लिए स्थलों का सर्वे शुरू

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। श्रीराम वन गमन पथ के बाद अब मध्यप्रदेश सरकार भगवान श्रीकृष्ण से जुड़े स्थलों को जोड़ने के लिए श्रीकृष्ण पाथेय विकसित करने जा रही है। इसी कड़ी में उज्जैन में सांदीपनि गुरुकुल (विश्वविद्यालय) की स्थापना की जाएगी।

पाथेय के लिए स्थलों को चिह्नित करने का काम शुरू हो चुका है और पहले चरण में मालवा अंचल में भगवान श्रीकृष्ण से जुड़े प्रमुख स्थलों का सर्वे किया गया है।

सरकारी योजना के अनुसार उज्जैन स्थित सांदीपनि आश्रम को श्रीकृष्ण पाथेय का केंद्र बनाया जाएगा। इसके अलावा इंदौर जिले में जानापाव (भगवान परशुराम की जन्मस्थली) और धार जिले का आमझेरा सहित अन्य ऐतिहासिक व धार्मिक स्थलों को भी पाथेय में शामिल किया गया है। इन्हीं स्थलों के माध्यम से प्रदेशभर में भगवान श्रीकृष्ण से जुड़ा सांस्कृतिक और आध्यात्मिक मार्ग विकसित किया जाएगा।

श्रीकृष्ण पाथेय का उद्देश्य भगवान कृष्ण की लीलाओं, जीवन मूल्यों, दर्शन, ज्ञान और उपदेशों को देश-विदेश तक पहुंचाना है।

इसके तहत उज्जैन में स्थापित होने वाले सांदीपनि गुरुकुल विश्वविद्यालय में कृष्ण लीलाओं और दर्शन से जुड़े पाठ्यक्रम संचालित किए जाएंगे। यहां शोध कार्य भी होंगे। साथ ही उज्जैन में श्रीकृष्ण लोक विकसित करने की योजना है।

योजना के अंतर्गत दुबई सहित अन्य देशों में भी भारतीय संस्कृति और श्रीकृष्ण से जुड़े सांस्कृतिक आयोजन किए जाएंगे। श्रीकृष्ण पाथेय के लिए स्थलों के चयन हेतु गठित 12 सदस्यीय विशेषज्ञ समिति ने मालवा क्षेत्र में सर्वे पूरा कर लिया है। समिति आगे अलग-अलग चरणों में पूरे प्रदेश में भगवान श्रीकृष्ण से जुड़े धार्मिक, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक स्थलों की पहचान करेगी।

सरकार ने लगभग आठ माह पहले श्रीकृष्ण पाथेय न्यास का गठन किया था। न्यास की बैठक शीघ्र आयोजित की जाएगी, जिसमें आगे की कार्ययोजना पर निर्णय लिया जाएगा। इस योजना के तहत प्रदेश में स्थित भगवान श्रीकृष्ण के सभी मंदिरों का चरणबद्ध जीर्णोद्धार भी किया जाएगा, ताकि धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा मिल सके और सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित किया जा सके।

उज्जैन संभाग में बढ़ रहा कैंसर का ग्राफ.. हर साल 300 से ज्यादा नए मरीज आ रहे

माधव नगर अस्पताल में संचालित कैंसर केअर यूनिट में 6800 से ज्यादा मरीज रजिस्टर्ड - कीमो से लेकर पैलेटिव केयर तक की जा रही सुविधा

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। उज्जैन संभाग में कैंसर के मामलों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है, जो स्वास्थ्य तंत्र के लिए गंभीर चिंता का विषय बनती जा रही है। माधव नगर स्थित शासकीय अस्पताल में संचालित कैंसर केयर यूनिट इस बढ़ती चुनौती के बीच मरीजों के लिए बड़ी राहत बनकर सामने आई है। यहां अब तक 6 हजार 802 कैंसर मरीज पंजीकृत हो चुके हैं, जबकि हर साल 300 से 500 नए मरीज उपचार के लिए पहुंच रहे हैं।

कैंसर केयर यूनिट प्रभारी डॉ. त्रिपाठी ने बताया कि यूनिट में मरीजों को परामर्श, जांच (स्क्रीनिंग), निश्शुल्क दवाएं, कीमोथेरेपी और पैलेटिव केयर जैसी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। इलाज के साथ-साथ मरीजों को आगे के उपचार की पूरी योजना भी समझाई जा रही है, जिससे वे मानसिक रूप से भी मजबूत रह सकें।

अन्य प्रदेशों से भी आ रहे मरीज- माधव नगर अस्पताल की कैंसर केयर यूनिट अब सिर्फ उज्जैन संभाग तक सीमित नहीं रही है। यहां अन्य प्रदेशों से भी मरीज इलाज के लिए पहुंच रहे हैं, जो इस यूनिट की कार्यप्रणाली और सुविधाओं पर बढ़ते भरोसे को दर्शाता है। चिकित्सकों के अनुसार वर्तमान में करीब 2000 मरीज नियमित रूप से कीमोथेरेपी ले रहे हैं, जबकि 300 मरीज पैलेटिव केयर के अंतर्गत देखरेख और दर्द निवारण उपचार पा रहे हैं। विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम मरीजों की स्थिति के अनुसार उपचार तय कर रही है।

समय पर जांच से बढ़ सकती है जीवन की उम्मीद- चिकित्सकों का कहना है कि कैंसर के मामलों में बढ़ोतरी के पीछे जीवनशैली में बदलाव, तंबाकू-गुटखा सेवन, असंतुलित खान-पान और देर से जांच जैसे कारण प्रमुख हैं। यदि बीमारी का पता शुरुआती चरण में चल जाए तो इलाज की सफलता की संभावना काफी बढ़ जाती है।

एक नजर में कैंसर के आंकड़े

कुल पंजीकृत कैंसर मरीज ≈ 6,802
कीमोथेरेपी ले रहे मरीज ≈ लगभग 2,000
पैलेटिव केयर के मरीज ≈ 300
हर साल नए मरीज ≈ 300 से अधिक

होम लोन के नाम पर ठगी करने वाली महिला गिरफ्तार

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। प्राइवेट एडवाइजरी लिमिटेड कंपनी खोलकर होम लोन के नाम पर ठीक करने वाली महिला संचालिका को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। 6 माह पहले पुलिस ने मामला दर्ज किया था।

नीलगंगा थाना प्रभारी तरुण कुरील ने बताया कि 18 जुलाई 2025 को नरवर में रहने वाली सोनू सोलंकी ने शिकायत दर्ज कराई थी कि एसएसएफएस एडवाइजरी प्रायवेट लिमिटेड, विद्यापति नगर की संचालिका/प्रबंधक प्रीति दुबे उर्फ वैदिका दुबे और उसके सहयोगियों द्वारा होम लोन स्वीकृत कराने का झांसा दिया गया। आरोपियों द्वारा फोन-पे के माध्यम से 45,250 की राशि प्राप्त की गई थी। इसके अतिरिक्त उसके पति से 16 ब्लैंक चेक, आधार कार्ड, पैन कार्ड, बैंक दस्तावेज एवं अन्य पहचान पत्रों की प्रतियां भी ले ली गईं। लेकिन लोन स्वीकृत नहीं कराया, कुछ महीनो बाद जब अपनी राशि व दस्तावेज वापस मांगे तो आरोपियों द्वारा गाली-गलौज कर कार्यालय से बाहर निकाल दिया गया एवं झूठे प्रकरण में फंसाने की धमकी दी गई। सोनू सोलंकी की शिकायत पर प्रकरण दर्ज कर मामले की जांच शुरू की गई थी। वही लोन के नाम पर ठीक करने वाली महिला और उसके सहयोगी फरार हो गए थे। जिनकी तलाश कर 6 माह बाद महिला आरोपी प्रीति दुबे को गिरफ्तार किया गया है। जिसे पुलिस रिमांड पर लेकर पूछताछ की जा रही है। संभावना है कि उसने कई लोगों के साथ धोखाधड़ी की है जिसमें शामिल उसके सहयोगियों की जानकारी जुटा कर उन्हें भी जल्द गिरफ्तार किया जाएगा।

फंदा गले मे डाल तीन बच्चों की मां ने लगाई फांसी

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। दुपट्टे का फंदा बनाकर तीन बच्चों की मां ने फांसी लगा ली। परिजनों ने उसे देखा तो अस्पताल लेकर पहुंचे। पुलिस ने पोस्टमार्टम कराया है लेकिन आत्महत्या की वजह सामने नहीं आ पाई है। नीलगंगा थाना पुलिस ने बताया कि विष्णुपुरा में रहने वाली रितु पति सनी चिटनीस 28 साल मंगलवार शाम अपने कमरे में जाकर दुपट्टे का फंदा गले में डाल दिया था। कुछ देर बाद परिजनों ने उसे लटका देखा तो नीचे उतारा और अस्पताल लेकर पहुंचे लेकिन उसकी मौत हो चुकी थी सूचना मिलने पर मामले में मर्ग कायम किया गया और बुधवार सुबह पोस्टमार्टम कराया गया इस दौरान परिजनों ने बताया कि रितु तीन बच्चों की मां थी और अपनी दो बहनों के साथ ही ससुराल में रहती थी। घटना के समय उसकी दोनों बहने भी घर में ही मौजूद थी। रितु का मायका छत्तीसगढ़ में था। पति ने एक माह पहले ही नया मकान लिया था और पूरा परिवार यहां शिफ्ट हुआ था। घर में कोई परेशानी नहीं थी ना ही कोई वाद विवाद था रितु ने आत्मघाती कदम क्यों उठाया इसकी वजह परिवार के किसी सदस्य को पता नहीं है। पुलिस के अनुसार जांच के बाद ही आत्महत्या की वजह सामने आ पाएगी।

कलेक्टर की अध्यक्षता में शिक्षा विभाग की मासिक समीक्षा बैठक आयोजित की गई

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह की अध्यक्षता में शिक्षा विभाग की मासिक समीक्षा बैठक बुधवार दोपहर कलेक्टर कार्यालय सभागृह में आयोजित की गई। बैठक में जिले में शिक्षा विभाग अंतर्गत संचालित विभिन्न विभागों, समग्र शिक्षा अभियान (प्राथमिक एवं माध्यमिक), उच्च शिक्षा विभाग, रोजगार एवं कौशल विकास विभाग, अन्य पिछड़ा वर्ग विभाग, अनुसूचित जनजाति विभाग तथा औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान के कार्यों की समीक्षा कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्री श्रेयांस कूमट और संबंधित विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित रहें।

बैठक में समग्र शिक्षा अभियान (प्राथमिक एवं माध्यमिक) के अंतर्गत शैक्षणिक गतिविधियों की समीक्षा कर डीपीसी को आधार स्थिति में सुधार करने, विद्यार्थियों के आधार सीडिंग कार्य को प्राथमिकता देने तथा शत-प्रतिशत प्रविष्टि सुनिश्चित करने के लिए निर्देशित किया गया। साथ ही विद्यालयों में शिक्षक एवं छात्र उपस्थिति की नियमित निगरानी करने तथा उपस्थिति व्यवस्था को सुदृढ़ करने के निर्देश दिए गए। एडीपीसी को अटेंडेंस व्यवस्था को प्रभावी बनाने एवं आगामी मंडल/बोर्ड परीक्षाओं को दृष्टिगत रखते हुए आवश्यक तैयारियां समयबद्ध रूप से पूर्ण करने के निर्देश प्रदान किए गए।

उच्च शिक्षा विभाग की समीक्षा कर महाविद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों की छात्रवृत्ति योजनाओं की प्रगति पर चर्चा की गई। कलेक्टर श्री सिंह द्वारा पात्र विद्यार्थियों को समय-सीमा में छात्रवृत्ति का लाभ दिलाने, लंबित प्रकरणों का शीघ्र निराकरण करने तथा छात्रवृत्ति संबंधी कार्यों में पारदर्शिता बनाए रखने के निर्देश दिए गए। बैठक में ओबीसी एवं अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति विभाग के अंतर्गत एमपीटास पोर्टल पर पंजीयन, सत्यापन एवं प्रवृत्ति वितरण की स्थिति की समीक्षा की गई। पोर्टल पर लंबित कार्यों को शीघ्र पूर्ण करने, पात्र हितग्राहियों को समय पर लाभ दिलाने एवं तकनीकी त्रुटियों का त्वरित समाधान करने के निर्देश दिए गए।